सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT

2018-2019

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण

मत्स्यपालन विभाग

मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय

FISHERY SURVEY OF INDIA

Department of Fisheries

Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying

वार्षिक रिपोर्ट
2018-2019
ANNUAL REPORT

ORGANIZATIONAL STRUCTURE

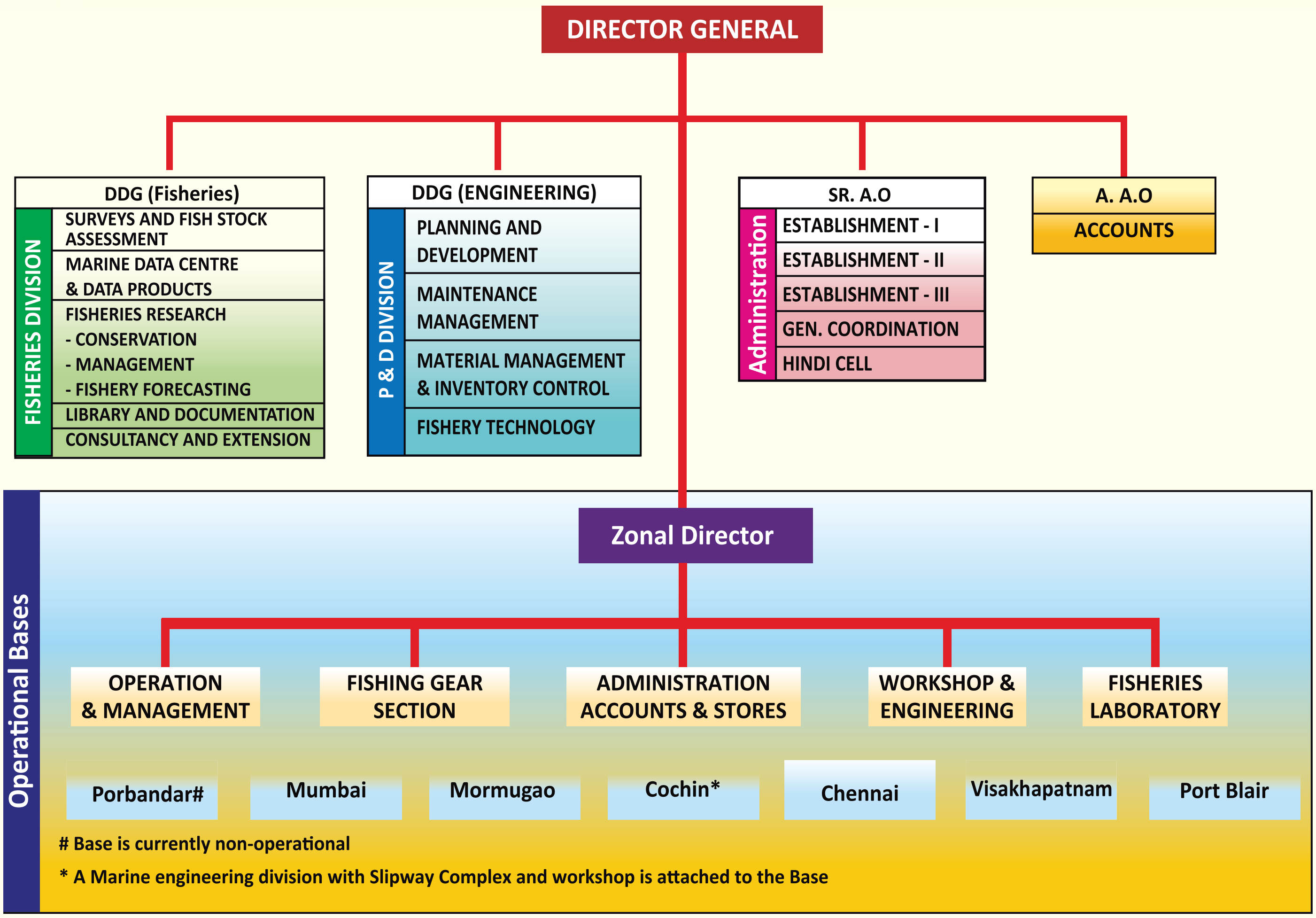

Department of Fisheries, Ministry of Fisheries, Animal Husbandry & Dairying
Government of India
Krishi Bhawan, New Delhi, India-110 001.

Website www.dof.gov.in & http://dahd.nic.in
KISAAN PORTAL Website: www.farmer.gov.in / www.mkisan.gov.in
For more information, call: 1800-180-1551

Send "KISAAN GOV HELP" as SMS to 51969 (Service provider rates apply)
Poultry Development: www.facebook.com/poultryinindia-242959095864252
Fodder Development: www.facebook.com/fodderinindia
Sheep and Goat Development www.facebook.com/ sheepgoatsindia
Twitter: twitter.com/poultryinindia & twitter.com/ cpdoti
Facebook page of DOF- https://www.facebook.com/FisheriesGoI
Twitter handle of DOF - twitter.com/FisheriesGoI

सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT
2018-19

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग
मुंबई - 400 005.

FISHERY SURVEY OF INDIA
Govt. of India
Ministry of Fisheries, Animal Husbandry & Dairying
Department of Fisheries
Mumbai - 400 005.

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19
Annual Report 2018-19

संकलक / Compiled by

श्री बापू एम राऊत, श्री आशीष कुमार, श्री ए. शिवा,
डॉ. राजश्री बी. सनदी, श्री राहूलकुमार बी. टेलर और डॉ. किरण एस. माली
Shri Bapu M Raut, Shri Ashish Kumar, Shri A. Siva,
Dr. Rajashree B. Sanadi, Shri Rahulkumar B. Tailor and Dr. Kiran S. Mali

संपादक / Edited by

डॉ. विनोद कुमार मुडमाला एवं डॉ. अंशुमन दास
Dr. Vinod Kumar Mudumala and Dr. Ansuman Das

हिंदी अनुवाद / Hindi translation

श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, श्रीमती टी. पी. लीना,
श्री आशीष खरे, श्री बी. एल. अंजना, श्री शाहनवाज,
Smt. Meera Vellan Rajiv, Smt. T. P. Leena, Shri Ashish Khare
Shri B. L. Anjana, Shri Shahnawaz

सचिवीय सहायता / Hindi typing

श्री विशाल के. खरात, श्री विकास कुमार मिश्रा
Shri Vishal Kharat, Shri Vikas Kumar Mishra

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
प्लॉट 2 ए, यूनिट नं. 12, न्यू फिशिंग हारबर जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा, मुंबई - 400 005.
फैक्स : 022-22188221; फोन : 022-22188235 / 22151866
वेबसाईट : http//www.fsi.gov.in; ई-मेल : dg-fsi-mah@nic.in

Fishery Survey of India
Plot 2A, Unit No. 12, New Fishing Jetty, Sassoon Dock, Colaba, Mumbai - 400 005.
Fax: 022-22188221; Phone: 022-22188235 / 22151866
Website: http//www.fsi.gov.in; E-mail: dg-fsi-mah@nic.in

विषय सूची...

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19

क्रम सं		पृष्ठ सं
1	महानिदेशक की डेस्क से...,	III
2	अधिदेश	V
3	प्रचालन बेस व सर्वेक्षण पोत	1
4	समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, निर्धारण एवं अनुसंधान परियोजनाएं	4
	4.1 तलमज्जी और पेलाजिक संसाधन सर्वेक्षण एवं मॉनिटरिंग	4
	पश्चिमी तट	4
	पूर्वी तट	12
	4.2 महासागरीय टूना संसाधन सर्वेक्षण	20
5	प्रत्यक्ष लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ	26
6	पोतवार पकड एवं मूल्य	27
7	सर्वेक्षण जलयात्राओं में वैज्ञानिक भागीदारी	28
8	बेड़ा अनुरक्षण	29
9	आधारभूत संरचना सुविधाएं	30
10	प्रशिक्षण	31
11	प्रकाशन	35
12	अनुसंधान एवं सर्वेक्षण गतिविधियाँ	38
13	प्रशासन एवं वित्त	46

क्रम सं			पृष्ठ सं
14	मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों की महत्वपूर्ण घटनाएं		51
	14.1	बैठकें	51
	14.2	विभिन्न कार्यक्रमों में महानिदेशक एवं वैज्ञानिकों की भागीदारी	52
	14.3	आगन्तुक/प्रतिनिधि मण्डल	59
	14.4	व्यापार मेला/प्रदर्शनी/मेला/संगोष्ठी/सेमिनार में सहभागिता	62
	14.5	आकाशवाणी और दूरदर्शन कार्यक्रम	62
	14.6	फिशरमेन रैली	63
	14.7	सतर्कता जागरुकता सप्ताह	63
	14.8	साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह	63
	14.9	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय और बेस कार्यालय द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाडा/अभियान	63
	14.10	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	64
	14.11	संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला / ओपन हाउस	64
	14.12	पुरस्कार एवं प्रशंसा	68
15	राजभाषा गतिविधियाँ		69
16	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग और संघ		74
17	संक्षिप्त रुप		75

महानिदेशक की डेस्क से

डॉ. एल. रामलिंगम

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा मा स) भारत सरकार, मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के एक प्रमुख मात्स्यिकी संस्थान है, को सर्वेक्षण बेडे की तैनाती और विभिन्न मछली पकडने के तरीकों को नियोजित करके भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग की मुख्य जिम्मेदारी दी गई है। सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित मात्स्यिकी संसाधन डेटा को अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए नियमित रुप से प्रसारित किया जा रहा है।

मात्स्यिकी क्षेत्र तटवर्ती क्षेत्रों में विशेषकर देश के आर्थिक रुप से विशेषधिकार प्राप्त लोगों के एक बड़े हिस्से के लिए आजीविका का एक मूल स्त्रोत है। यह क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार,रोज़गार सृजन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूँकि यह क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, इसलिए स्थायी आधार पर समुद्री मत्स्य संसाधनों के पैदावार हेतु प्रौद्योगिकी को उन्नत करना समय की आवश्यकता है। संस्थान की स्थापना के बाद से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण विविध मछली उत्पादन बढ़ाने में योगदान करनेवाली सूचना के प्रसार के अलावा, उपयोगकर्ता समूहों के लाभार्थ मत्स्यन गियर की दक्षता और विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों का उपयोग कर रहा हैं।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण को राष्ट्रीय स्तर के अन्य मात्स्यिकी संस्थानों के सहयोग से महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की अध्यक्षता में भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी के पुनर्वैधीकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है और भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र की कुल संभावित उपज विशेषज्ञ समिति (2018) द्वारा 5.31 मिलियन टन के रुप में पुनर्वैधीकरण किया गया है। इसमें से, मुख्य भूमि के पेलाजिक संसाधन 2.30 टन, मुख्य भूमि के तलमज्जी संसाधन 2.63 मिलियन टन, व्दीप समूहों (महासागरीय संसाधनों को छोडकर) में आकलित संभावित उपज 58,280 टन है, जबकि संपूर्ण भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के लिए महासागरीय संसाधनों के संभाव्य उपज 2.31 लाख टन है।

वर्ष के दौरान, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने विभिन्न समितियों अर्थात् केंद्रीय स्वीकृति एवं अनुवीक्षण समिति (सी ए एम सी), समुद्री मात्स्यिकी विनियम के पुनःप्रारुपण और प्रबंधन बिल के लिए समिति, प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण (जेड एस आई), मात्स्यिकी सबसिडी पर कार्य दल, ट्रॉलिंग हेतु उच्च शक्ति इंजन नौकाओं के उपयोग के पहलुओं पर गौर करने के लिए समिति, भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के लिए बेडे की योजना बनाने के लिए समिति और महासागर अवलोकन तंत्र, साइबेर और जियोट्रेसेस के परियोजना प्रबंधन परिषद का प्रतिनिधित्व किया था।

महानिदेशक (प्रभारी) ने भारत के परियोजना चरण-II बंगाल की खाडी बृहत् समुद्री पारिस्थितिक तंत्र (बोबलमी) के लिए राष्ट्रीय समन्वयक के रुप में कार्य किया। बोबलमी-चरण II के प्रथम स्टॉकहोल्डर परामर्श बंगाल खाडी कार्यक्रम (बो ओ बी पी), चेन्नई के और संबंधित राज्य मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से चेन्नई, विशाखपट्टणम और बैरकपूर में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय समन्वयक के रुप में महानिदेशक (प्रभारी) ने बैंकोक में आयोजित प्रारंभ बैठक में भाग लिया।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण हिंद महासागर टूना आयोग (आई ओ टी सी) के साथ सक्रिय रुप से जुडा था और आई ओ टी सी को टूना और संबंधित संसाधनों पर डेटा प्रस्तुत करने में और भारत की राष्ट्रीय रिपोर्ट तैयार करने में शामिल था। भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2018-19 के दौरान किए गए सर्वेक्षण एवं अनुसंधान तथा संबंधिति गतिविधियों जैसा कि प्रत्येक पोत को सौंपे गए सर्वेक्षण परियोजनाएं, पोतों के भौतिक लक्ष्य और उपलब्धियां, सर्वेक्षण परिणाम, वैज्ञानिक निष्कर्ष, वैज्ञानिक उपलब्धियां, विस्तार गतिविधियां, अंतर संस्थागत परियोजनाएं, प्रशासनिक एवं वित्तीय मामलों आदि की झलक को दर्शाया गया है।

वर्ष 2018-19 के दौरान मानव संसाधन विकास (एच आर डी) के एक हिस्से के रुप में कुल 36 परंपरागत मछुआरों को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के सर्वेक्षण पोतों पर टूना लाँग लाइनिंग में प्रशिक्षित किया गया और अंडमान एवं निकोबार व्दीप के 20 आदिवासी मछुआरों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण दिया गया। क्षेत्र में तलमज्जी संसाधनों की खोज के लिए अंडमान एवं निकोबार जल में एक विशेष अभियान समन्वेषी सर्वेक्षण संचालित किया गया। सर्वेक्षण निषकर्षों को नीतिगत निर्णय के लिए अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के साथ साझा किया गया और क्षेत्रीय कार्यशाला में 110 स्थानीय मछुआरों को प्रसार किया गया। संस्थान नियमित रुप से समुद्री सेवा प्राप्त करने के लिए सिफनेट प्रमाणित प्रशिक्षार्थियों को पोत पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने कार्यालय परिसर, मत्स्यन बंदरगाह और मछली बाज़ार को साफ करने के लिए संस्थान के कर्मचारियों को शामिल करके **स्वच्छता अभियान** को सफलतापूर्वक लागू किया और पालन किया। सरकारी कार्य में पारदर्शिता लाने हेतु कर्मचारियों के बीच जागरुकता पैदा करने हेतु सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया गया। कर्मचारियों को हिंदी में काम करने हेतु प्रेरित करने के लिए **हिंदी पखवाडा** और हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गई। संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के निरीक्षण/समीक्षा हेतु भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का दौरा किया। **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** भी मनाया गया और सभी कर्मचारियों को योग के लाभ पर जागरुकता पैदा की।

संस्थान के सर्वेक्षण बेड़े ने 2541 घंटो के मछली पकड़ने के प्रयास और 1,60,774 नग हुक निमज्जित करते हुए सामूहिक रूप से 1,465 दिन समुद्र में बिताएं। कुल पकड़ 69 टन पैदावार किए गए और मछली विक्रयागम के रूप में रू. 20,70,363 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान का बजट अनुदान रू. 56.86 करोड़ था और व्यय रू. 56.26 करोड़ था।

"नील क्रांती" के मिशन को पूरा करने के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, स्थायी रुप से समुद्री मत्स्य संसाधनों के पैदावार में मछुआरों पणधारियों, मछली उद्योग और अन्य उपयोगकर्ता समूहों के लिए राष्ट्र की सेवा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

(डॉ. एल. रामलिंगम)
उप महानिदेशक (मा.)/
महानिदेशक (प्रभारी

अधिदेश

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, मत्स्यपालन विभाग के अंतर्गत भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग करने हेतु सुनिश्चित अधिदेश के ढ़ाँचे के अधीन एक प्रमुख अभिकरण है। संस्थान का अधिदेश राष्ट्रीय एवं भौगोलिक आवश्यकताओं को देखते हुए मात्स्यिकी क्षेत्र के विकासात्मक गतिविधियों के साथ समय पर बदलता रहता है।

संस्थान का वर्तमान अधिदेश निम्नलिखित हैः

- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र एवं समीपस्थ महासमुद्र में मछली स्टॉक का निर्धारण, समन्वेषी सर्वेक्षण, मत्स्यन क्षेत्र का चार्टिंग और इसके अतिरिक्त राज्य एवं संघ शासित क्षेत्रों के अनुरोध पर विशिष्ट सर्वेक्षण और इसका अनुसंधान।

- आँकडा संग्रहण और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं विश्व सम्मेलनों एवं समझौतों में सुरक्षित मात्स्यिकी प्रबन्धन मामलों पर सलाह प्रदान करने हेतु संभाव्य मात्स्यिकी संसाधन का समय समय पर पुनः वैधीकरण तथा अन्य संबंधित गतिविधियाँ।

- प्रवाल-भित्तियों सहित शोषित क्षेत्रों में मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण की मॉनिटरिंग, मत्स्यन गतिविधियों को नियमित करने हेतु मॉनिटरिंग, नियंत्रण एवं निगरानी (एम सी एस) का प्रयोग तथा भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार संहिता को आगे बढ़ाना।

- आँकडा बैंक का रखरखाव तथा अंतिम उपभोक्ताओं को मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना का प्रचार-प्रसार करना तथा समुद्री एवं अंतः स्थलीय मछली उत्पादन एवं संबंधित पहलुओं के लिए राज्य/संघ शासित क्षेत्र एवं मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के बीच सेतु के रूप में कार्य करना।

- मत्स्यन गियर की उपयुक्तता, पर्यावरण के परिरक्षण एवं समुद्री प्रकृति की पारिस्थितिकी के विशेष संदर्भ के साथ साज सामान एवं उपकरण का निर्धारण।

- मछली स्टॉक पहचानीकरण एवं आनुवंशिक औजारों एवं तकनीकियों के प्रयोग सहित जैव-विविधता का अध्ययन।

- शिल्पकार, यंत्रीकृत एवं औद्योगिक क्षेत्रों के लिए सुदूर संवेदन का प्रयोग सहित समुद्री मात्स्यिकी पूर्वानुमान।

- मत्स्यन कर्मियों, मछुआरों, मात्स्यिकी अधिकारियों एवं छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन विकास।

3. प्रचालन बेस व सर्वेक्षण पोत

संस्थान के सर्वेक्षण बेडे में कुल 11 पोतें शामिल है। इन सर्वेक्षण पोतों का विवरण एवं उसके प्रमुख विशेष वर्णन निम्नलिखित है।

एम एफ वी मत्स्य वृष्टि

ओ ए एल (मी)	:	37 .5
जी आर टी (टी)	:	465
बी एच पी	:	1100
प्रकार	:	मोनोफिलामेंट लॉंग लाइनर
वर्ष	:	2005
बनाया	:	चीन
परिचालन बेस	:	मुंबई (महाराष्ट्र)

एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी

ओ ए एल (मी)	:	40.5
जी आर टी (टी)	:	329.3
बी एच पी	:	2030
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1978
बनाया	:	हॉलैंड
परिचालन बेस	:	मुंबई (महाराष्ट्र)

एम एफ वी येल्लो फिन

ओ ए एल (मी)	:	35.7
जी आर टी (टी)	:	310
बी एच पी	:	800
प्रकार	:	टूना लॉंग लाइनर
वर्ष	:	1989
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	मुरगांव (गोवा)

एम एफ वी सागरिका

ओ ए एल (मी)	:	28.8
जी आर टी (टी)	:	189
बी एच पी	:	650
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1994
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	मुरगांव (गोवा)

एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी

ओ ए एल (मी)	:	36.5
जी आर टी (टी)	:	268.5
बी एच पी	:	1160
प्रकार	:	ट्रॉलर-सह-पर्स-सीनर
वर्ष	:	1980
बनाया	:	डेनमार्क
परिचालन बेस	:	कोच्चिन (केरल)

एम एफ वी लवणिका

ओ ए एल (मी)	:	24
जी आर टी (टी)	:	151
बी एच पी	:	500
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1995
बनाया	:	भारत
परिचालन बेस	:	कोच्चिन (केरल)

एम एफ वी मत्स्य दृष्टि

ओ ए एल (मी)	:	37.5
जी आर टी (टी)	:	465
बी एच पी	:	1100
प्रकार	:	मोनोफिलामेंट लॉंग लाइनर
वर्ष	:	2005
बनाया	:	चीन
परिचालन बेस	:	चेन्नई (तमिलनाडु)

एम एफ वी समुद्रिका

ओ ए एल (मी)	:	28.8
जी आर टी (टी)	:	189
बी एच पी	:	650
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1994
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	चेन्नई (तमिलनाडु)

एम एफ वी मत्स्य शिकारी

ओ ए एल (मी)	:	39.8
जी आर टी (टी)	:	352.4
बी एच पी	:	1740
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1979
बनाया	:	हॉलैंड
परिचालन बेस	:	विशाखापट्टणम (आंध्र प्रदेश)

एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी

ओ ए एल (मी)	:	36.5
जी आर टी (टी)	:	268.8
बी एच पी	:	1160
प्रकार	:	ट्रॉलर-सह-पर्स-सीनर
वर्ष	:	1980
बनाया	:	डेनमार्क
परिचालन बेस	:	विशाखापट्टणम (आंध्र प्रदेश)

एम एफ वी ब्लू मार्लिन

ओ ए एल (मी)	:	35.7
जी आर टी (टी)	:	310
बी एच पी	:	800
प्रकार	:	टूना लॉंग लाइनर
वर्ष	:	1989
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	पोर्ट ब्लेयर (अंडमान एवं निकोबार व्दीप)

4. समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान परियोजनाएं

4.1 तलमज्जी और पेलाजिक संसाधन सर्वेक्षण और मॉनिटरिंग

पश्चिमी तट

परियोजना 1 — **उत्तर महाराष्ट्र-गुजरात तट के समीप अक्षांश 18° एवं 23° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, फिश स्टॉक के निर्धारण एवं मॉनिटरिंग**

परियोजना घटक
1. 100-500 मी गहराई में फिश ट्रॉल एवं श्रिम्प का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों का समन्वेषी सर्वेक्षण
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों की मॉनिटरिंग
3. 30-100 मी गहराई में श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर सर्वेक्षण
4. फिशिंग गियर दक्षता के निर्धारण हेतु परीक्षण
5. कोड – एन्ड कवर के साथ जाल चयनात्मकता अध्ययन।

गियर
- 34 मी. फिश ट्रॉल (एफ टी)
- 45 मी. श्रिम्प ट्रॉल (एस टी)

पोत — ***एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी***

बेस — मुंबई

परियोजना समन्वयक — श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक)

परियोजना लीडर — डॉ. एस. के. द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड प्रति यूनिट प्रयास (कि. ग्रा/घंटा) (सी पी यू ई)

अक्षांश (° उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)			
	फिश ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल	
	30-100	100-200	30-100	100-200
18	86.85	31.33	14.07	18.33

प्रजाति/ग्रुप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)				
	फिश ट्रॉल			श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	100-200	30-50	50-100
कैट फिश	1.14	-	-	0.64	-
ईल कैट फिश	-	-	-	25.64	-
चिरोसेन्ट्रस	0.04	-	-	2.56	10.91
लिजार्ड फिश	0.04	-	-	-	-
प्रियाकेंथिड्स	0.11	62.50	32.98	-	1.82
नेमिप्टेरिड्स (रानी फिश)	0.04	-	-	-	
पेर्चस (कलवा)	0.81	37.50	67.02	-	-
फ्लेट फिश	0.15	-	-	-	
बाराकुडा	0.77	-	-	0.64	3.64
पोमफ्रेट्	0.37	-	-	-	1.82

(बी) पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रुप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)				
	फिश ट्रॉल			श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	100-200	30-50	50-100
बाराकुडा	0.77	-	-	0.64	3.64
पोमफ्रेट्	0.37	-	-	-	1.82
केरन्गिड	1.62	-	-	6.41	7.27
दागोल	-	-	-	0.64	-
हॉर्स मैकरेल	0.29	-	-	17.95	-
डीकेप्टरिड्स	85.60	-	-	-	-
मैकरेल	03.13	-	-	3.85	-
सीर फिश	0.48	-	-	2.56	-
सेफलोपोड्स	0.63	-	-	0.64	-
पफ्फर फिश	4.05	-	-	-	-
ट्रिपोड फिश	-	-	-	38.46	-
मोलस्कन शेल्स	0.74	-	-	-	72.73

एम.एफ.वी. मत्स्य निरीक्षणी के लिए प्रमुख दस प्रजातियों के गियर-वार और गहराई-वार पकड़ संयोजन (% में)

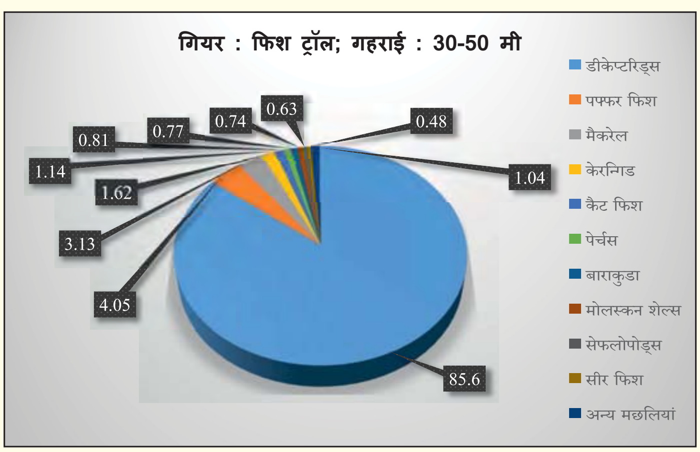

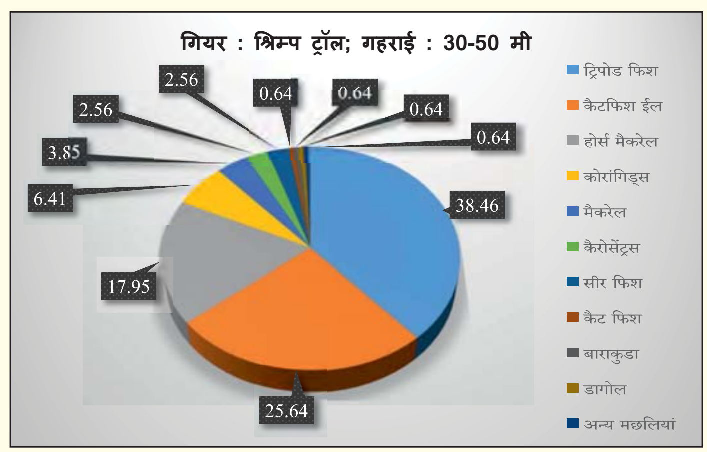

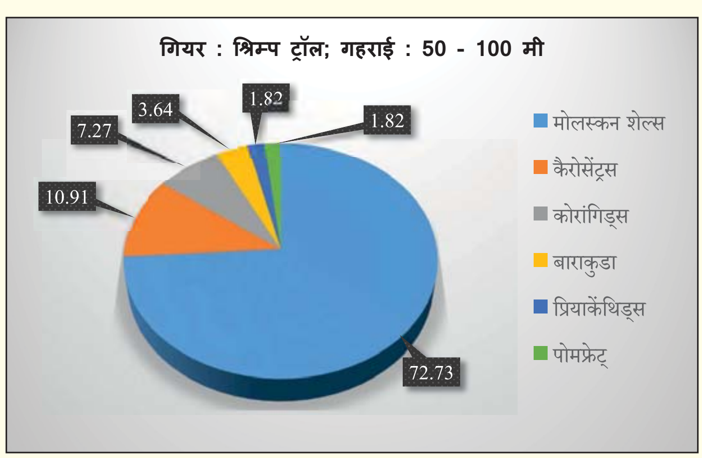

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अंक्षांश 18° उ में 30-100 मी गहराई क्षेत्र से फिश ट्रॉल द्वारा उच्च पकड़ दर 86.85 कि.ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई।
- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में डीकेप्टरिड्स (85.60%) एक प्रमुख किस्म के रूप में दर्ज की गई।
- 50-100 मी. गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल द्वारा प्रियाकेंथिड्स (62.50%) पकड़ का प्रमुख घटक रहा, इसके बाद पेर्चस (37.50%) रही।
- 100-200 मी. गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल द्वारा पेर्चस (67.02%) प्रमुख किस्म के रूप में रिपोर्ट की गई। इसके बाद प्रियाकेंथिड्स (32.98%) रही।

डी.) जैविक अध्ययन :

लंबाई आवृत्ति अध्ययन हेतु 13 प्रजातियों के कुल 1903 नमूनों का परीक्षण किये गए । इसमें से 5 प्रजातियों के 78 नमूनों को लंबाई-भार, लिंग, परिपक्वता और आहार एवं आहारी आदत अध्ययन के लिए जैविक परीक्षण किए गए।

(ई). जैविक मात्रा आकलन :

क्षेत्र : अक्षांश 18° उ - 23° उ

(टनों में)

प्रजातियाँ/ग्रुप	गहराई क्षेत्र (मी.)		
	30 - 50	50 - 100	100 - 200
कैट फिश	312	-	-
ईल कैट फिश	390	-	-
चिरोसेन्ट्रस	59	342.4	-
लिजार्ड फिश	20	-	-
प्रियाकेंथिड्स	39	67392	1704
नेमिप्टेरिड्स (रानी फिश)	20	-	-
पेर्चस (कलवा)	215	40401	3462
फ्लेट फिश	39	57	-
बाराकुडा	215	114	-
पोमफ्रेट	98	57	-
कैरन्गिड	527	228	-
दागोल	20	-	-
हॉर्स मैकरेल	351	-	-
डीकेप्टरिड्स	22675	-	-
मैकरेल	898	-	-
सीर फिश	176	-	-
सेफलोपॉड्स	176	-	-
पफ्फर फिश	1073	-	-
ट्रिपोड फिश	585	-	-
मोलस्कन शेल्स	195	2282	-

परियोजना 2 — दक्षिण महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक एवं उत्तर केरल तट के समीप अक्षांश 12° उ एवं 18° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, फिश स्टॉक के निर्धारण एवं मॉनिटरिंग

परियोजना घटक

1. 100-300 मी. गहराई में तलमज्जी संसाधनों का समन्वेषी सर्वेक्षण
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों का सर्वेक्षण

गियर

27 मी. फिश ट्रॉल
30 मी. श्रिम्प ट्रॉल

पोत	***एम एफ वी सागरिका***
बेस	मुरगांव
परियोजना समन्वयक	श्री एस. के. जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता
परियोजना लीडर	डॉ एच. डी. प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयास (कि. ग्रा/घंटा) (सी पी यू ई)

अक्षांश (उ°)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
12	4.83	18.19
13	7.75	5.42
14	16.55	18.96
15	14.19	11.91
16	15.25	42.32
17	11.59	16.89

बी. पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक्स	0.51	-
कैट फिश	0.11	0.06
क्लूपिड्स	0.32	-
लिजार्ड फिश	1.73	1.36
प्रियाकेंथिड्स	3.21	11.11
नेमिप्टेरिड्स	2.19	0.79
साईनिड्स	0.41	0.09
सिल्वर बेलिस	0.28	0.25
बाराकुडा	0.61	0.09
पोमफ्रेट	0.08	0.17

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
केरंगिड	6.64	1.57
हॉर्स मैकरेल	0.73	2.31
डिकेप्टरिड्स	1.50	0.33
रिब्बन फिश	0.58	0.88
मैकरेल	5.37	1.69
सीर फिश	0.44	0.42
केकड़ा	11.22	2.16
सेफलोपोड	12.34	18.56
रॉक कॉड्	6.35	20.38
स्किला	17.59	20.08
अन्य	27.79	17.70

एम. एफ. वी. मत्स्य सागरिका के लिए प्रमुख दस प्रजातियों के गियर वार एवं गहराई वार पकड संयोजन (%)

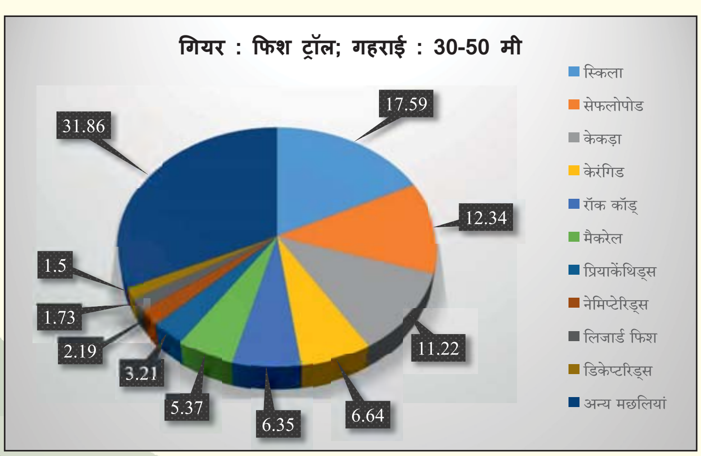

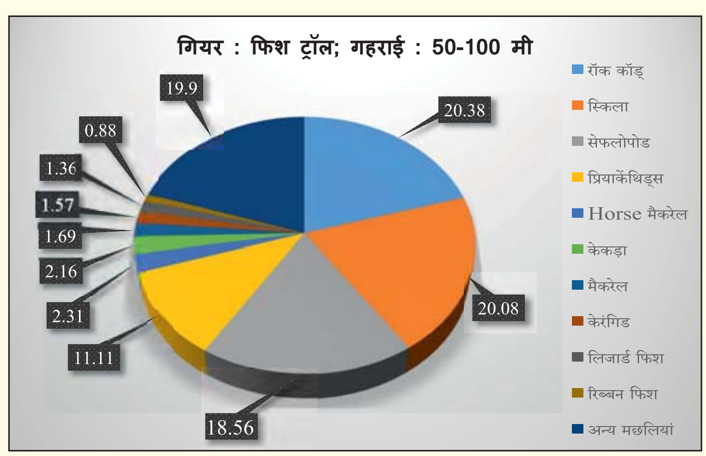

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 16° उ में 50-100 मी. गहराई क्षेत्र से उच्च पकड़ दर 42.32 कि./घंटा रिकार्ड की गई। पकड़ में प्रमुख घटक सेफेलोपोड्स, स्क्विल्ला, छोटे केकडे, रॉक कॉड्स और कारांगिड्स रही और उसके बाद अक्षांश 14° उ में 18.96 कि./घंटा का पकड़ दर दर्ज की गई जिसमें सेफलोपोड, प्रियाकेंथिड्स, रॉक कॉड्स और केकडे पकड़ का मुख्य घटक रहा।
- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में स्क्विल्ला (17.59%), सेफलोपॉड्स (12.34%), केकड़ा (11.22%), केरंगिड्स (6.64%), रॉक कॉड्स (6.35%), मैंकरेल (5.37%), प्रियाकेंथिड्स (3.21%), नेमिप्टेरिड्स (2.19%), लिजार्ड फिश (1.73%), और डिकेप्टरिड्स (1.50%) पकड़ में प्रमुख रही।
- 50-100 मी. गहराई क्षेत्र के पकड़ में रॉक कॉड्स (20.38), स्क्विल्ला (20.08%), सेफलोपॉड्स (18.56%), होर्स मैकरेल (2.31%), छोटे केकडे (2.16%), मैकरेल (1.69%), केरांगिड्स (1.57%) और लिजार्ड फिश (1.36%) मुख्य रही।

डी. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र-अक्षांश 12° उ - 18° उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक	29	-
कैट फिश	6	15
क्लूपिड्स	18	-
लिजार्ड फिश	100	354
प्रियाकेंथिड्स	185	2902
नेमिप्टेरिड्स	126	207
सायनिड्स	23	23
सिल्वर बेल्लिस	16	64
बाराकुडा	35	23
पोमफ्रेट	5	45

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
केरंगिड	383	411
हॉर्स मैकरेल	42	603
डिकेप्टरिड्स	87	87
रिब्बन फिश	33	230
मैंकरेल	310	441
सीर फिश	25	109
केकड़ा	647	565
सेफेलोपोड्स	711	4847
रॉक कॉड	366	5322
स्क्विल्ला	1014	5247
अन्य	1603	4625

डी. जैविक अध्ययन

लंबाई आवृत्ति अध्ययन के लिए 18 प्रजातियों की कुल 4668 नमूनों की जाँच की गई और 17 प्रजातियों के 2189 नमूनों के जैविक आंकडे इस वर्ष के दौरान संग्रहित की गई।

परियोजना 3 — दक्षिण-पश्चिमी तट, वेड्ज बैंक एवं मन्नार की खाडी के समीप अक्षांश 7° उ एवं 11° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग।

परियोजना घटक

1. दक्षिण-पश्चिमी तट, क्विलोन बैंक, वेड्ज बैंक एवं मन्नार की खाड़ी में अक्षांश 7° उ एवं 11° उ के बीच 100-500 मी. गहराई में तलमज्जी संसाधन सर्वेक्षण
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों की मॉनिटरिंग सर्वेक्षण।
3. 30-500 मी. गहराई में शेल फिश संसाधनों का समन्वेषण।
4. 30-50 मी. गहराई में सेफेलोपोड संसाधनों का समन्वेषी सर्वेक्षण।

गियर

- एक्सपो मॉडल फिश ट्रॉल
- 47 मी. श्रिम्प ट्रॉल

पोत — ***एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी***

बेस — कोच्चिन

परियोजना समन्वयक श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक

परियोजना लीडर डॉ. एस रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयास (कि./घंटा)

अक्षांश (उ°)	गियर/गहराई क्षेत्र		
	फिश ट्रॉल		
	30-100	100-200	200-500
8	24.96	21.52	89.9
9	53.49	-	63.3

बी. पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रुप	गियर/गहराई क्षेत्र		
	फिश ट्रॉल		
	30-100	100-200	200-500
इलास्मोब्रांक	-	-	3.95
लिजार्ड फिश	0.40	-	-
पेर्चस (कलवा)	0.31	-	-
प्रियाकेंथिड्स	0.63	-	-
नेमीप्टेरिड्स	0.47	0.02	-
यूपीनोइड्स	0.04	-	-
सिल्वर बेल्लिस	0.57	-	-
बाराकुडा	0.84	-	-
पोम्फ्रेट	0.05	-	-
केरंगिड्स	0.63	-	-
हॉर्स मैकरल	10.59	-	-
मैकरेल	10.78	-	-
सीर फिश	0.31	-	-

प्रजाति/ग्रुप	गियर/गहराई क्षेत्र		
	फिश ट्रॉल		
	30-100	100-200	200-500
मून फिश	0.37	-	-
डीप सी श्रिम्प	-	-	7.39
केकडा	0.14	-	0.86
सेफलोपॉड	0.99	-	-
जेली फिश	0.02	-	0.04
पफ्फर फिश	0.02	-	-
बालिस्टिड्स	88.70	-	-
ओक्टोपस	0.02	-	5.89
गहन समुद्री शार्क	-	64.09	0.83
गहन समुद्री मछलियां	-	-	58.86
गहन समुद्री स्क्विड	-	-	0.69
मिक्टोफिड्स	-	-	1.83
अन्य मछलियां	4.04	35.89	19.65

एम.एफ.वी. मत्स्य वर्षिनी के दस प्रमुख प्रजातियों के गियर-वार और गहराई-वार पकड़ संयोजन (%)

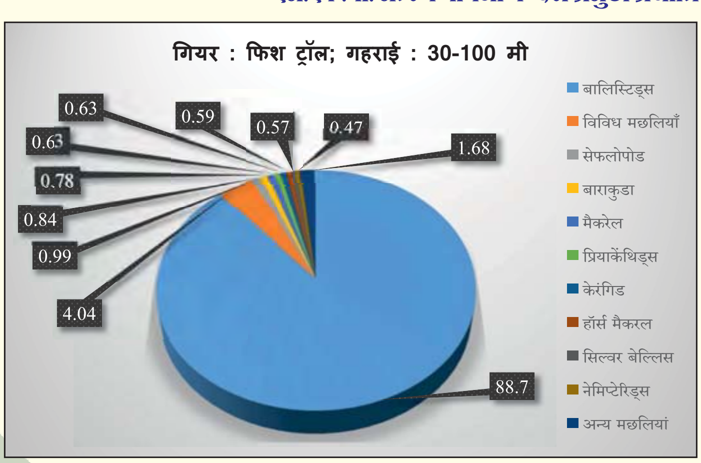

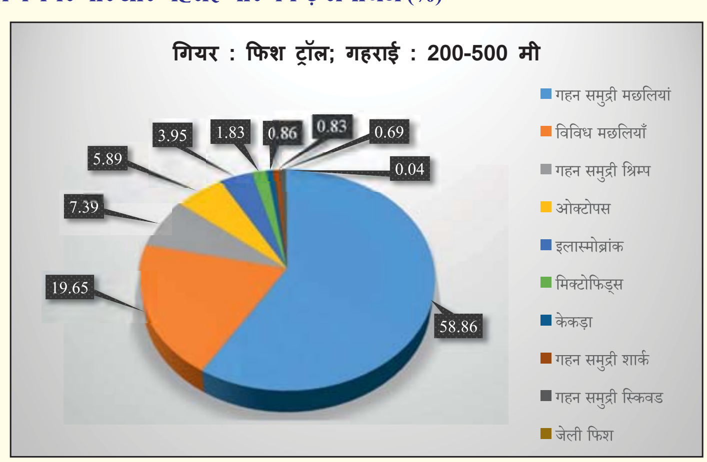

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 8° उ में 200-500 मी. गहराई क्षेत्र से फिश ट्रॉल द्वारा 89.9 कि./घंटा का उच्च पकड़ दर रिकार्ड की गई।
- 30-100 मीं गहराई क्षेत्र में बालिस्टिड्स (88.70%) प्रमुख प्रजाति रही। 100-200 मी. में डीप सी शार्क (64.09%) और 200-500 मी. गहराई क्षेत्र में गहन समुद्री मछलियाँ (58.86%) मुख्य रूप से पकडी गई।

डी. जैविक मात्रा आकलन

इस अवधि के दौरान 22 प्रजातियों के 1650 नमूनों की, लंबाई-आवृत्ति अध्ययन हेतु मापन किए गए और 88 नमूनों का जैविक अध्ययन किया गया।

ई. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र अक्षांश 7°उ - 11°उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रुप	गहराई (मी.)		
	30-100	100-200	200-500
इलास्मोब्रांक	-	-	345.05
ईल	11	-	-
क्लूपिड्स	27	-	-
लिजार्ड फिश	56	-	-
पेर्चस (कलवा)	8	-	-
अन्य पेर्चस	48	-	-
प्रियाकेंथिड्स	10	-	-
नेमिप्टेरिड्स	20	-	-
यूपिनोइड्स	5	-	-
सायनिड्स	30	-	-
सिल्वर बेल्लिस	46	-	-
बाराकूडा	31	-	-
पोमफ्रेट	1	-	-
केरंगिड्स	36	-	-
हॉर्स मैकरेल	4	-	-
डीकेप्टरिड्स	1	-	-
रिब्बन फिश	8	-	-

(टनों में)

प्रजाति/ग्रुप	गहराई (मी.)		
	30-100	100-200	200-500
मैकरेल	19	-	-
सीर फिश	4	-	-
मून फिश	5	-	-
श्रिम्प	43	-	-
गहन समुद्री श्रिम्प	-	-	645
केकडा	2047	-	75
सेफेलोपोड	18	-	-
जेली फिश	1696	-	3
पफ्फर फिश	-	-	-
बालिस्टिड्स	1194	-	-
ओक्टोपस	0.27	-	514
गहन समुद्री शार्क	-	586	72
गहन समुद्री मछलियाँ	-	-	5140
गहन समुद्री स्क्विड	-	-	60
मिक्टोफिड्स	-	-	160
शेल	1331	-	-
अन्य मछलियां	143	328	1716

परियोजना 4 — दक्षिण पश्चिमी तट के समीप अक्षांश 8° उ और 11° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन का सर्वेक्षण, निर्धारण और मानिटरिंग ।

परियोजना घटक
1. 30-100 मी. गहराई में तलमज्जी फिन फिश संसाधन का सर्वेक्षण।
2. 20-100 मी. गहराई में शेल फिश संसाधन सर्वेक्षण।

गियर
- 700 मी. फिश ट्रॉल
- 28 मी. श्रिम्प ट्रॉल

पोत — ***एम.एफ.वी. लवणिका***

बेस — कोच्चिन

परियोजना समन्वयक — श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक

परियोजना लीडर — श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयास (कि./घंटा)

अक्षांश (° उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-100	30-100
8	15.59	6.89
9	225.51	425.5
10	36.21	102.42

बी. पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी)	
	फिश ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-100	30-100
ईल	-	0.43
क्लूपिड्स	0.44	0.56
लिजार्ड फिश	0.80	1.16
प्रियाकेंथिड्स	0.0	40.02
नेमिप्टेरिड्स	0.34	0.11
पेर्चस	0.05	0.06
यूपिनोइड्स	0.11	0.06
सायनिड्स	0.56	0.54
सिल्वर बेल्लिस	0.80	0.73
बाराकुडा	0.31	0.49

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी)	
	फिश ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-100	30-100
केरांगिड्स	0.58	0.41
डीकेप्टरिड्स	0.04	-
रिब्बन फिश	0.18	0.09
मैकरेल	0.18	0.19
श्रिम्प	0.71	0.85
केकड़ा	40.12	33.35
सेफेलोपोड	0.07	0.09
जेली फिश	25.60	36.73
अन्य पेर्चस	1.02	0.69
शेल्स	26.00	21.84
अन्य मछलियां	2.07	1.61

एम.एफ.वी. लवाणिका के प्रमुख दस प्रजातियों का गियरवार और गहराई- वार पकड संयोजन (%)

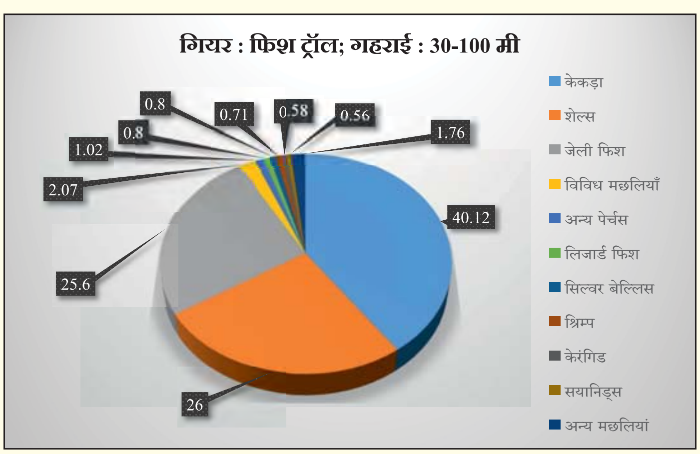

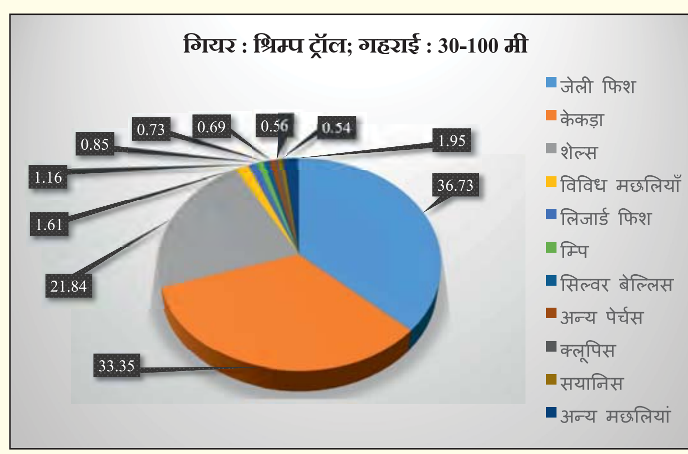

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 9° उ में 30-100 मी. गहराई क्षेत्र से श्रिम्प ट्राल प्रचालन द्वारा उच्च पकड़ दर 425.5 कि./घंटा रिकार्ड की गई। उसके बाद उसी गहराई क्षेत्र और अक्षांश में फिश ट्राल द्वारा 225.51 कि./घंटा का पकड़ रिकार्ड की गई।
- 30-100 मी. गहराई क्षेत्र में दोनों फिश ट्रॉल और श्रिम्प ट्रॉल द्वारा गैर पारंपरिक संसाधन, जेली फिश का पकड़ पर्याप्त मात्रा में रिकार्ड की गई।
- 30-100 मी. गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल प्रचालन द्वारा केकडा (40.12%) प्रमुख किस्म रही।

पूर्वी तट

परियोजना 5 — **अक्षांश 10° उ और 16° उ के बीच दक्षिण-पूर्वी तट के समीप तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग।**

परियोजना घटक
1. 100-300 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के लिए समन्वेषी सर्वेक्षण।
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल और श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के सर्वेक्षण की मॉनिटरिंग।
3. 30-300 मी. गहराई में श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों का समन्वेषी सर्वेक्षण।
4. 30-300 मी. गहराई में सेफेलोपोड ट्रॉल का प्रयोग कर समन्वेषी सर्वेक्षण।

गियर
27.5 मी. फिश ट्रॉल
30 मी. श्रिम्प ट्रॉल
36.2 मी. सेफेलोपोड ट्रॉल

पोत — ***एम.एफ.वी. समुद्रिका***

बेस — चेन्नई

परियोजना समन्वयक — श्री. ए. टिबूरशियस, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परियोजना लीडर — डॉ. ए. जॉन चेंबियन, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयास (कि./घंटा)

अक्षांश (°उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)					
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	30-50	50-100	30-50	50-100
10	6.83	4.67	-	-	4.33	-
11	10.66	10.7	19.97	12	-	-
12	12.16	6	21.41	23.67	8.91	-
13	103.64	10.67	22.19	2.33	15.38	91
14	18.72	341	4.81	670.67	12.55	21.44
15	25.2	10.5	12.5	15.33	32.67	13

बी. पकड़ संयोजन (%)

अक्षांश (°उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)					
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	30-50	50-100	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक	0.02	4.31	0.86	1.47	0.33	-
ईल	0.08	0.00	-	-	-	-
कैट फिश	0.13	0.16	0.28	0.03	1.65	-
क्लूपिड्स	0.21	0.12	0.07	0.13	0.83	-
एंकोविस	0.08	-	-	0.03	0.83	-
कैरोसेंट्रस	0.05	-	-	-	0.00	3.66
लिजार्ड फिश	0.89	0.74	1.09	0.58	5.04	9.52

अक्षांश (°उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)					
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	30-50	50-100	30-50	50-100
प्रियाकेंथिड्स	0.14	-	-	-	-	-
नेमिप्टेरिड्स	0.75	0.39	7.33	3.74	1.98	-
पेर्चस	0.21	0.63	0.88	0.42	7.18	2.56
कर्करा	0.02	0.16	0.03	-	1.73	-
यूपीनोइड्स	3.55	6.97	4.50	15.94	2.89	1.47
पोलीनेमिड्स	0.03	-	-	-	-	-
सायनिड्स	0.08	-	0.01	0.02	0.33	-
सिल्वर बेल्लिस	5.52	3.01	3.05	2.41	34.76	44.32
फ्लेट फिश	0.02	-	-	-	-	-
बाराकुडा	1.47	0.31	2.68	2.46	0.99	1.47
पोमफ्रेट	0.27	-	0.12	0.17	1.24	2.93
केरांगिड्स	1.45	0.55	0.76	0.47	10.90	13.92
होर्स मैकरेल	0.22	0.08	0.17	-	0.00	-
डिकेप्टरिड्स	4.28	0.27	0.77	1.11	0.66	-
किंग फिश	0.07	-	-	-	-	-
रिब्बन फिश	1.59	-	1.10	0.47	0.33	-
मैकरेल	0.21	0.23	28.25	0.17	0.74	1.10
सीर फिश	0.10	-	-	0.25	0.83	-
श्रिम्प	0.43	-	0.48	3.08	0.58	-
केकड़ा	0.98	-	-	0.16	-	-
सेफेलोपॉड	2.54	3.60	5.27	4.76	20.40	12.82
जेली फिश	73.13	78.31	41.67	59.94	1.07	-
लॉब्स्टर	0.04	-	-	-	-	-
अन्य	1.43	0.16	0.63	2.18	4.71	6.23

एम.एफ.वी. समुद्रिका के प्रमुख दस प्रजातियों का गियर-वार और गहराई- वार पकड संयोजन (%)

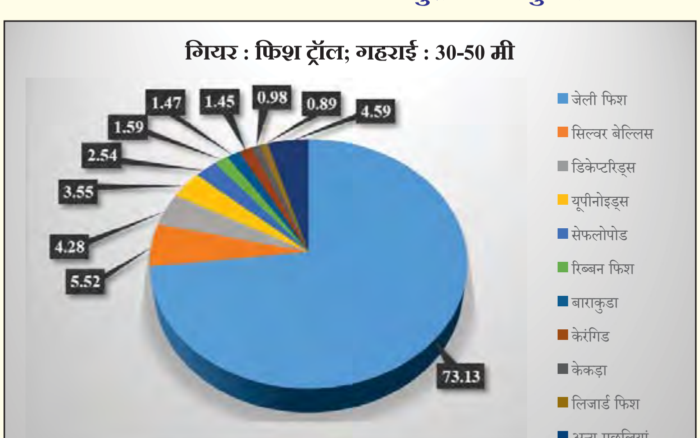

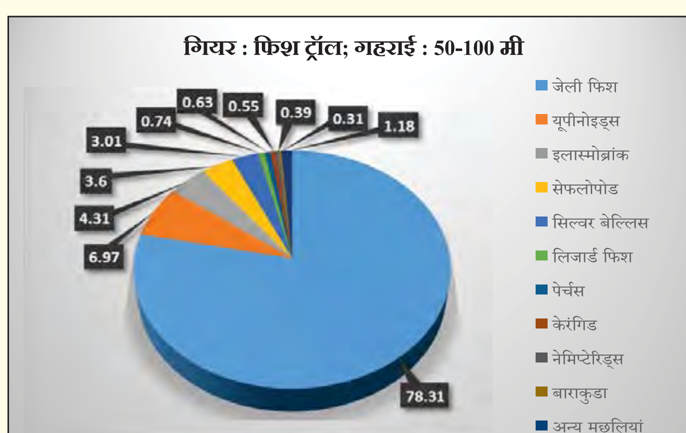

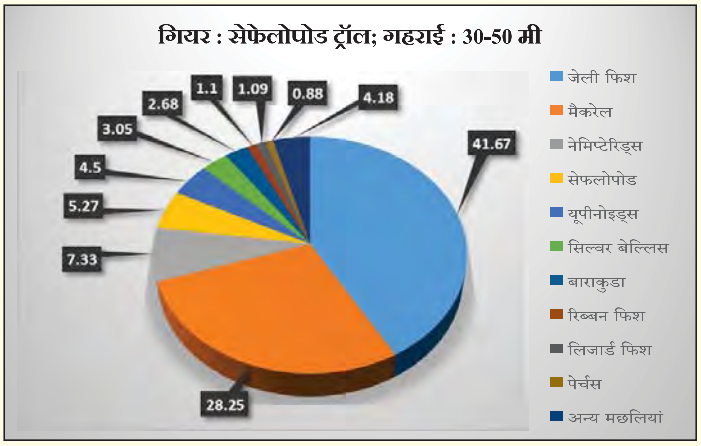

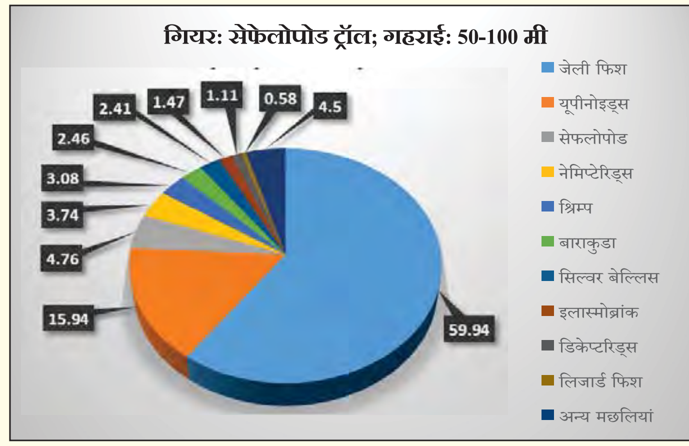

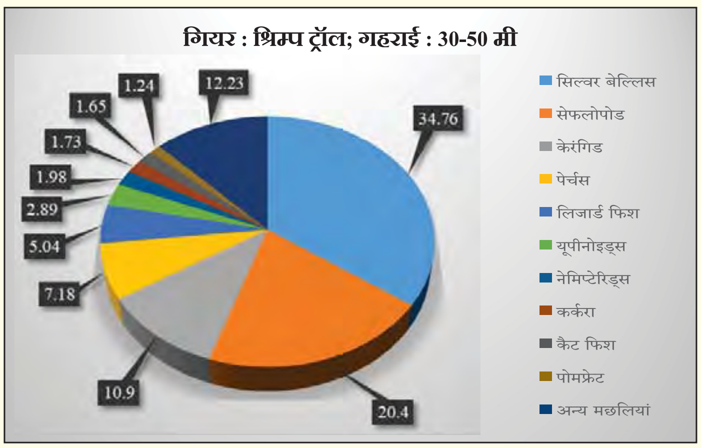

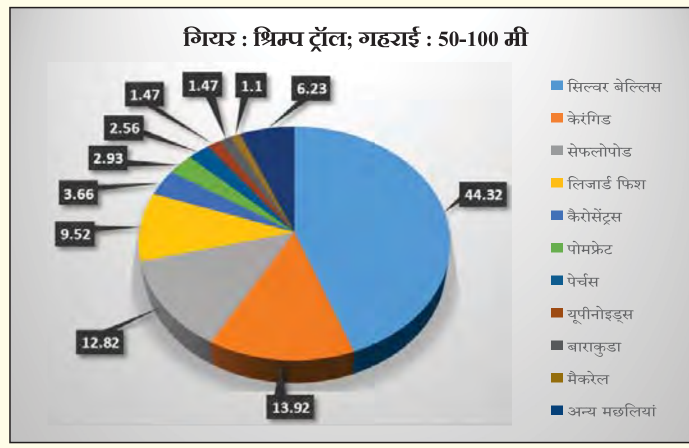

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 14° उ में 50-100 मी. गहराई क्षेत्र से सेफेलोपॉड ट्रॉल का प्रयोग कर 670.67 कि./घंटा का उच्च पकड दर रिकार्ड की गई और उसके बाद अक्षांश 13° उ में 30-50 मीं. गहराई क्षेत्र में 103.64 कि./घंटा रिकार्ड की गई।
- 30-100 मी. गहराई क्षेत्र में सभी गियरों में जेली फिश प्रमुख ग्रुप रही।
- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल द्वारा जेली फिश 73.13% और सेफेलोपॉड ट्रॉल द्वारा 41.67% पाई गई। जबकि श्रिम्प ट्रॉल प्रचालन द्वारा 34.76% के साथ सिल्वर बेल्ली पकड़ में प्रमुख रही।
- 50-100 मी. गहराई क्षेत्र में जेली फिश पकड़ में प्रमुख रही, उसेक बाद सेफेलोपॉड और फिश ट्रॉल में युपिनोइड्स प्रमुख रही। श्रिम्प ट्राल में 44.32% सिल्वर बेल्लिस पकड़ में प्रमुख रही।

डी. जैविक अध्ययन

लंबाई-आवृत्ति अध्ययन के लिए 93 प्रजातियों की कुल 10631 नमूनों के मापन किए गए और 89 प्रजातियों का 3512 नमूनों के लिए जैविक अध्ययन किए गए।

ए. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र अक्षांश 10° उ - 16° उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रुप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक	36	844
ईल	11	0.00
कैट फिश	95	98
क्लूपिड्स	65	510
एंकोविस	46	151
कैरोसेंट्रस	7	0.00
लिजार्ड फिश	361	218
प्रियाकेंथिड्स	19	126
नेमिप्टेरिड्स	342	1559
पेर्चस	362	169
कर्करा	79	19
यूपीनोइड्स	693	4542
पोलिनेमिड्स	4	0.00
सायनिड्स	26	3
सिल्वर बेल्लिस	2314	896

(टनों में)

प्रजाति/ग्रुप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	30-50	50-100
फ्लेट फिश	3	0.00
बाराकुडा	295	581
पोम्फ्रेट्स	93	38
कारांगिड्स	685	224
होर्स मैकरेल	33	9
डीकेप्टरिड्स	612	279
किंग फिश	9	0.00
रिब्बन फिश	249	2285
मैकरल	662	66
सीर फिश	50	362
श्रिम्प	93	754
केकडा	129	35
सेफेलोपॉड	1339	2116
जेली फिश	10624	22675
लॉब्स्टर	5	0.00
अन्य	203	500

परियोजना 6 — **ऊपरी पूर्वी तट के समीप अक्षांश 16° उ और 21° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन का सर्वेक्षण, निर्धारण और मॉनिटरिंग ।**

परियोजना घटक

1. 100-200 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण।
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के सर्वेक्षण की मॉनिटरिंग ।
3. 30-200 मी. गहराई में श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर समन्वेषी सर्वेक्षण।
4. 30-100 मी. गहराई में हिल्सा संसाधनों के लिए संसाधन विशिष्ट गियर के प्रयोग कर समन्वेषी सर्वेक्षण।
5. मत्स्यन गियर दक्षता के निर्धारण के लिए परीक्षण।
6. कोड-एंड कवर संबंधित जाल चयनात्मकता।

गियर

- 34 मी. फिश ट्रॉल
- 34 मी. श्रिम्प ट्रॉल
- 36.2 मी. सेफेलोपोड ट्रॉल

पोत — ***एम.एफ.वी. मत्स्य शिकारी***

बेस — विशाखापट्टणम

परियोजना समन्वयक — श्री. के. गोविंदराज, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परियोजना लीडर — डॉ. अन्नड़ा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयास (कि./घंटा)

अक्षांश (° उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)				
	फिश ट्रॉल			श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	100-200	30-50	50-100
16	10.3	344.7	1.1	-	-
17	60.4	104.8	-	115.0	93.1
18	94.1	89.5	-	99.6	93.1
19	-	13.5	-	-	-

बी. पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)				
	फिश ट्रॉल			श्रिम्प ट्रॉल	
	30-50	50-100	100-200	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक	1.4	3.2	-	0.8	1.4
ईल	0.1	-	-	0.7	0.9
कैट फिश	2.9	11.5	-	8.4	1.5
क्लूपिड्स	2.1	12.7	-	5.0	3.3
लिजार्ड फिश	1.2	1.7	-	1.8	6.8-
प्रियाकेंथिड्स	-	-	62.5	-	-
नेमीप्टेरिड्स	1.0	1.2	31.2	0.5	5.4
पेर्चस	0.8	0.4	-	0.9	2.5
युपीनोइड्स	10.0	21.9	-	11.4	13.0
सायनिड्स	4.6	1.0	-	6.6	5.9
सिल्वर बेल्लिस	33.5	17.5	-	34.7	31.3
फ्लेट फिश	0.2	0.2	-	0.1	0.8
इंडियन ड्रिफ्ट फिश	1.2	3.1	-	0.5	0.4
बाराकुडा	4.7	1.7	-	3.6	2.7
पोमफ्रेट		0.8	0.1	-	0.70.5
केरांगिड्स	3.2	1.8	-	5.7	12.2
हॉर्स मैकरेल	1.1	0.4	-	0.2	-
डीकेप्टरिड्स	3.0	12.0	-	0.1	-
कोरिनेमुस	0.1	-	-	0.1	-
रिब्बन फिश	7.7	1.0	-	4.9	0.9
मैकरेल	4.1	4.5	-	2.9	2.5
सीर फिश	0.1	-	-	0.1	0.4
ब्लैक रफ	-	-	-	-	-
जेरिड्स	0.5	0.2	-	0.4	0.2
मून फिश	1.7	0.7	-	1.1	0.6
डीप सी श्रिम्प	-	-	-	-	-
सेफेलोपॉड्स	1.8	1.3	6.3	0.8	4.3
पी. मैक्युलेटम	11.3	0.5	-	5.7	1.5
विविध	1.0	1.2	-	2.1	1.0

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण

एम.एफ.वी. शिकारी के प्रमुख दस प्रजातियों का गियर-वार और गहराई- वार पकड संयोजन (%)

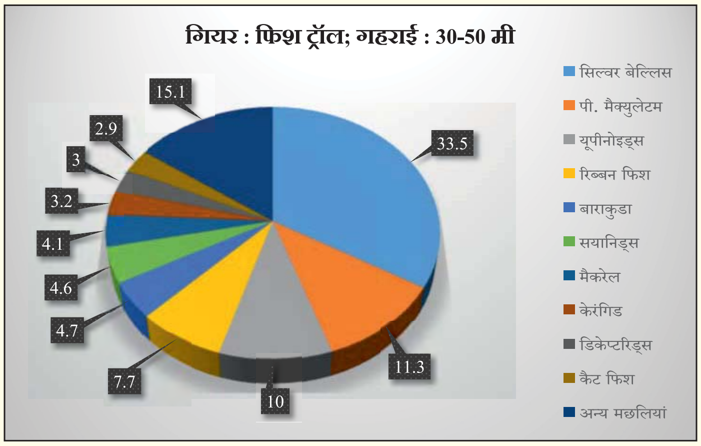

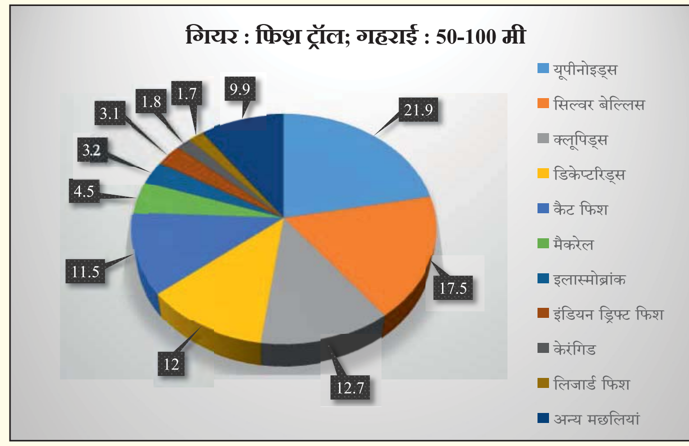

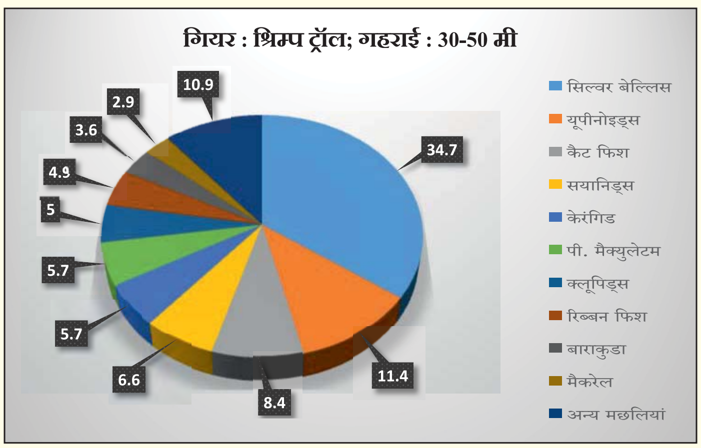

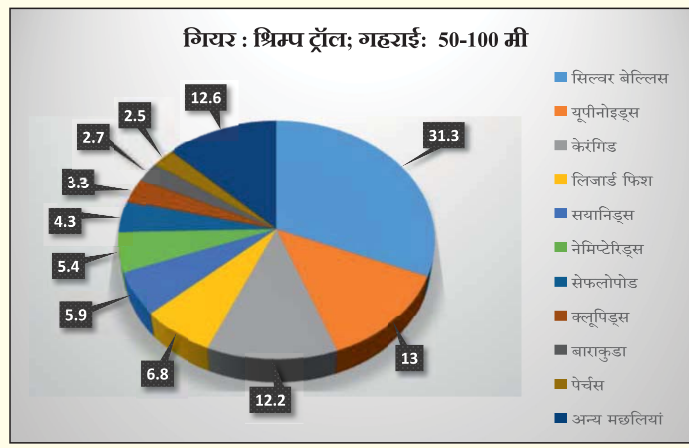

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 16^0 उ में 50-100 में गहराई क्षेत्र से फिश ट्रॉल द्वारा 344.7 कि./घंटा का उच्च पकड़ दर रिकार्ड की गई जबकि 17^0 उ में 30-50 मी. गहराई क्षेत्र से श्रिम्प ट्रॉल द्वारा 115 कि/घंटा का उच्च पकड़ रिकार्ड की गई।

- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में सिल्वर बेल्लिस 33.5%, और 34.7%, पकड़ में प्रमुख पाई गई उसके बाद फिश ट्रॉल एवं श्रिम्प ट्रॉल द्वारा क्रमशः पी. मैक्युलेटम (11.3%) और युपिनोइड्स (11.4%) पाई गई।

- 50-100 मी. गहराई क्षेत्र में युपिनोइड्स 21.9% द्वारा पकड़ का मुख्य रही इसके बाद फिश ट्रॉल में सिल्वर बेल्लिस (17.5%), क्लूपिड्स (12.7%), और कैट फिश (11.5%) पाई गई। जबकि इसी गहराई क्षेत्र मे श्रिम्प ट्रॉल द्वारा सिल्वर बेल्लिस (31.3%), केरांगिड्स (12.2%), और लिजार्ड फिश (6.2%) मुख्य प्रजाति रही।

- 100-200 मी. गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल परिचालन में प्रियाकेंथिड्स (62.5%), और नेमिप्टेरिड्स (31.2%) मुख्य प्रजाति रही।

- जून 2018 माह में कुल 4030 कि ग्रा की पकड़ दर्ज की गई। जबकि पकड़ का मुख्य घटक पोणी फिश (49%) उसके बाद कैट फिश (8%), केरंगिड्स (7%), सेडलग्रंट (7%), और गोट फिश (5%) रही।

डी. जैविक अध्ययन

लंबाई आवृत्ति वितरण के लिए कुल 6610 नमूनों की जांच की गई और 26 प्रजातियों के 3314 नमूनों का विस्तृत जैविक अध्ययन किया गया।

परियोजना 7 — **ऊपरी पूर्वी तट के समीप अक्षांश 16° उ और 21° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण, निर्धारण और मॉनिटरिंग।**

परियोजना घटक: अंक्षाश 16° उ और 21° उ के बीच 30-200 मी. गहराई में श्रिम्प ट्राल और एक्सपो मॉडल फिश ट्रॉल का प्रयोग कर श्रिम्प और तलमज्जी फिनफिश संसाधन का सर्वेक्षण।

गियर:
- 45.6 मी. एक्सपो मॉडल फिश ट्राल
- 34 मी. श्रिम्प ट्राल

पोत: ***एम. एफ. वी. मत्स्य दर्शिनी***

बेस: विशाखापटट्णम

परियोजना समन्वयक: श्री के. गोविंदराज, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परियोजना लीडर: श्री एन. जगन्नाथ, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयास (कि./घंटा)

अक्षांश (° उ.)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्सपो मॉडल वॉटम ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
16	47.5	50.9	45.1
17	84.6	66.3	48.7
18	43.9	58.9	-

बी. पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रुप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्सपो मॉडल वॉटम ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
इलास्मोब्रांक	2.4	5.6	-
ईल	0.1	0.1	-
कैट फिश	2.8	3.4	
क्लूपिड्स	2.1	3.3	-
लिजार्ड फिश	2.8	3.6	2.3
प्रियाकेंथिड्स	-	0.1	13.6
नेमिप्टेरिड्स	3.2	8.1	-
पेर्चस	0.3	1.9	-
युपिनोइड्स	14.7	15.8	-
सायनिड्स	11.3	7.5	11.7
सिल्वर बेल्लिस	19.4	8.4	-
फ्लैट फिश	0.3	0.2	-
इंडियन ड्रिफ्ट फिश	0.3	1.4	48.0
बाराकुडा	2.6	4.6	-

प्रजाति/ग्रुप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्सपो मॉडल वॉटम ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
पोमफ्रेट	1.0	1.5	-
केरांगिड्स	3.2	4.5	-
हॉर्स मैकरेल	2.0	1.2	-
डीकेप्टरिड्स	1.3	1.7	4.6
कोरिनेमुस	0.1	0.3	-
रिब्बन फिश	18.4	10.3	1.0
मैकरेल	2.2	2.2	-
सीर फिश	-	0.1	-
जेरिड्स	0.2	0.3	-
मून फिश	-	1.1	-
सेफेलोपॉड्स	4.1	7.5	4.4
श्रिम्प	0.2	0.3	-
गहन समुद्री श्रिम्प	-	-	-
पी. मैक्युलेटम	2.4	1.1	
विविध	2.2	4.0	14.2

एम.एफ.वी. दर्शनी के प्रमुख दस प्रजातियों का गियर-वार और गहराई- वार पकड संयोजन (%)

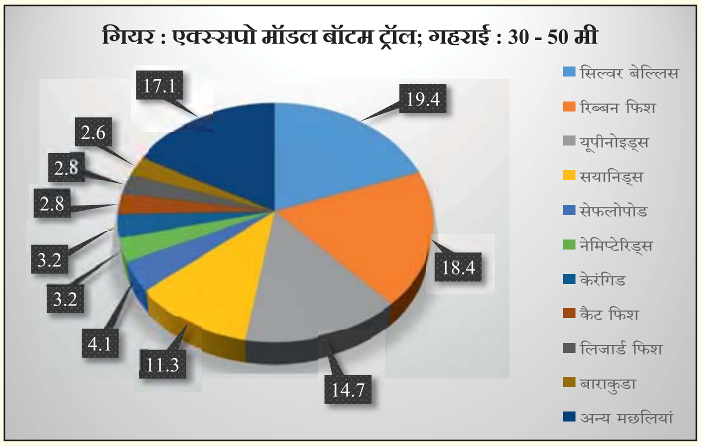

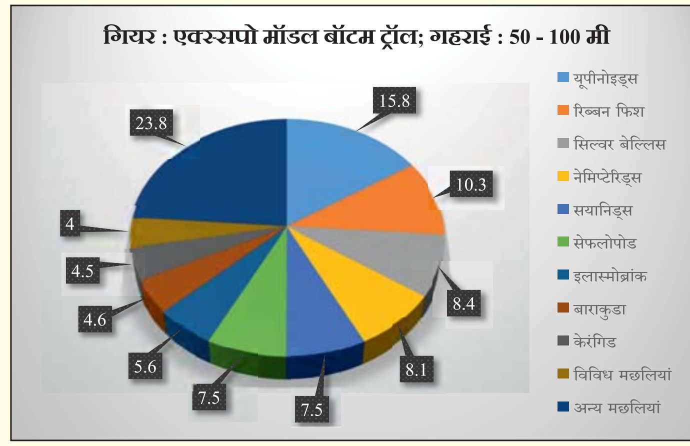

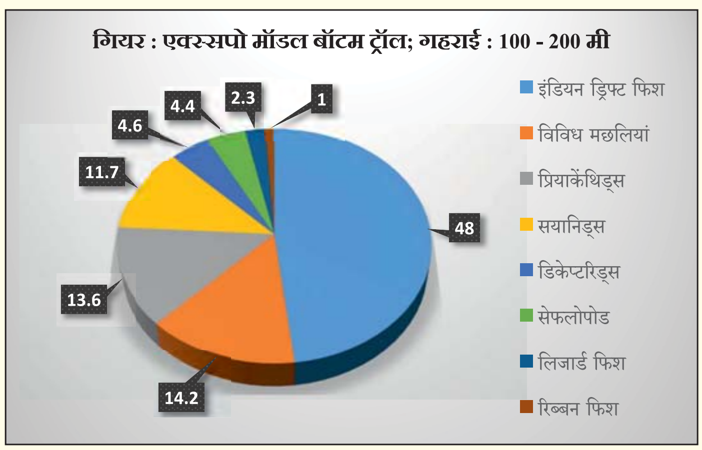

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में उच्चतम पकड़ दर 84.6 कि./घंटा रिकार्ड की गई। उसके बाद अक्षांश 17° उ में 50-100 मी. गहराई क्षेत्र से एक्स्पो मॉडल बॉटम ट्राल द्वारा 66.3 कि./घंटा पकड़ दर दर्ज की गई।
- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र से सिल्वर बेल्लिस (19.4%), रिब्बन फिश (18.4%), युपिनोइड्स (14.7%) और सायनिड्स (11.3%), प्रमुख प्रजाति रही। जबकि 50-100 मी. गहराई क्षेत्र से युपिनोइड्स (15.8%), रिब्बन फिश (10.3%), नेमीप्टेरिड्स (8.1%) और सेफेलोपोड्स (7.5%) प्रमुख प्रजाति रही।
- 100-200 मी. गहराई क्षेत्र में इंडियन ड्रिफ्ट फिश (48%) प्रमुख प्रजाति रही। उसके बाद प्रियाकेंथिड्स (13.6%) और सायनिड्स (11.7%) पाई गई।
- मार्च माह 2019 के दौरान अण्डमान और निकोबार समुद्र में पहली बार ऑयल शार्क (हेप्ट्रान्चियस परलो), डीप वाटर स्टिंग रे प्लासियोबैटिस (डावेसी) और जापानी ब्लटंहोर्न लाब्स्टर (पेलीनस्टस वेगेनसिस) रिकार्ड की गई।
- नबंवर माह 2018 के दौरान ट्रिचूरियस लेपटुरर्स और मेगलासपिस कॉर्डिला के किशोर रिकार्ड किए गए।

डी. जैविक अध्ययन

लम्बाई आवृत्ति वितरण अध्ययन के लिए कुल 8430 नमूनों का परीक्षण किया गया एवं 44 प्रजातियों के 6808 नमूनों का विस्तृत जैविक अध्ययन के लिए जाँच की गई।

ई. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र; अक्षांश 16° उ - 18° उ

(टनों में)

प्रजातियाँ/समूह	गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्सपो मॉडल बॉटम ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
इलास्मोब्रांक्स	112	595	-
ईल	61	144	-
कैट फिश	298	3397	-
क्लूपिड्स	188	580	-
लिजार्ड फिश	101	433	27
प्रियाकेंथिड्स	-	10	88
नेमिप्टेरिड्स	106	599	10
पेर्चस	58	179	-
युपिनोइड्स	669	2432	-
साईनिड्स	441	499	899
सिल्वर बेल्लि	1714	2412	-
फ्लेट फिश	23	75	-
इंडियन ड्रिफ्ट फिश	84	324	557
बाराकुडा	259	316	-

(टनों में)

प्रजातियाँ/समूह	गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्सपो मॉडल बॉटम ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
पोमफ्रेट	45	53	-
केरांगिड्स	292	869	-
हॉर्स मैकरेल	64	57	-
डीकेप्टरिड्स	52	367	53
चोरिनेमस	17	32	-
रिब्बन फिश	494	301	12
मैकरेल	147	355	-
सीर फिश	8	53	-
जेरिड्स	24	28	-
मून फिश	66	48	-
सेफेलोपोड्स	122	536	373
श्रिम्प	16	7	18
पी. मैक्यूलेटम	332	112	-
विविध	100	174	180

4.2 महासागरीय टूना संसाधन सर्वेक्षण

परियोजना 8 — **भारत के पश्चिमी तट के समीप अक्षांश 4° और 23° उ के बीच मोनोफिलामेंट लाँग लाईनिंग का प्रयोग करते हुए टूना संसाधनों का सर्वेक्षण**

परियोजना घटक

1. महासागरीय टूना एवं संबधित संसाधनों की प्रचुरता सूचकांक के आकलन
2. टूना एवं संबंधित संसाधनों के स्पेशियो-टेम्पोरल वितरण की पहचान
3. महत्वपूर्ण प्रजातियों के संबंध में जैविक पैरामीटर का अध्ययन
4. महत्वपूर्ण संसाधनों का स्टॉक निर्धारण
5. समुद्र विज्ञानीय पैरामीटर का अध्ययन
6. मछुआरों, मत्स्यन उद्योग के प्रतिनिधियों एवं उद्यमियों को पोत पर मत्स्यन की तकनीक एवं आधुनिक उपकरणों के प्रदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान करना

गियर — मोनोफिलामेंट लॉग लाईन 7 हुक/टोकरी के साथ

पोत — ***एम एफ वी मत्स्य वृष्टि***

बेस — **मुंबई**

परियोजना समन्वयक — श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक)

परियोजना लीडर — श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण

परिणाम

ए. हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	वाई एफटी	एस एच ए	एल डब्लू ओ	एम ए आर	एस ए आई	डी ओ एल	एस के जे	ओ टी एच	कुल
अप्रैल 2018	-	शुष्क गोदीकरण, मरम्मते और एल एस ए/ एफ एफ ए सर्वेक्षण								
मई 2018	-									
जून 2018	1400	0.29	0.86	-	0.07	0.57	0.93	-	0.07	2.79
जुलाई 2018	3500	0.77	1.97	-	0.08	0.06	0.11	-	0.23	3.39
अगस्त 2018	4235	0.66	0.59	-	0.05	0.26	0.02	0.05	0.4	2.03
सितंबर 2018	7980	0.01	0.06	-	-	-	0.01	0.26	0.2	0.55
अक्तूबर 2018	6300	0.02	0.1	0.03	0.02	0.1	-	-	0.36	0.61
नवंबर 2018	4060	0.45	0.06	0.13	0.13	0.32	0.06	-	0.06	1.21
दिसंबर 2018	-	एच एस डी के लिए फंड की गैर उपलब्धता								
जनवरी 2019	-									
फरवरी 2019	10080	0.39	0.06	-	-	0.01	0.01	0.01	0.02	0.5
मार्च 2019	-	पी एवं वी एंकरेज में अन्य पोतों द्वारा पोत को टकराया गया।								

येल्लो फिन टूना, शार्क, स्वोर्ड फिश, मार्लिन, सेइल फिश, डोलफिन फिश, स्किपजेक टूना, अन्य मछलियां

पोत एम एफ वी मत्स्य वृष्टि के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%)

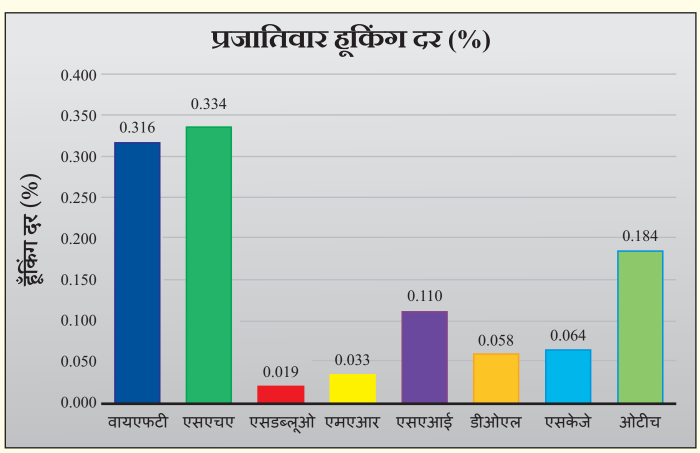

सी. प्रमुख प्रेक्षण

1. वर्ष के दौरान सभी मछलियों के लिए कुल हूँकिंग दर 1.58% दर्ज की गई, जिसमें येल्लोफिन टूना की हुँकिंग दर 0.37% थी।
2. जुलाई 2018 माह के दौरान येल्लोफिन टूना के लिए उच्चतम हूँकिंग दर (0.77%) दर्ज की गई उसके बाद अगस्त 2018 में 0.66% दर्ज की गई।
3. वर्ष 2018-19 के लिए समग्र पकड़ में कुल हूँकिंग दर 0.53% के साथ शार्क प्रमुख रही। जुलाई 2018 माह 1.97% हूँकिंग दर के साथ शार्क के लिए अधिक उत्पादक पाया गया, उसके बाद (0.86%) हूँकिंग दर के साथ जून 2018 माह रहा।
4. वर्ष के दौरान पकड में मुख्य रुप से शार्क 33.34%, येल्लोफिन टूना 23.33% अन्य मछलियाँ 12.09%, सेल फिश 11.86%, डॉलफिन फिश 10.29%, स्वार्ड फिश एवं मार्लिन 3.12% पाई गई।

डी. जैविक अध्ययन

18 प्रजातियों से संबंधित कुल 339 नमूनों का लम्बाई आवृत्ति एवं लम्बाई-भार के लिए परीक्षण किए गए

परियोजना 9	**लक्षद्वीप सहित मध्य पश्चिमी तट के समीप अक्षांश 8^0 उ- 18^0 उ के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में नियमित लॉंग लाईन का प्रयोग कर महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण।**
परियोजना घटक	लक्षद्वीप सहित मध्य-पश्चिम तट के समीप भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में लॉंग लाईनिंग द्वारा महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण
गियर	5 हूक प्रति टोकरी के साथ मल्टिफिलामेंट टूना लॉंग लाईन
पोत	***एम एफ वी येलोफिन***
बेस	मुरगांव
परियोजना समन्वयक	श्री एस. के. जायसवाल, यॉंत्रिक समुद्री अभियंता
परियोजना लीडर	डॉ. एच. डी. प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)							
		कुल	वाई एफटी	एस के जे	एस ए आई	एम ए आर	एस डब्लू ओ	एस एच ए	अन्य
अप्रैल 2018		पोत जी एस एल, गोवा में शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के अधीन था।							
मई 2018	200	1.5	1	-	-	-	-	-	0.5
जून 2018	900	0.33	-	-	0.22	-	-	-	0.11
जुलाई 2018	800	0.12	-	-	0.12	-	-	-	-
अगस्त 2018	1600	0.19	0.06		-	-	-	0.06	0.06
सितंबर 2018	3050	0.03	-	-	-	-	-	0.03	-
अक्तूबर 2018	5000	0.04	-	-	0.02	-	-	0.02	-
नवंबर 2018	5600	0.12	-	-	0.02	-	0.02	-	0.08
दिसंबर 2018	6000	0.43	0.1	-	0.07	-	-	0.05	0.22
जनवरी 2019	2800	0.18	-	-	-	-	0.07	-	0.11
फरवरी 2019	4800	0.10	-	-	-	-	-	0.06	0.04
मार्च 2019	4000	0.12	-	-	0.02	-	-	0.08	0.02

येल्लो फिन टूना, शार्क, स्वोर्ड फिश, मार्लिन, सेइल फिश, डोलफिन फिश, स्किपजेक टूना, अन्य मछलियां

पोत *एम एफ वी येल्लो फिन* के लिए प्रजातिवार हूँकिंग दर (%)

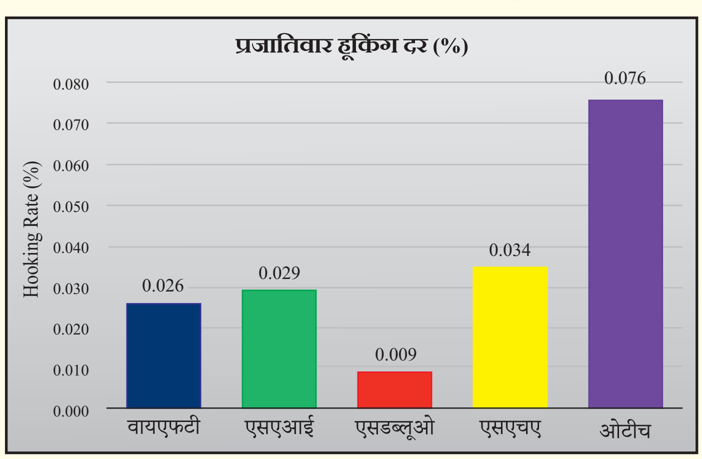

बी. प्रमुख प्रेक्षण

- मई 2018 एवं दिसंबर 2018 के दौरान क्रमशः अधिकतम कुल हूँकिंग दर (1.5%) एवं (0.43%) दर्ज की गई।
- वर्ष के दौरान पकड में मुख्य घटक में शार्क, सेल फिश, येल्लोफिन टूना एवं स्वार्ड मछलियों की प्रजातियाँ रही।

सी. जैविक अध्ययन

लंबाई आवृत्ति एवं जैविक अध्ययन के लिए वर्ष के दौरान 7 प्रजातियों के कुल 51 नमूने लिए गए।

परियोजना 10 — **बंगाल की खाड़ी में 10° उ एवं 20° उ अक्षांश के बीच मोनोफिलामेंट लॉंग-लाइनिंग का प्रयोग करते हुए टूना संसाधनों का सर्वेक्षण**

परियोजना घटक: बंगाल की खाड़ी में 10° उ एवं 20° उ अक्षांश के बीच मोनोफिलामेंट लॉंग-लाइनिंग का प्रयोग करते हुए टूना संसाधनों का सर्वेक्षण

गियर: 7 हूक प्रति टोकरी के साथ मोनोफिलामेंट लॉंग लाइन

पोत: *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि*

बेस: **चेन्नई**

परियोजना समन्वयक: श्री ए.टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परियोजना लीडर: डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. हूँकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हुक	हूंकिंग दर (%)							
		कुल	वाई एफटी	एस के जे	एम ए आर	एस डब्लू ओ	एस ए आई	एस एच ए	ओ टी एच
अप्रैल 2018	-	एच सी एल, विशाखपट्टणम में शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के लिए							
मई 2018	-								
जून 2018	-								
जुलाई 2018	5670	0.24	-	0.16	-	-	-	-	0.08
अगस्त 2018	6930	0.77	0.66	0.05	0.01	0.01	0.01	0.01	0.01
सितंबर 2018	7560	4.65	3.49	0.11	-	-	-	0.38	0.67
अक्तूबर 2018	8610	0.74	0.41	0.09	0.02	-	-	-	0.22
नवंबर 2018	5670	0.73	0.44	0.03	-	-	0.02	-	0.24
दिसंबर 2018	8190	0.78	0.64	0.01	-	0.01	0.01	-	0.08
जनवरी 2019	8820	1.04	095	0.07	0.01	-	-	0.01	-
फरवरी 2019	9450	0.55	0.34	0.04	-	-	-	0.03	0.14
मार्च 2019	6930	0.39	0.3	0.01	0.01	0.01	0.01	-	0.05

वाई एफ टी-येल्लो फिन टूना, एस के जे-स्किपजेक टूना, एम. ए. आर-मार्लिन, एस डब्ल्यू ओ-स्वोर्ड फिश, एस ए आई-सेइल फिश, एस एच ए- शार्क, ओ टी एच-अन्य मछलियां

पोत एम एफ वी मत्स्य दृष्टि के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%)

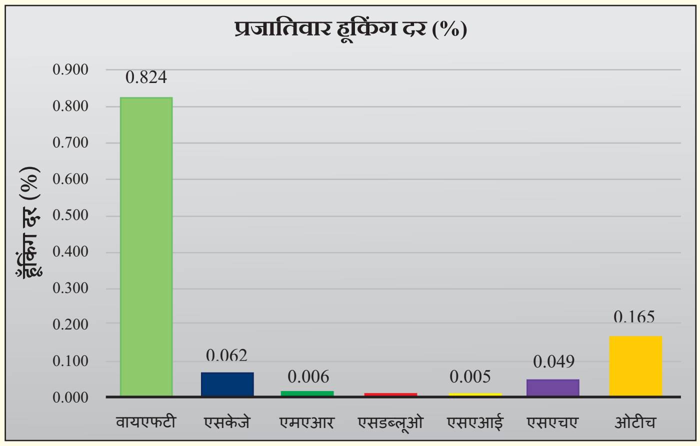

वाय एफ टी – येल्लोफिन टूना, एस के जे- स्किपजेक टूना, एम ए आर- मार्लिन, एस डब्लू ओ- स्वोर्ड फिश, एस ए आई - सेल फिश, एस एच ए- शार्क, ओ टी च- अन्य

बी. प्रमुख प्रेक्षण

- सितंबर 2018, जनवरी 2019 एवं दिसंबर 2018 के दौरान क्रमशः 4.65%, 1.04% एवं 0.78% उच्चतम कुल हूकिंग दर दर्ज की गई।
- सितंबर 2018 एवं जनवरी 2019 के दौरान येल्लोफिन टूना के लिए क्रमशः उच्चतम हूँकिंग दर 3.49% एवं 0.95% दर्ज की गई।

ए. जैविक अध्ययन

वर्ष के दौरान 14 प्रजातियों अर्थात् थुन्नस अलबकेरस, कटसुवोनस पेलामिस, विसफियास ग्लेडियस, इस्टियोफोरस प्लाटिप्टेरस, मकैरा इंडिका, मकैरा माजारा, से संबंधित 459 नमुनों के लिए लम्बाई आवृत्ति, लम्बाई-भार, लिंग, परिपक्वता और आहार एवं आहारी आदतों जैसे जैविक अध्ययन किए गए।

परियोजना 11 — अंडमान और निकोबार व्दीप के चारों ओर अक्षांश 5° उ और 15° उ. के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के चारों ओर टूना संसाधनों का सर्वेक्षण।

परियोजना घटक

1. अंडमान और निकोबार समुद्र में नियमित लॉंग लाइनिंग का प्रयोग कर महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण।
2. अंडमान और निकोबार समुद्र में लाइट स्टिक के साथ ड्रिफ्ट लॉंग लाइन का प्रयोग कर स्वोर्ड फिश का सर्वेक्षण।
3. अंडमान और निकोबार समुद्र में बोट्टम सेट लॉंग लाइन गियर का प्रयोग कर आईल शार्क संसाधनों का सर्वेक्षण।
4. अंडमान और निकोबार समुद्र में बॉटम सेट वर्टिकल लॉंग लाईन का प्रयोग कर पर्च संसाधनों का सर्वेक्षण

गियर

- 5 हूक प्रति टोकरी के साथ मल्टिफिलामेंट टूना लॉंग लाइन
- आईल शार्क संसाधनों के लिए 7/9 हूक प्रति टोकरी के साथ संशोधित डीप सेट लॉंग लाइन
- पर्च संसाधनों के लिए 30 हूक प्रति टोकरी के साथ बॉट्टम सेट वर्टिकल लॉंग लाइन
- स्वार्ड फिश केलिए लाइट स्टिक के साथ 5 हूक प्रति टोकरी सहित ड्रिफ्ट लॉंग लाइन

पोत — *एम एफ वी ब्लू मार्लिन*

बेस — **पोर्ट ब्लेयर**

परियोजना समन्वयक एवं परियोजना लीडर — डॉ सिजो पी. वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. नियमित टूना लॉंग लाइनिंग- हूँकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूँकिंग दर (%)				
		वाई एफटी	एस एच ए	एस ए आई	ओ टी एच	कुल
अप्रैल 2018	11250	0.17	0.14	0.008	0.16	0.48

पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन (नियमित टूना लाँग लाइनिंग) के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%)

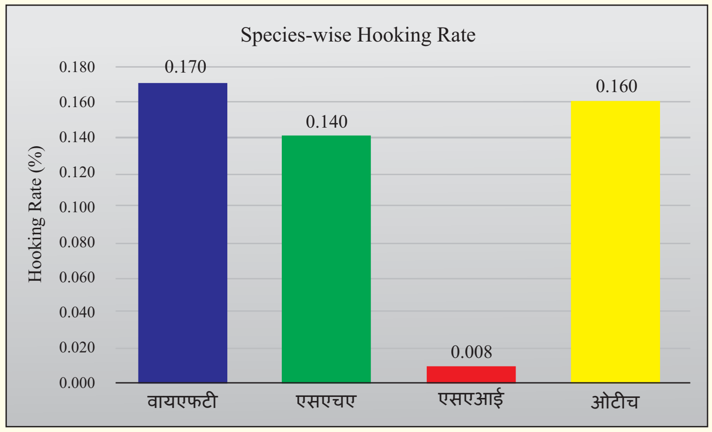

वाय एफ टी – येल्लोफिन टूना, एस एच ए- शार्क, एस ए आई - सेईल फिश, ओ टी एच- अन्य मछलियाँ

बी. बॉट्टम सेट वर्टिकल लाँगलाइनिंग- हूँकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूँकिंग दर (%)					
		स्नेप्पर	ग्रूपर्स	इम्पेरर	शार्क	अन्य	कुल
मई 2018	7407	0.47	0.31	0.67	0.22	0.32	1.4

पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन (बॉट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइनिंग) के लिए प्रजातिवार हूँकिंग दर (%)

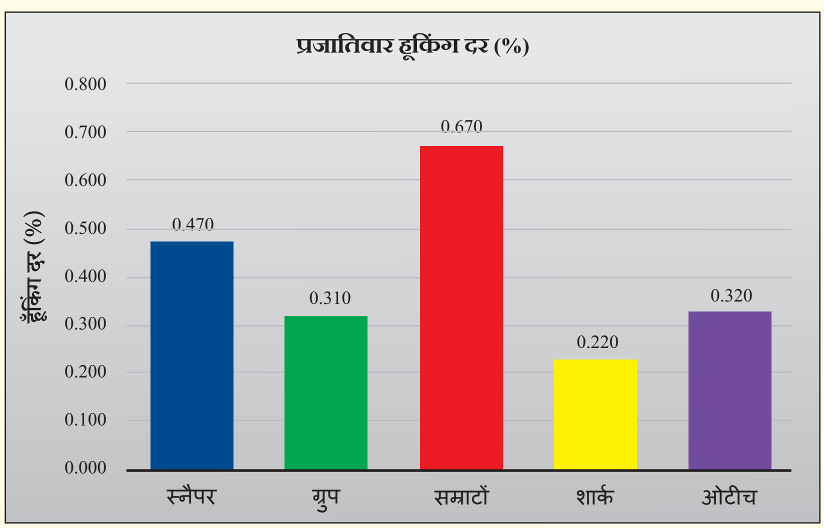

सी. प्रमुख प्रेक्षण

➢ नियमित टूना लाँगलाइनिंग में सभी मछलियों के लिए कुल हूँकिंग दर 0.48% दर्ज की गई। 94-163 से.मी की फोर्क लम्बाई एवं 12-70 किलो ग्राम वजन की कुल 20 येल्लोफिन टूना 0.17% हूँकिंग दर के साथ पकड़ी गई, जबकि शार्क के लिए हूँकिंग दर 0.14% थी।

➢ बॉटम सेट वर्टिकाल लाँग लाइन सर्वेक्षण में, 1.4% का कुल हूँकिंग दर दर्ज की गई। समुद्री यात्रा के दौरान कुल 104 मछलियों में ग्रुपर्स (22.1%) स्नैपर्स (33.6%) इंपेरर (4.8%), शार्क (16.3%), एवं अन्य (23.07%) पकडी गई।

5. प्रत्यक्ष लक्ष्य एवं उपलब्धियां

2018-19 के दौरान समुद्री यात्राओं के संदर्भ में प्रत्यक्ष लक्ष्यों, समुद्र में बिताएं दिन, मत्स्यन दिवस, नमूना प्रयास, एवं सर्वेक्षण पोतों की उपलब्धियाँ निम्नलिखित है।

बेस	पोत		लक्ष्य				उपलब्धियाँ			
			जल यात्रा	समुद्र में दिन	मत्स्यन के दिन	नमूने प्रयास	मत्स्यन के दिन	नमूने प्रयास	मत्स्यन के दिन	नमूने प्रयास
मुम्बई	एम एफ वी मत्स्य वृष्टि	@	10	200	152	95760	7	107	71	37557
	एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी	*	11	220	176	825	2	16	11	36.8
मुरगांव	एम एफ वी येल्लोफिन	@	10	200	150	93750	11	199	98	34750
	एम एफ वी सागरिका	*	10	190	152	712.5	12	238	161	632
कोच्चिन	एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी	*	9	180	144	675	3	41	27	66.5
	एम एफ वी लवणिका	*	20	200	160	750	17	149	109	444.8
चेन्नई	एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	@	10	200	137	76230 9600	9	180	111 -	69720
	एम एफ वी मत्स्य समुद्रिका	*	11	220	176	825	12	231	186	808.5
विशाखापट्टणम	एम एफ वी मत्स्य शिकारी	*	10	200	150	655	8	117	63	166.9
	एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	* **	10	200	160	562.5 105	8	148	102	330.5 34
पोर्ट ब्लेयर	एम एफ वी ब्लू मार्लिन	@ & $ #	9	180	136	37500 18750 18750 10000	- 2 -	- 40 -	- 32 -	11250 7407 -
नमुना प्रयास	**कुल**		**120**	**2190**	**1693**		**91**	**1466**	**971**	
*:बोट्टम ट्रॉलिंग						5005				2486
**:मध्यजल ट्रॉलिंग						105				34
@: टूना लॉग लाइन (हूक)						303240				153275
&: बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइन (हूक)						28350				7407
$:डीप लॉग लाइन (हूक)						18750				-
#: लाईट स्टिक के साथ ड्रिफ्ट लॉंग लाइन (हूक)						10000				-

6. पोतवार पकड़ एवं मूल्य

2018-19 के दौरान भा. मा. स. के सर्वेक्षण पोतों द्वारा पंजीकृत पकड एवं मूल्य

बेस	पोत	पकड (कि. ग्रा)	मूल्य (रु.)
मुम्बई	एम एफ वी मत्स्य वृष्टि	10056	676995
	एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी	2271	74215
मुरगांव	एम एफ वी येल्लोफिन	713	44820
	एम एफ वी सागरिका	3749	-*
कोच्चिन	एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी	122	2436
	एम एफ वी लवणिका	548	9410
चेन्नई	एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	2937	289354
	एम एफ वी समुद्रिका	6344	271960
विशाखापट्टणम	एम एफ वी मत्स्य शिकारी	13283	164068
	एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	26960	442727
पोर्ट ब्लेयर	एम एफ वी ब्लू मार्लिन	2064	94378
	कुल	**69047**	**2070363**

* पकड को पोत एम एफ वी येल्लोफिन में चारा के रूप में उपयोग करने के लिए स्थानांतरित किया गया।

7. सर्वेक्षण जलयात्राओं में वैज्ञानिक भागीदारी

मात्स्यिकी संसाधन आँकड़ा संग्रहण के लिए संस्थान के वैज्ञानिक नियमित रुप से पोतों के सर्वेक्षण जलयात्राओं में भाग लेते है। वर्ष के दौरान वैज्ञानिक भागीदारी का विवरण नीचे दिया गया है:

पोत	वैज्ञानिक भागीदारी के नाम और पदनाम	जलयात्राओं की संख्या	समुद्र में बाहर दिन
एम एफ वी मत्स्य वृष्टि	डॉ. देवानंद उइके, व. वैज्ञानिक सहायक	1	14
	श्री ए. वी. तम्हाणे, व. वैज्ञानिक सहायक	1	9
	श्री राहुलकुमार बी टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक	2	35
	श्री जेकब थॉमस, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	12
	श्री स्वप्निल एस शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक	1	18
एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी	श्री जेकब थॉमस, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	03
	डॉ. एस. के. व्दिवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	10
एम एफ वी येल्लोफिन	श्री राजू एस नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
	श्री पुरन सिंह, व. वैज्ञानिक सहायक	2	31
	श्री सोल्ली सोलामन, व. वैज्ञानिक सहायक	3	52
	श्री एन. उन्नीकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	16
	श्री ए. ई. अयूब, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	1	20
	श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
एम एफ वी सागरिका	डॉ. एच. डी. प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	4	61
	श्री राजू एस नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक	3	55
	श्री पुरन सिंह, व. वैज्ञानिक सहायक	2	40
	श्री सोल्ली सोलामन, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
	श्री राहुलकुमार बी टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक	1	9
एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी	डॉ. एस रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	31
	श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	23
	श्री ए. ई. अयूब, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	2	40
एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	डॉ. जे. जयचन्द्र दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	39
	श्री वाई. थरुमर, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
	डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	20
	श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक	2	40
	डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
	श्री वी. मुरुगन, व. अनुसंधान अध्येता	3	60
एम एफ वी समुद्रिका	श्री वाई. थरुमर, व. वैज्ञानिक सहायक	2	40
	श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक	1	19
	डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
	डॉ. किरण एस माली, व. अनुसंधान सहयोगी	3	52
	श्री वी. मुरुगन, व. अनुसंधान अध्येता	1	20
एम एफ वी मत्स्य शिकारी	डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	19
	श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	3	37
	श्री एक के पट्टनायक, व. वैज्ञानिक सहायक	2	28
	श्री के. सिलम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक	2	33
एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	39
	श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	18
	श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	20
	श्री के. सिलम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक	2	20
	डॉ. हर्षवर्धन जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक	1	18
	श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक	1	18
	श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	1	15
एम एफ वी ब्लू मार्लिन	श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	2	35
	श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक	2	38

8. बेडा अनुरक्षण

ए. वर्ष के दौरान किए गए पोतों के शुष्क गोदीकरण

पोत का नाम/बेस	यार्ड का नाम	डोकिंग अवधि और पोत पर मरम्मतें	पूरा होने की तिथि	पर्यवेक्षक
एम एफ वी मत्स्य वृष्टि	मैसर्स सी एस एल, कोच्चिन	डॉक किया गया: 02.02.2018 से 11.05.2018	पोत शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के अधीन।	मुख्य अभियंता ग्रेड-I स्किप्पर यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी	मैसर्स सी एस एल, कोच्चिन	डॉक किया गया: 02.02.18 से 14.05.18	पोत शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के अधीन।	मुख्य अभियंता ग्रेड-I स्किप्पर यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	मैसर्स एच एस एल, विशाखपट्टणम	डॉक किया गया: 07.03.18 से 27.04.18	पोत शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के अधीन।	यांत्रिक समुद्री अभियंता मुख्य अभियंता ग्रेड-I स्किप्पर
एम एफ वी ब्लू मार्लिन	मैसर्स एच एस एल, विशाखपट्टणम	डॉक किया गया:21.12.18 से फरवरी 2019 के तीसरे सप्ताह तक	पोत शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के अधीन।	यांत्रिक समुद्री अभियंता मुख्य अभियंता ग्रेड-I स्किप्पर

बी. मशीनरी & उपकरण के मुख्य ऑवरहॉलिंग

पोत का नाम स्किप्पर / मुख्य अभियंता	मरम्मत मशीनरी	मरम्मत की अवधि	अभिकरण	पर्यवेक्षक
एम एफ वी सागरिका	मुख्य इंजिन	**31.06.2018 से 12.07.2018** तक	विभागीय कर्मशाला	यांत्रिक समुद्री अभियंता एवं यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) और फिटर

सी. *पोत मत्स्य वर्षिनी* के लिए सेट के साथ दो सहायक इंजनों के नवीकरण

मंत्रालय के दिनांक 21.06.2017 के पत्र क्रमांक 25035/5/2011 मा. (टी-1) को देखिए, जिसमें मंत्रालय ने यह दुहराया है कि दो लाख रुपये या उसके अधिक के अनुमानित मूल्य की सभी खरीद ई-पोर्टल के द्वारा की जानी चाहिए। मंत्रालय के अनुदेशों के अनुपालन में कोच्ची बेस ने दिनांक 03.01.2018 की तिथि निर्धारित करते हुए 13.11.2017 को ई-पोर्टल के जरिए बोली की पुन: निविदा बुलाई थी। निविदा खोलने वाली समिति ने निविदा बोली के लिफाफे को 03.01.2018 को खोला एवं यह पाया कि केवल एक बोली ही प्राप्त हुई है। बाद में तकनीकी समिति ने एक तकनीकी बोली 14.02.2018 को खोला एवं तकनीकी रुप से मूल्यांकन किया।

कोच्चि बेस ने तकनीकी बोली की प्राप्ति के साथ तकनीकी समिति की बैठक का कार्यवृत अग्रेषित किया है। जिसकी मुख्यालय में जाँच की जा रही है।

डी. नए पोतों का अर्जन

नये पोतों के अर्जन का प्रस्ताव मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, नई दिल्ली में विचाराधीन है।

ई. अतिरिक्त पुर्जों का आयातः

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार वर्ष 2018-19 के दौरान पोतों के रखरखाव के लिए 222.00 लाख रुपये की कीमत के अतिरिक्त पुर्जों का आयात किया गया।

क्रमांक	पोत का नाम	मशीनरी/उपकरण का नाम	आपूर्तिकर्ता का नाम	अतिरिक्त पुर्जों की उत्पाद शुल्क इत्यादि के साथ कीमत
01.	एम एफ वी मत्स्य शिकारी	बी एवं डब्लू अल्फा मुख्य इंजन के लिए अतिरिक्त पुर्जे	मैसर्स मेन एनर्जी साल्यूशन. डेनमार्क	₹ 50,65,524
02.	एम एफ वी ब्लू मार्लिन	नीगाटा मुख्य इंजन के अतिरिक्त पुर्जे	मैसर्स नेपटूनस ग्लोबल ट्रेडिंग, एफ जेड ई,, यूएई	₹ 34,28,805
03.	एम एफ वी येल्लोफिन	नीगाटा सहायक इंजन के लिए अतिरिक्त पुर्जे	मेसर्स नेपटूनस ग्लोबल ट्रेडिंग, एफ जेड ई,, यूएई	₹ 92,54,749
04.	एम एफ वी सागरिका	नीगाटा मैरीन गियर गियर के अतिरिक्त पुर्जे	मेसर्स नेपटूनस ग्लोबल ट्रेडिंग, एफ जेड ई,, यूएई	₹ 10,26,728
05.	एम एफ के मत्स्य सागरिका	कूलिंग वाटर पम्प असेबंली	मेसर्स नेपटूनस ग्लोबल ट्रेडिंग, एफ जेड ई,, यूएई	₹ 1,55,237
			कुल	**₹ 1,89,31,043**

9. आधारभूत संरचना सुविधाएं

समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग (एम ई डी), कोच्चि का निष्पादन

वर्ष 2018-19 के लिए पोतों को स्लिप वे में जलावतरण एवं लाइफ राफ्ट की मरम्मत का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

क्रमांक	माह	जलावतरण किए गए पोंतो की संख्या	प्राप्त राशि (रुपयों में)	आईएलआर/एचआरयू मरम्मतों की संख्या	प्राप्त राशि (रुपयों में)
1.	अप्रैल 2018	-	-	-	-
2.	मई 2018	04	1,04,500	07 (उपयोगिता)	1,10,270 70,362
3.	जून 2018	05	4,38,153	01	22,199
4.	जुलाई 2018	04	1,99,598	06	89,307
5.	अगस्त 2018	02	93,655	01	11,554
6.	सितंबर 2018	05	5,08,145	05 (उपयोगिता)	64,170 6,155
7.	अक्तूबर 2018	06	1,17,256	(उपयोगिता)	2,825
8.	नवंबर 2018	05	5,37,366	(उपयोगिता)	14,00
09.	दिसंबर 2018	04	2,22,753	(उपयोगिता)	5,37,582
10.	जनवरी 2019	03	1,54,564	06 (उपयोगिता)	1,24,648 3,47,000
11.	फरवरी 2019	04	1,26,000	11 (उपयोगिता)	2,01,374 2,57,200
12.	मार्च 2019	05	1,60,000	01 (उपयोगिता)	25,934 63,024
	कुल	**47**	**26,61,990**	**38** (उपयोगिता शुल्क)	**6,49,456** **12,98,148**

10. प्रशिक्षण

10.1 वर्ष 2018-2019 के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

नाम	पदनाम	विषय/संस्थान/स्थान/अवधि
श्री एन वी. रमणमूर्ति श्री एस. के. जायसवाल श्री राजेन्द्र बी. डोकरे श्री शुभ्रजित दास श्री एस. सी. बाला श्री टी आर जयप्रकाश श्री ए. के. खिता श्री प्रदीप कुमार शुक्ला श्री अमल कृष्णा हलदार श्री विनोद जी.नाईक श्री जोश अशोकन चेप्पली श्री के. एस. रंजित श्री डी भामी रेड्डी श्री टी विजय चन्द्र शेखर श्री सी. धनंजय राव श्री के. वेंकेटश्वर राव श्री धर्मवीर सिंह श्री जी. एस वी. शर्मा	तंत्र विश्लेषक यांत्रिक समुद्री अभियंता यांत्रिक पर्यवेक्षक(वरिष्ठ) आशुलिपिक ग्रेड-II प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक यांत्रिक पर्यवेक्षक(वरिष्ठ) व. लेखाकार प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक अधीक्षक (पी एस सी) अवर श्रेणी लिपिक/ हिंदी टंकक यांत्रिक समुद्री अभियंता अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक यांत्रिक समुद्री अभियंता प्रवर श्रेणी लिपिक यांत्रिक समुद्री अभियंता यांत्रिक पर्यवेक्षक(वरिष्ठ)	एफ एम आर आर मुंबई द्वारा व्दितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18.04.2018 एवं 19.04.2018
डॉ. एल. रामलिंगम डॉ. महेश कुमार फरेज़िया डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला श्रीमती एम. के. श्रीमती श्री पी. चलपति राव श्री शुले गोपाल वासुदेव श्रीमती सुनीता नविन मोटवानी श्रीमती मल्लिका पी. सुश्री वंदना सी. वाघमारे श्रीमती अर्चना एन प्रधान श्रीमती अरुणा विनोद कुमार श्री एस.सी. बाला श्री सी. एन. रायथाथा श्री राकेश कुमार श्री चन्द्रगुप्ता कुमार श्री एन. वरधन श्री अशोक एस कदम श्री जी पी पावले श्री राजेश्री के. मेन्डन श्री अमल कृष्णा हलदार	उप महानिदेशक (मात्स्यिकी) / महानिदेशक (प्रभारी) उप महानिदेशक (अभियांत्रिकी) व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक व. प्रशानिक अधिकारी सांख्यिकीविद् कार्यालय अधीक्षक आशुलिपिक ग्रेड-I आशुलिपिक ग्रेड-I प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक आशुलिपिक ग्रेड-I मात्स्यिकी वैज्ञानिक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक कार्यालय अधीक्षक प्रवर श्रेणी लिपिक	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्याल) के सम्मेलन कक्ष में रोस्टर का रखरखाव बनाना, आरक्षण एवं छूट में प्रशिक्षण 04-05 मई 2018।

नाम	पदनाम	विषय/संस्थान/स्थान/अवधि
डॉ एस. के. व्दिवेदी श्री बी. बालानायक डॉ. एच. डी. प्रदीप डॉ. एस. रामचन्द्रन श्री पी. तमिलरसन श्री डी. भामी रेड्डी डॉ जे. जयचन्द्र दास श्री सी. धंनजय राव श्री के. गोविन्दराज डॉ सिजो पी. वर्गीस श्री धर्मवीर सिंह श्रीमती अरुणा विनोदकुमार	मात्स्यिकी वैज्ञानिक सेवा अभियंता (यां) मात्स्यिकी वैज्ञानिक व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक मात्स्यिकी वैज्ञानिक यांत्रिक समुद्री अभियंता क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक यांत्रिक समुद्री अभियंता व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक यांत्रिक समुद्री अभियंता प्रवर श्रेणी लिपिक	पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के संपर्क अधिकारियों के लिए व्याख्यात्मक सह प्रशिक्षण-कार्यशाला-(अनुसूचित जाति/जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग के लिए 31 मई से 2 जून 2018
डॉ. ए. जॉन चेम्बियन	क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ रिमोट सेसिंग, देहरादून में 12-15 जून, 2018 को रिमोट सेसिंग-निर्णय लेनेवालो के लिए आई आई आर एस| लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम
श्री एन वी. रमणमूर्ति श्री सी. भास्कर श्री बापू एम राऊत श्री आशीष कुमार	तंत्र विश्लेषक प्रोग्रामर प्रोग्रामर प्रोग्रामर	राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद में 29 अक्तूबर 2018 से 3 नवंबर 2018 तक सार्वजनिक खरीददारी पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम
डॉ. अंशुमान दास	मात्स्यिकी वैज्ञानिक	(अंतर्राष्ट्रीय समुद्र विज्ञानीय आँकडा एवं सूचना आदान प्रदान) आई ओ डी के सहयोग से इनकोइस द्वारा इनकोइस हैदराबाद, भारत में, 26-30 नवंबर 2018 को कोस्टल मैपिंग एवं मॉनीटरिंग के लिए (क्यूजी एस आई एस का प्रयोग करते हुए) जियोस्पैशियल तकनीक पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
श्री राहुल कुमार बी. टेलर श्री सोल्ली सोलामन	व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक	सी एम एफ आर आई, कोच्चिन के 1-21 दिसंबर 2018 को जैव विविधता मूल्यांकन एवं संरक्षण के लिए मात्स्यिकी जीव विज्ञान में वर्तमान प्रगति पर आई सी ए आर- सी एम एफ आर आई का शीत कालीन स्कूल
श्री गोपाल वा. थुले श्री डी. के. पंडया श्रीमती अर्चना प्रधान श्रीमती अरुणा विनोदकुमार श्री राकेश कुमार श्रीमती राजेश्री के मेन्डन श्री अंकित कुमार श्री अमर बाहदुर श्रीमती के. के. अंबिका श्री डोलमनी नाईक श्री वी. वी. श्रीजित	कार्यालय अधीक्षक प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक कार्यालय अधीक्षक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक कार्यालय अधीक्षक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक	17-18 दिसंबर 2018, को आर टी सी, मुंबई में वेतन निर्धारण एवं एम ए सी पी
डॉ. एस. रामचन्द्रन डॉ. ए. बी. कर	व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक मात्स्यिकी वैज्ञानिक	17-22 दिसंबर, 2018 को चेन्नई में अंतर सरकार संगठन, बंगाल की खाड़ी कार्यक्रम द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मात्स्यिकी करार पर क्षमता में वृद्धि, संधियाँ एवं समागम पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

नाम	पदनाम	विषय/संस्थान/स्थान/अवधि
श्री चेतन एन. रायथाथा श्री शखावत हुसैन श्री विकास कुमार मिश्रा श्री चन्द्रगुप्ता कुमार श्री वी. वी.श्रीजित श्री भरत कुमार श्री हेमंत कुमार श्री अंकित कुमार श्री अमर बाहादुर	प्रवर श्रेणी लिपिक आशुलिपिक ग्रेड-II अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक आशुलिपिक ग्रेड-II अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक	26-27 दिसंबर 2018 को आर टी सी, मुंबई में टिप्पणी एवं मसौदा लेखन
श्री राजू एस. नागपुरे श्रीमती बिन्दु के श्री भरत कुमार	व. वैज्ञानिक सहायक प्रवर श्रेणी लिपिक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक	27-28 दिसंबर, 2018 को मुरगांव, गोवा में, नेशनल सेंटर फॉर पोलार एवं महासागर अनुसंधान हेड लैंड, साड़ा में, वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तकनीकी शब्दों का प्रयोग एवं महत्व पर प्रशिक्षण
श्री एम के जायसवाल श्री बी. बालानायक श्री अशोक एस कदम डॉ. अंशुमान दास श्री प्रदीप कुमार शुक्ला	यांत्रिक समुद्री अभियंता सेवा अभियंता (यां) मात्स्यिकी वैज्ञानिक मात्स्यिकी वैज्ञानिक लेखा सहायक अधिकारी	28-29 जनवरी 2019 को आर टी सी, मुंबई में आहरण एवं संवितरण अधिकारी के कार्य
श्रीमती एम. के. श्रीमती श्री पी. चलपति राव डॉ. अशुमान दास श्री गोपाल थुले सुश्री वंदना वाघमारे श्री एस. के. जायसवाल श्रीमती के. के. अंबिका	व. प्रशासनिक अधिकारी सांख्यिकीविद् मात्स्यिकी वैज्ञानिक कार्यालय अधीक्षक प्रवर श्रेणी लिपिक यांत्रिक समुद्री अभियंता कार्यालय अधीक्षक	28-29 जनवरी 2019 को आर टी सी, मुंबई में आहरण एवं संवितरण अधिकारी के कार्य
श्री प्रदीप कुमार शुक्ला श्री संजीव कुमार सिंह श्री राकेश कुमार श्री डोलमनी नाईक श्रीमती कुसुम लता यादव	सहायक लेखा अधिकारी आशुलिपिक ग्रेड-II अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक बहु कार्मिक कर्मचारी	7-8 मार्च, 2019 को आर टी सी, मुंबई में टी ए, एवं एल टी सी
श्री एन वी. रामनमूर्ति श्री प्रदीप कुमार शुक्ला श्री एस सी बाला श्री जय प्रकाश टी आर श्रीमती कविता नाईक श्री एम. के. जायसवाल श्री विनोद जी नाईक	तंत्र विश्लेषक सहायक लेखा अधिकारी प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक बहु कार्मिक कर्मचारी यांत्रिक समुद्री अभियंता प्रवर श्रेणी लिपिक	21-22 मार्च, 2019 को आर टी सी, मुंबई, में माल एवं सेवाओं की खरीद

10.2 सिफनेट प्रशिक्षणर्थियों को प्रशिक्षण

मानव संसाधन विकास के एक हिस्से के रूप में, संस्थान ने सिफनेट प्रशिक्षणार्थियों को कार्य प्रशिक्षण देना जारी रखा। पोत पर प्रदत्त प्रशिक्षण का बेस वार विवरण निम्नानुसार है।

बेस	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या			
	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	वर्ष के दौरान नियुक्ति	वर्ष के दौरान प्रशिक्षण पूरा किया	वर्ष के अंत में
मुरगांव	2	-	1	1
कोचीन	2	-	-	2
चेन्नई	4	4	4	4

10.3 क्षमता निर्माण कार्यक्रम और मछुआरों को प्रशिक्षण

चेन्नई बेस :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस ने सिफनेट चेन्नई, एवं मात्स्यिकी विभाग तमिलनाडु के साथ मिलकर अप्रैल 2018 माह के दौरान 'परंपरागत मछुआरों को टूना लाँग लाईन' पर गहरे समुद्र में मत्स्यन पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का दसवां चरण आयोजित किया। तमिलनाडु के पुदुकोट्टइ एवं रामनाथपुरम जिला के 15 मछुआरों को सिफनेट, चेन्नई में सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* पर 17 एवं 18 अप्रैल 2018 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

'परंपरागत मछुआरों को टूना लाँग लाईन' पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण एवं सिफनेट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। 12.07.2018 को चेन्नई बेस के वैज्ञानिकों द्वारा क्षेत्रीय भाषा में सैद्धांतिक व्याख्यान दिए गए। बेस के वैज्ञानिकों ने "महासागरीय मत्स्य संसाधन एवं मोनोफिलामेंट लाँगलाईनिंग, डेक गियर उपकरण एवं सहायक उपकरण", "टूना प्रजातियाँ, उनका वितरण एवं व्यवहार" और "टूना मछली की देखभाल एवं परिरक्षण" पर व्याख्यान दिए। 24-28 जुलाई 2018 को पोत मत्स्य दृष्टि पर पाँच दिन का प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पाँच दिनों की अवधि के दौरान मछुआरे प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न पहलुओं जैसे मत्स्यन प्रचालन का तरीका जैसे चारे का तरीका, "शूटिंग एवं हॉलिंग", "पोत पर टूना की देखभाल एवं आगे का भंडारण", "नौचालन उपकरणों, डेक उपकरणों इत्यादि का प्रचालन", "समुद्र में सुरक्षा के उपकरण एवं अपनाई जाने वाली प्रक्रिया", "अग्निश्मक उपकरण एवं इनका प्रयोग, इंजन कक्ष के उपकरण एवं सुरक्षा अलार्म", टूना एवं संबंधित संसाधनों की जैविक विशेषताएं पर प्रशिक्षण दिया गया।

पोत *मत्स्य दृष्टि* पर चेन्नई बेस ने अप्रैल 2018 से फरवरी 2019 के दैरान मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रायोजित परंपरागत मछुआरों के लिए 'गहरे समुद्र में मत्स्यन पर क्षमता निर्माण एवं पोत पर टूना की देखभाल' पर विशेष प्रशिक्षण का प्रथम चरण आयोजित किया। तमिलनाडु के 04 मछुआरों को इस कार्यक्रम का लाभ मिला। यह कार्यक्रम सिफनेट एवं निफेट के सहयोग से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षणार्थी मछुआरों के लिए सिफनेट, चेन्नई में इस बेस के वैज्ञानिकों ने सैद्धांतिक कक्षाएं ली।

पोर्ट ब्लेयर बेस:

भा.मा.स. के पोर्टब्लेयर बेस के सहयोग से मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने 11 मई 2018 को पोत *एम.एफ.वी. ब्लू मार्लिन* पर *"आधुनिक मत्स्यन प्रौद्योगिकी पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण"* आयोजित किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य *"नीली क्रांति"* स्कीम के अंतर्गत स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ उनके अनुकूलतम उपयोग पर सूचना का प्रसार करना और समुद्र में सुरक्षा के लिए आधुनिक मत्स्यन तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर मछुआरों को प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम के दौरान भा.मा.स. एवं संध शासित क्षेत्र के अधिकारियों सहित कुल 36 मछुआरों को पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* में ले जाया गया।

भा.मा.स. के पोर्ट ब्लेयर बेस ने मछुआरों को पर्यावरण अनुकूलन मत्स्यन प्रणालियों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण देने हेतु 19 मार्च 2019 को हट बे पोर्ट में *"आधुनिक मत्स्यन प्रौद्योगिकियों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण"* आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान, चार आदिवासी सहित 20 स्थानीय मछुआरो को पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* में ले जाया गया। मछुआरों को इलेक्ट्रॉनिक मत्स्य खोजी, समुद्रवैज्ञानिक, नौचालन, समुद्री सुरक्षा और अन्य संचार उपकरणों के प्रचालन पर व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित किए गए।

11. प्रकाशन

संस्थान अपने सतत सर्वेक्षण के जरिए प्राप्त संसाधन उपलब्धियों को मत्स्य उद्योग एवं इस क्षेत्र से जुडे अन्य लोगों तक अपने वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिका, चार्टों, विशेष प्रकाशनों, बुलेटिनों, वैज्ञानिक लेखों आदि विभिन्न प्रकाशनों के जरिए प्रभावी रुप से प्रसार करता आ रहा है। स्थानीय मच्छुआरों एवं यांत्रिक नौका प्रचालकों के हित के लिए संस्थान अपने कुछ प्रकाशनों को क्षेत्रीय भाषाओं में भी अनूदित किया है। वर्ष के दौरान संस्थान के निम्नलिखित प्रकाशन जारी किए गए।

हिंदी पत्रिका

मुरगांव बेस द्वारा मत्स्य कीर्ति (सातवा संस्करण)
कोच्चिन बेस द्वारा मत्स्य ध्वनी

मीना समाचार

मीना समाचार खण्ड XXXV सं.: 1 जनवरी - मार्च 2018 (व्दिभाषी)

सर्वेक्षण कार्यक्रम

मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान कार्यक्रम 2018-19

रिपोर्ट

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18 (व्दिभाषी)

हिंद महासागर टूना आयोग की वैज्ञानिक समिति (आई ओ टी सी) 2018 को भारत की राष्ट्रीय रिपोर्ट.

संसाधन सूचना अंकावली -13 अंक

मुरगांव एवं चेन्नई बेस के प्रत्येक के चार अंक, विशाखपट्टणम के तीन अंक,मुंबई एवं पोर्ट ब्लेयर बेस प्रत्येक के एक अंक स्थानीय मछुआरों के हित के लिए संबंधित स्थानीय भाषाओं में प्रकाशित किए गए।

जर्नल/ पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र

मुड्डुमाला वी.के, एम.के.फरेजिया, के.एस माली, आर आर करी, डी.ई.उईके, ए.प्रद्न्या, ए शिवा, 2018 भारत के उत्तर पश्चिमी तट में पाये जाने वाले फ्रिगेट टूना *आक्सिस थजार्ड* (लेसीपेड 1800) की जीव संख्या विशिष्टता पर अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लाइफ साइन्स, सायन्टि. रेस., 4(2):1639-1643। डी ओ आई 10.21276/आई जे एल एस एस आर. 2018.4.2.3।

बाबू सी., के सिलंबरसन, ए एनरोज और एल रामलिंगम (2019)। चेन्नई के तटीय समुद्र भारत से दुर्लभ प्रजाति मेस्ट्रस लेनासियोलेटस (पोयिंट्टेल सनफिश) का नया रिकार्ड। इंडियन जर्नल ऑफ जियो-मरीन साईस, 48(3):297-301।

नशाद एम, शिर्के, एस.एस., प्रदीप एच. डी., और देवी, एम. एस (2018)। अंडमान समुद्र के भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र से इसकोलर, *लेपिडोसाइब्यिम फ्लेवोब्रूनियम* (स्मिथ, 1843) का प्रथम रिकार्ड। इंडियन जर्नल ऑफ जियो मरैन सायन्स, 47(07), 1409-1412 httb://nopr.niscari.rs.in/handle/123456789/44612:

प्रदीप एच डी (2018) भारत के दक्षिणी पूर्वी तट के समीप मद्रास तट में बिगआई स्नेपर (लुटजेनस लुटजेनस ब्लोच, 1790) के मोरफोमेट्रिक, लंबाई आवृत्ति एवं लंबाई भार का संबंध इंडियन जर्नल ऑफ जियो मरीन सायन्स 47(08, 1601-1606, httb://nopr.niscari.rs.in/handle/123456789/44771,

प्रदीप एच डी, वेणु, एस., सुमिता, जी., शिर्के, एस. एस. और बिनीश के.के. (2018) अंडमान समुद्र से इस्टियोफोरस प्लेटिपटेररस (शॉ एवं नोडर, 1792) पर *ट्रिस्टोमेला लेविस* (वेरिल, 1875) गियर्ट, 1938 परजीवी की प्रथम रिपोर्ट httb://nopr.niscari.rs.in/handle/123456789/44769

स्वप्निल एस शिर्के, मोनालिसा एस, देवी, नशद एम, एच डी प्रदीप एवं एम रमीस रहमान (2018) पोर्ट ब्लेयर शहर, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के चुनिंदा मछली बाजारों में मछली बेचने वाले व्यक्तियों द्वारा स्वच्छता संबंधी पद्धति अपनाने पर एक समग्र दृष्टिकोंण। इंडियन जर्नल ऑफ इकनोमिक्स एवं डेवलपमेंट अंक 6(4), पी पी 1-6

नशद एम, स्वप्निल एस शिर्के, एच डी प्रदीप, एवं मोनालिसा एस देवी, (2018) अंडमान समुद्र के भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र से एसकोलर *लेपिडोसाईबियम फ्लेवोब्रूनियम* (स्मिथ, 1843) का प्रथम रिकार्ड। इंडियन जर्नल ऑफ जियो मरैन सायन्स, खंड 47(07), 1409-1412 पी पी

नशद एम, सिजो पी वर्गीस, स्वप्निल एस शिर्के, प्रत्युश दास (2018) अंडमान एवं निकोबार समूह से चार परजीवी कोपेपोड (क्रस्टेशिया, सिफोनोस्टोमेटाइडा) का नया रिकार्ड इंडियन जर्नल ऑफ फिशरीज एवं इनवायरमेंट 42 (2) 1-11।

अन्य कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/परिसंवाद में प्रस्तुत शोध पत्र

प्रयागराज, उत्तरप्रदेश में 24-25 फरवरी, 2019 के दौरान एनजीबीएस 2019 पर राष्ट्रीय परिसंवाद में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

द्विवेदी एस के, अशोक एस कदम, ए.सिवा, किरण एस माली एवं एल रामलिंगम, 2019 *भारत में समुद्री मछलियों की विविधता, संरक्षण एवं प्रबंधन*

द्विवेदी एस के 2019 *भारत के समुद्री मछलियों की टैक्सोनोमी*

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की विस्तार गतिविधियों के तहत प्रस्तुत शोध पत्रः

मुम्बई बेसः

27 जून 2018 को साई मंगल कार्यालय, वेंगुरला, महाराष्ट्र में *"महाराष्ट्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन : सतत प्रयोग, विकास एवं प्रबंधन"* पर क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

कदम एस, 2018	:	*"महासागरीय मत्स्य संसाधन एवं पैदावार के तरीके"*
उईके डी; 2018	:	*"उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता"*

05 दिसम्बर 2018 को केवट समाज भवन हॉल, वेरावल, गुजरात में **"वेरावल के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध मत्स्यन प्रणाली"** पर प्रदर्शनी एवं क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

कदम एस, 2018	:	*"गुजरात तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन"*
द्विवेदी एस के, 2018	:	*"उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता एवं समुद्र में सुरक्षा"*
शिर्के एस, 2018	:	*"पोत पर एवं लैंडिंग केंद्र पर स्वच्छता से मछली की देखभाल"*
खिता ए, 2018	:	*"ईंधन बचत के लिए सुझाव"*

मुरगांव बेस :

27 जून 2018 को साई मंगल कार्यालय, वेंगुरला, महाराष्ट्र में *"महाराष्ट्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सतत प्रयोग, विकास एवं प्रबंधन"* पर क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

प्रदीप एच डी., 2018	:	*"उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता"*
नागपुरे राजू एस, 2018	:	*"दक्षिण महाराष्ट्र तट के समीप समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों में दशकीय परिवर्तन"*
सोलोमन एस, 2018	:	*"महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन और पैदावार तरीके"*

कोचीन बेसः

19 जनवरी, 2018 को पुरातत्व संग्रहालय म्यूजियम के गोल्डन जुबली हॉल, अगत्ती द्वीप, लक्षद्वीप में *"लक्षद्वीप समुद्र के महासागरीय संसाधनों का सतत उपयोग"* पर क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

रामचंद्रन एस, 2018	:	"लक्षद्वीप समुद्र के गैर-परम्परागत मात्स्यिकी संसाधन एवं पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन पद्धतियों द्वारा दोहन"
उन्नीकृष्णन एन., 2018	:	"लक्षद्वीप समूह के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, समस्याएं एवं संभावनाएं"
अयूब ए. ई., 2018	:	"उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता एवं पर्यावरण के अनुकूल मत्स्यन प्रणाली"

30 अक्टूबर 2018 को इम्मेनुअल हॉल, चेल्लानम में *"केरल तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और आने वाली चुनौतियों"* पर क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

रामचंद्रन एस, 2018	:	"पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ"
उन्नीकृष्णन एन, 2018	:	"केरल तट के समीप समुद्री मात्स्यिकी संसाधन के सर्वेक्षण के परिणाम"
अयूब ए ई., 2018	:	"उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता"
अरुण कुमार पी ए., 2018		"मछुआरों के लिए सुरक्षा एवं एहतियाती उपाय"
अशोकन जे, 2018	:	"समुद्र में जीवन की सुरक्षा (सोलास)"

चेन्नई बेसः

20 सितम्बर 2018 को मात्स्यिकी एवं मछुआरा कल्याण विभाग, फिशिंग हार्बर कॉम्प्लेक्स, थेनेईगईतु, पुदुचेरी पर "तमिलनाडु एवं पुदुचेरी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर आयोजित कार्यशाला में प्रपत्र प्रस्तुत किए गए।

जयचंद्र दास जे, 2018	:	"पर्यावरण के अनुकूल एवं विवधीकृत मत्स्यन प्रणालियाँ"
जॉन चेम्बियन ए, 2018	:	"ससमी ग्रेड के लिए पोत पर टूना का देखभाल एवं परिरक्षण"
बाबू सी., 2018	:	"वर्तमान दोहन पर विशेष जोर के साथ बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में टूना मात्स्यिकी संसाधनों का वितरण एवं प्रचुरता" यानम, पुदुचेरी में 6 मार्च 2018 को "भारत के पूर्वी तट के टूना मात्स्यिकी संसाधनों" पर प्रस्तुत कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

विशाखापटणम बेसः

बालासोर, ओडिशा में 5 जून, 2018 को आयोजित "भारत के पूर्वी-तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

डॉ. ए. बी. कर	:	"भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन"
डॉ. ए. बी. कर	:	"टूना फिश का देखभाल एवं संरक्षण"
एस के पटनायक	:	"मत्स्यन प्रणालियों का विविधीकरण"
एस के पटनायक	:	"उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता"
एस के पटनायक	:	"समुद्र में सुरक्षा"

8 सितम्बर, 2018 को अवनिगड़ा, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश में मछुआरों के लिए आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

एन जगन्नाथः	:	"भारत के पूर्वी तट के महासागरीय टूना संसाधन एवं टूना का देखभाल एवं संरक्षण"
जी.वी.ए. प्रसादः	:	"आंध्र प्रदेश तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन"
जी.वी.ए. प्रसादः	:	"उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता"
जी.वी.ए. प्रसादः	:	"समुद्र में सुरक्षा"

24 जनवरी 2019 को गोपालपुर, गंजम जिला, ओडिशा में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

डॉ. ए.बी. करः	:	भारत के पूर्वी तट के "ओडिशा तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन" महासागरीय टूना संसाधन एवं टूना का देखभाल एवं परिरक्षण
एस. के. पटनायकः	:	"पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ"
एस. के. पटनायकः	:	"उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता"
एस. के. पटनायकः	:	"समुद्र में सुरक्षा"

पोर्टब्लेयर बेस :

09 मई 2018 को ग्राम पंचायत हाल, हैवलोक, दक्षिण अंडमान में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

नशद एम	:	"अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

19 मार्च 2019 को कम्युनिटी हाल, हट बे, छोटे अंडमान में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

डॉ. देवानंद ई. ऊइके ने "उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रत्युष दास ने "पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नशाद एम ने "अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

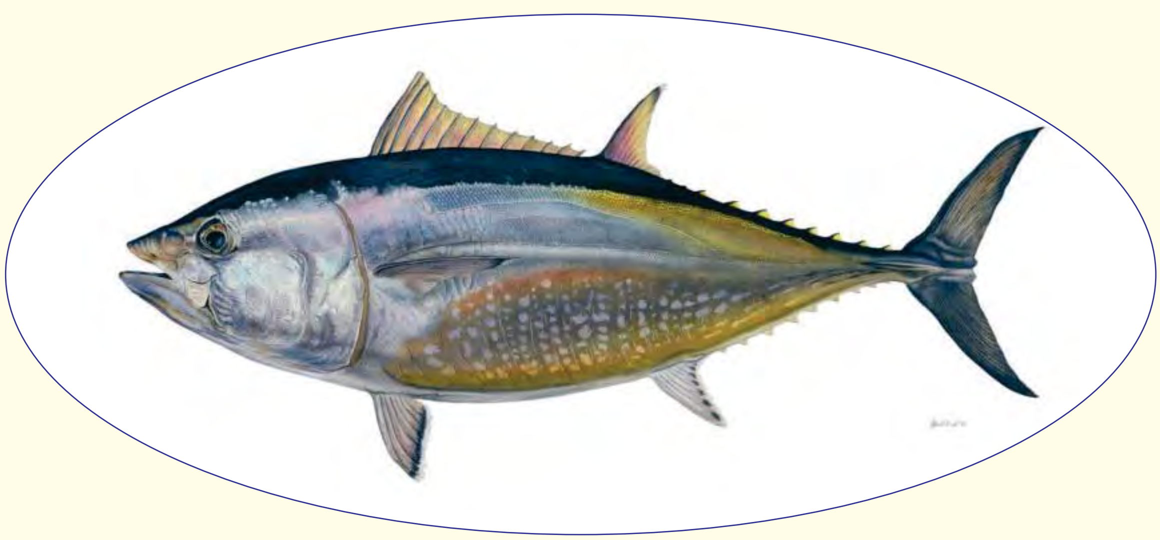

12. अनुसंधान एवं सर्वेक्षण गतिविधियाँ

12.1 सर्वेक्षण / अनुसंधान की मुख्य बातें

12.1.1 एकसमान मत्स्यन पर रोक की अवधि के दौरान किशोर मछलियों की प्राप्ति

अप्रैल एवं जून 2008 माह के दौरान विभागीय सर्वेक्षण पोत *एम.एफ.वी मत्स्य शिकारी* अक्षांश को 16° उ – 20° उ के क्षेत्र में 34 मी. फिश ट्रॉल एवं 34 मी श्रिम्प ट्रॉल का उपयोग करते हुए तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों की मॉनीटरिंग करने के लिए परिनियोजन किया गया था। तीन प्रजातियों अर्थात *टोरपेडो सिनुसपेरसेसी* (परिवर्तनीय टोरपेडों रे), *हिमानतूरा गेररडी* (शार्पनोस स्टिंगरे), एवं प्लोटोसस लिनिएट्स (स्ट्राइप्ड ईल कैटफिश) के किशोरों को पोत पर जैविक अध्ययन के दौरान, देखा गया जो कि भारत सरकार द्वारा घोषित एकसमान मत्स्यन पर रोक की अवधि अर्थात 15 अप्रैल से 30 मई तक समानता रखती है। किशोर प्रजातियों का विवरण नीचे दिया गया है।

क्रमांक	प्रजातियों के नाम	अप्रैल, 2018		जून, 2018	
		लम्बाई (सेमी)	भार (ग्राम)	लम्बाई (सेमी)	भार (ग्राम)
1	*टोरपेडो सिनयूसपेरसेसी*	11.0-25.0	20-100	12.0-23.4	30-100
2	*हिमानतूरा गेररडी*	12.2-26.5	20-110	14.7-27.7	25-125
3	*प्लोटोसस लाईनएटेस*	9.0 -15.0	10-30	7.4-14.2	10-25

a)) टोरपेडो सिन्युसपेरसेसी

b) हिमानतूरा गेरारडी

c) प्लोटोसस लिनिएट्स

12.1.2 टूना एवं सम्बंधित संसाधनों का दोहन

जून 2018 माह में पोत *मत्स्य वृष्टि* ने 2.79% कुल पकड़ दर के साथ 39 नग बड़े पेलाजिक मछलियाँ दर्ज की। 26.06.2018 को टूना संसाधन का सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 18 56.5' उत्तर देशांतर 68 55.1 पूर्व के क्षेत्र में कुल 13 नग मछलियाँ पकड़ी गई, जिसमें शार्क (06 नग), डॉलफिन फिश (04 नग), एवं सेल फिश (03 नग) शामिल थी। 27.06.2018 को पुनः अक्षांश 190 19.2 उत्तर/ देशांतर 680 49.4 पूर्व के क्षेत्र में कुल 13 नग मछलियाँ पकड़ी गई, जिसमें डॉलफिन एवं सेल फिश (प्रत्येक का 04 नग), येल्लोफिन टूना एवं शार्क (प्रत्येक का 02 नग), एवं मार्लिन का (01 नग) शामिल थी। अक्षांश 180 56.5 उ देशांतर / 680 55.1 पूर्व एवं अक्षांश 190 19.2 उत्तर देशांतर / 680 49.4 पूर्व के दोनो क्षेत्र से कुल हूकिंग दर 3.71%, वाय एफ टी हूकिंग दर 0.57%, के साथ अधिक उत्पादक पाया गया। यह अवलोकन, टूना एवं इसकी संबद्ध प्रजातियों के लिए एक समृद्ध संभावित क्षेत्र का दोहन का एक नया मार्ग खोलता है। चूँकि स्टॉक प्राकृतिक रूप से फैला है, एकल अवलोकन से यह निष्कर्ष निकालना संभव नही है कि क्षेत्र समृद्ध है। इस क्षेत्र के बार बार अवलोकन और निगरानी की आवश्यकता होती है ताकि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि क्षेत्र टूना और संबंधित प्रजातियों के परीक्षण के लिए समृद्ध है।

12.1.3 संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन से जुड़े अनुसंधान जलयान डॉ फ्रिडटजोफ नेनसन में सह-भागिता

दिनांक 24 जून - 15 अक्तूबर 2018 के दौरान श्रीलंका, बांगलादेश, म्यांमार, थाईलैंड और भारत के राष्ट्रीय जल क्षेत्र में अनुसंधान जलयान डॉ फ्रिडटजोफ नेनसन के साथ *"जलवायु और प्रदूषण पर विचार करते हुए मात्स्यिकी प्रबंधन में पारिस्थितिक दृष्टिकोण के अनुप्रयोग का समर्थन"* के शीर्षक पर मात्स्यिकी में पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण(ई.ए.एफ)-नेनसन कार्यक्रम की योजना बनाई गई। जलयान आर.वी. डॉ फ्रिडटजोफ नेनसन पर विश्व के विभिन्न देशों अर्थात - नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका, श्रीलंका, थाईलैंड और भारत के वैज्ञानिक टीमों ने (लैग 3.2 कार्यक्रम का एक भाग) कोलंबो, श्रीलंका से आरंभ होकर चिट्टगोंग बांग्लादेश तक) भाग लिया।

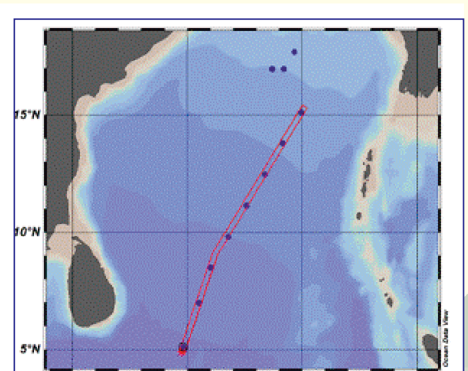

जलयान आर.वी. डॉ फ्रिडटजोफ नेनसन के लेग 3.2 का क्रूज ट्रैक

पारिस्थितिकी तंत्र और उसके विशिष्ट घटकों जैसे- हाईड्रोग्राफिक पैरामीटर, प्लवक, अंडे तथा लार्वा, जेलीफिश,

जलयान आर.वी. डॉ फ्रिड्टजोफ नेनसन के लेग 3.2 की वैज्ञानिक टीम

तलमज्जी, पेलाजिक, मेसो-पेलाजिक संसाधनों बॉटम सेडिमेंट एवं प्रदूषण का संग्रहण, उसका विश्लेषण और अध्ययन करके पारिस्थितिक तंत्र को समझना ही सर्वेक्षण का उद्देश्य है।

मात्स्यिकी हेतु एक नोडल अभिकरण होने के नाते, इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय अभियान में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने देश का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय वैज्ञानिकों की टीम में डॉ एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री ए. सिवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक और श्री स्वप्निल एस. शिर्के, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक शामिल थे। दिनांक 18.07.2018 को लेग 3.2 (कार्यक्रम का एक भाग) कोलोम्बो, श्रीलंका से आरंभ होकर दिनांक 01.08.2018 को चिट्टगोंग, बांग्लादेश में समाप्त हुआ।

विभिन्न भौतिक और जैविक समुद्र विज्ञान पैरामीटर के आंकड़ों के संग्रहण के लिए उन्नत समुद्र विज्ञान उपकरण जैसे- डी.एन.एम.आई., थर्मोसेलिनोग्राफ, ए.डी.सी.पी., सी.टी.डी., डब्ल्यू.पी. 2 नेट, हाईड्रो बाईओस एम.पी.एन., मांटा ट्रॉल, ई.के-80, इको-साउंडर, मल्टपेल्ट मेसो पेलाजिक ट्रॉल और क्रिल ट्रॉल जलयान में उपलब्ध थे।

सर्वेक्षण कार्यक्रम के दौरान समुद्री सतह के तापमान (एल एस टी), वर्टीकल तापमान प्रोफ़ाइल, सतह की लवणता, वर्टीकल लवणता प्रोफ़ाइल, क्लोरोफिल, विघटित ऑक्सीज़न, प्राणिप्लवक पर पी एच आंकड़ा, मेसोपेलाजिक संसाधन जैसे मैक्रो प्राणिप्लवक, माइक्रोनेक्टन मेसोपेलाजिक फिन फिश, पेलाजिक श्रृम्प, केकड़ा और विविध टेकसा के सिफेलोपोड्स से संबन्धित आंकड़े संग्रहित किए गए।

12.1.4 अंडमान तथा निकोबार समुद्र से चार नए परजीवी कोपपोड (क्रस्टेसिया, सीफोनोस्टोमैटोइडा) का नया रिकार्ड।

अप्रैल 2017 में पोत एम.एफ.वी. *ब्लू मार्लिन* द्वारा अंडमान एवं निकोबार समुद्र में अन्वेषणात्मक लॉंग लाईन सर्वेक्षण करते समय पोर्ट ब्लेयर बेस के वैज्ञानिकों ने बड़े पेलाजिक मछलियों से चार नए परजीवी कोपपोड का नया रिकार्ड रिपोर्ट की। दर्ज किए गए नए परीजीवी थे 1) *पेलाजिक थ्रेशर एलोपियस पेलाजिकस*, नाकामुरा,1935; के गिल्स से *नेमेसिस एग्रेगेटस क्रेसे*, 1967 2) मार्लिन *इस्टियोमपैक्स इंडिका*, (कुवियर 1832) के शरीर के सतह से *ग्लोइपोट्स हुट्टोनी*, (थॉमसन जी.एम. 1890) 3) ग्रेट बाराकुडा *स्फायरेएना बाराकुडा*, (एडवर्ड्स 1771) के शरीर के सतह से *केलिगस लोबोडस*, (विल्सन सी. बी. 1911) 4) येलोफिन टूना थुन्नस अल्बाकेयर्स, (बोनटेरे 1788) के गिल्स से *स्यूडोसाईकनस अपेंडिकुलाटस*, हेलर 1865 थे। परजीवी संक्रमण के फैलाव, तीव्रता तथा पोषिता पर उसके प्रभाव का भी अध्ययन किया गया था। *नेमेसिस एग्रेगेटस* के लिए *एलोपियस पेलाजिकस* एक नया होस्ट रिकार्ड बनाया है। उल्लेखित अध्ययन की जानकारी "मात्स्यिकी एवं पर्यावरण की पत्रिका खंड 42(2)" 2018 में प्रकाशित हुई थी।

12.1.5 भारत के दक्षिण-पूर्वी तट विशाखपट्टणम के तटीय जल में हंटर *श्रिम्प एक्सहीपपोलिसमेटा एनसीरोस्ट्रिस* (केम्प, 1914) की प्राप्ति

भारत के ऊपरी पूर्वी तट के जलयान *एम. एफ. वी. मत्स्य दर्शिनी* ने 45.6 मीटर एक्स्पो मॉडल बॉटम ट्रॉल का प्रचालन करते हुए अगस्त, 2018 माह के दौरान तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण किया। अक्षांश 17° 36.3' उत्तर/देशांतर 83° 29.2' पूर्व के क्षेत्रों में एक ही हॉल में 61-62 मीटर गहराई से 38 किलोग्राम की मछलियों की कुल पकड़ दर्ज की गई। पकड़ी गई मछलियों में क्रोकर्स (47.4%), सैंडलग्रंट्स (13.2%), कैटफिश(13.2%), पोनीफिश(7.9%) और नॉन पेनाईड श्रिम्प (5.3%) शामिल थे। नॉन पेनाईड श्रिम्प की पहचान एक्सहीपपोलिसमेटा एनसीरोस्ट्रिस के रूप में की गई, जिसे आम तौर पर हंटर श्रिम्प के नाम से जाना जाता है। हंटर श्रिम्प आंध्र प्रदेश तट में पायी जाने वाली एक दुर्लभ प्रजाति है।

आकार वितरण

जलयान पर हंटर श्रिम्प के जैविक और मोर्फोलोजिकल अध्ययन का विस्तृत विश्लेषण किया गया। प्राप्त नमूने के पृष्ठावरण लंबाई 2.० से 4.० सेंटीमीटर तक थी। प्राप्त नमूनों में सबसे ज्यादा 3.1-3.5 से.मी. पृष्ठावरण लंबाई वाले ग्रुप (42%) थे। सैंपल किए गए नमूनो में शीघ्र परिपक्वता नही देखी गई थी, जबकि समयोपरांत परिपक्वता ज्यादा देखी जाती है।

12.1.6 विशाखपट्टणम तट से दुर्लभ एलोंगेट अनपैटर्नड मोरे ईल *स्ट्रोफायडॉन सेथेटी* (हैमिल्टन,1822) की प्राप्ति

अगस्त 2018 माह के दौरान जलयान *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* द्वारा विशाखपट्टणम तटीय जल में अक्षांश 16° उ से 21° उत्तर क्षेत्र में मध्य अन्वेषणात्मक मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 17° 05.9' उत्तर/देशांतर 83° 34.8' पूर्व के क्षेत्र में 44 से 45 मीटर की गहराई पर *स्ट्रोफायडॉन सेथेटी* के एक नमूने की पकड़ दर्ज़ की गई, जिसे आम तौर पर स्लेंडर जाईट मोरे के नाम से जाना जाता है। मुराएनीडे परिवार को समान्यतः मोरे ईल भी कहा जाता है, जो विधिव अधिकांश ग्रुप में पाया जाता है। ये दुनिया के समस्त उष्णकटिबंधीय और उप- उष्णकटिबंधीय सागरों में पाए जाते है। कीचड़दार सागर तल, नदीमुख क्षेत्रों और महाद्वीपीय ढलानों के किनारों में ये निवास करती है। यह विशाखपट्टणम तटीय सागर में दुर्लभ पायी जाने वाली दुर्लभ प्रजातियों में से एक है।

स्फाईरेना ओबटुसेटा के पेक्टरल फिन के नीचे जुड़ा हुआ नेरोसिला डिप्रेसा

12.1.7 आइसोपॉड परजीवी नेरोसीला डेपरेसा, मिल्ने एडवर्ड्स 1840 (क्रस्टेशिया, आईसोपोडा, सईमोथोईडे) के लिए नए परपोषी स्फायरेना ओब्टुसेटा, कुवियर 1829 का रिकार्ड।

अक्षांश 160-190 उत्तर क्षेत्र में जलयान एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी के अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण के दौरान अक्षांश 170 42' उत और देशांतर 830 32' पूर्व के क्षेत्र में 54 मीटर की गहराई से एक बाराकुडा प्रजाति अर्थात स्फायरेना ओब्टुसेटा की पकड़ दर्ज़ की गई, जिसमे एक आइसोपोड परजीवी पाया गया। इसकी पहचान नेरोसीला

डेपेरसा के रूप में की गई। मछली के पेक्टोरल फिन के नीचे यह परजीवी जुड़ा हुआ था। आंध्र प्रदेश तट से स्फायरेना ओब्टुसेटा आइसोपोड परजीवी, नेरोसीला डिप्रसा के नए परपोषी रिकार्ड हैं। पूर्व के रिकॉर्ड यह दर्शाते हैं कि भारत के दक्षिण पश्चिमी तट में इसी प्रजाति को एंबलीकैफलॉन इंडिकस, पिल्लई 1954 तथा दक्षिण पूर्वी तट में साईमोथोआ इंडिका, सीओएडटे ईट मेनेर्ट 1884 नामक परजीवी ने संक्रमित किया था। तमिलनाडु तट में देखा गया था कि नेरोसीला डेपेरसा आइसोपॉड परजीवी ने क्लूपिडे परिवार की सारडीनेला गिबोसा प्रजाति की एक मछली को संक्रमित किया था।

12.1.8 गोपालपुर तट, ओडिशा से पोर्सेलैन्ड केकड़े, पोर्सेलेनेला पिक्टा, स्टिंपसन 1858 का प्रथम रिकार्ड।

जलयान एम एफ वी मत्स्य शिकारी द्वारा अप्रैल 2018 में अक्षांश 190 17.7' उत्तर और देशांतर 850 07.1' पूर्व में 52 मीटर की गहराई (गोपालपुर तट, ओडिशा) में अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण करते समय पोर्सेलैन्ड केकड़ा, पोर्सेलेनेला पिक्टा, स्टिंपसन 1858 की पकड़ दर्ज की गई। यह पोर्सेलेनीडे परिवार, क्रम- डेकापोडा का एक डेकापोड क्रस्टेसियन था, जो बहुत ही छोटा और आकर्षक था। वर्तमान में पोर्सेलेनीडे परिवार में 30 जेनेरा हैं, हलांकि पोर्सेलेन केकड़े के जीवाश्म बताते हैं कि इनमे पैचीचेलस, पिसिडिया, पोलीओनिक्स, पोर्सेलेनेला की प्रजातियां शामिल हैं और केवल जीवाश्म से इनके 6 जेनेरा की जानकारी मिलती है। आस्ट्रेलिया में केप कैप्रीकॉर्न(सफ़ेद), मरगुई द्वीप, सेलेबेस सागर, फॉकलैंड द्वीप, रामेश्वरम,जंजीबार, हाँग काँग सागर, इनलैंड सागर, बिंगो-नाडा, आई बे, तनाबे बे, टोसा, टोमीओका, आमाकुसा में यह पाया जाता है। पहले भी भारत के कोरोमंडल तट में पॉइंट कलिमरे में इस प्रजाति की उपस्थिती रिपोर्ट की गई थी, (सिवसुब्रमणियन और अन्य 2014) हालांकि वर्तमान अध्ययन यह दर्शाता है कि ओडिशा के गोपालपुर तट से इस प्रजाति की उपस्थिती पहली बार दर्ज़ की गई है।

पोर्सिल्लेनेल्ला पिक्टा स्टिम्पसन, 1858

प्रजाति विवरण

प्रजाति का विस्तारपूर्वक मोर्फ़ोलोजिकल अध्ययन किया गया, जिससे पता चलता है कि यह सफ़ेद रंग का था। कारापेस और चेलिप्ड के अंदरूनी हिस्सों में काले घेरों में बड़े बड़े फीके भूरे रंग के निशान देखे गए। ये सब-लिटोरल क्षेत्रों के कीचड़ में पाये जाते हैं। ये समुद्री पेन टेरोइड्स के सहभोजी के तौर पर जाना जाता है।

12.1.9 दक्षिण महाराष्ट्र तट (अक्षांश 180 उत्तर) से धारीदार ईल कैटफिश, प्लोटोसस लिनेएटस (थनबर्ग 1787) की प्राप्ति

जलयान मत्स्य निरक्षिणी द्वारा नवंबर 2018 माह में, भारत के उत्तर-पश्चिमी तट में अन्वेषणात्मक मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 180 06.6' उत्तर और देशांतर 720 29.0' पूर्व के क्षेत्र में 41 मीटर की गहराई में धारीदार ईल कैटफिश, प्लोटोसस लिनेएटस की पकड़ दर्ज की गई। 45 एम श्रृम्प ट्रॉल से 14.5-20० सेंटीमीटर की लंबाई वाली कुल 66 मछलियाँ पकड़ी गई, जिनका कुल वजन 20 किलोग्राम था।

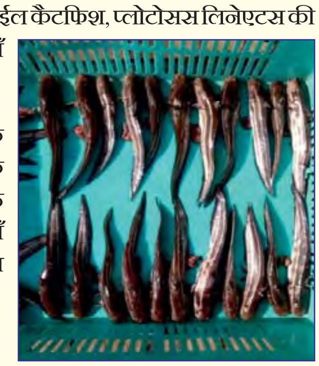

एक डोर्सल स्पाईन, जिनमें 69-115 सॉफ्ट डोर्सल रे एवं 58-82 मृदु एनल रे के आधार पर पी. लिनेएटस की पहचान की गई। कॉडल फिन तक इनके डोर्सल और एनल फिन बड़े होते हैं। माउथ बारबल्स के चार जोड़े और प्रत्येक पेक्टोरल फिन तथा पहले डोर्सल के आरंभ में अत्यधिक जहरीले एक सेरेट स्पाईन मौजूद होते हैं। हिन्द महासागर, पश्चिमी प्रशांत महासागर तथा कभी कभी पूर्वी अफ्रीका और मेडागास्कर के मीठे जल में पी. लिनेएटस पाए जाते हैं। स्वेज़ नहर के माध्यम से एक लेसेपसीयन प्रवासी की तरह मेडिटेरियन सागर में अब यह प्रजातियाँ मिलती है। दक्षिण महाराष्ट्र (अक्षांश 180 उ) क्षेत्र में इन जुवेनाईल की उपस्थिति दर्शाती है कि यह क्षेत्र ईल मछलियों के लिए प्रजनन स्थान हो सकते हैं।

12.1.10 असामान्य रूप से पफरफिश, *लेगोसेफलस इनरमिस* का बड़ा नमूना।

जलयान *एम. एफ. वी. मत्स्य* शिकारी को अक्तूबर 2018 माह में अक्षांश 16°-21° उत्तर के क्षेत्रों में अन्वेषणात्मक मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया। सर्वेक्षण के दौरान अक्षांश 17°46.8' उत्तर/देशांतर 83°28.9' पूर्व में 39 मीटर की गहराई से 34 मीटर श्रिम्प ट्रॉल द्वारा विशाखपट्टणम तटीय सागर में असामान्य तौर पर बड़े पफरफिश, *लेगोसेफलस इनरमिस* (टेमिंक और स्क्लेजेल,1850), कोमल ब्लासओप या स्मूथ-बैक्ड ब्लोफिश का मादा नमूना पकड़ा गया।

पकड़ी गई प्रजाति के कॉडल फिन में परीजीवी *नेरोसिला सिगानी* देखा गया जिसे *लेगोसेफ्लेस इनेरमिस* के कोडल क्षेत्र से पहचाना गया। परीजीवियों की कुल संख्या 7 थी, जिनमे 4 अंडाकार मादा और 3 नर थे। *लेगोसेफलस इनरमिस* के कॉडल फिन में आइसोपॉड परजीवी एन. सिगानी की नई परपोषी को उपस्थिति पहली बार देखी गई।

12.1.11 भारत के दक्षिण-पूर्व, विशाखपट्टणम तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों की बंपर पकड़

दिसंबर 2018 माह के दौरान जलयान *एम. एफ. वी. मत्स्य शिकारी* ने ३४ मी फिश ट्रॉल द्वारा अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण, निर्धारण और तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों के मॉनीटरिंग संचालित किया और अक्षांश 17°45.2' उत्तर/देशांतर 83°30.7' पूर्व (विशाखपट्टणम से दूर) के क्षेत्रों से 57 मीटर गहराई में, एक ही हॉल में कुल 1.2 टन मछली पकड़ दर्ज की। पकड़ी गई मछलियों में गोटफिश(36.2%), क्लूपिड्स (32.8%), इंडियन स्केड्स(25.7%) तथा मैकरेल (5.2%) थी।

12.1.12 टूना लॉंग लाईन में समुद्री कछुओं की आकस्मिक पकड़

अक्षांश 13° उ -18° उ के क्षेत्रों के बीच महासागरीय टूना और समवर्गी संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुरगांव क्षेत्रीय बेस से संबद्ध जलयान एम. *एफ. वी. येल्लोफिन* – एक मल्टीफिलामेंट टूना लॉंग लाईनर (कुल लंबाई 35.76 मीटर) को परिनियोजित किया गया। तदनुसार दिसंबर 2018 माह में सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 16°18.6' उत्तर/ 070°51.4' पूर्व के क्षेत्रों से 1521 मीटर गहराई से क्रमशः 25 किग्रा और 27 किग्रा की 2 ऑलिव रीडले समुद्री कछुओं *(लेपीडोचेलिस ओलिवेसिया)* की पकड़ दर्ज़ की गई। संयोगवश दोनों मादा समुद्री कछुआएँ हूक में आ गई थी और हूक उनके निचले जबड़े के बीच फंसा था और दोनों मृत पायी गई थी। उस दिन चारे के तौर पर स्क्विड और डिकेप्टरिड्स का इस्तेमाल किया गया था। आवश्यक मोर्फ़ोलोजिकल माप लेने के पश्चात उन्हे वापस समुद्र में छोड़ दिया गया।

कछुओं की ये प्रजातियाँ बहुत ही अनुरक्षित हैं (आई.यू.सी.एन., 2008) और इसे पकड़ना हमारा लक्ष्य (टूना और समवर्गी संसाधन) भी नहीं था। पर्यावरण हितैषी और बार्ब्ड सर्कल हूक में लगे चारे को खाने के कारण संयोगवश इनकी पकड़ हुई थी। ये प्रजातियाँ हिन्द महासागर और प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय और गर्म जल क्षेत्रों में जीवित रहती हैं, जिन्हे संरक्षण की आवश्यकता है।

Turtle caught in the longline

Lepidochelysolivacea

Hook position

Eco-friendly barbed circle hook

Algal growth

Turtle released back to the sea

12.1.13 येलो फिन टूना (वाई एफ टी) के पेट में परीजीवी *(हीरुडीनेला वेंट्रिकोसा)*

महासागरीय टूना और समवर्गी संसाधनों के अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा क्षेत्रीय बेस से संबद्ध मल्टीफिलामेंट टूना लाँग लाईनर एम. *एफ. वी. येल्लोफिन* (कुल लंबाई 35.76 मीटर)जलयान को टूना - को दिसंबर 2018 माह के दौरान परिनियोजित किया गया। अक्षांश 13^0 उ -18^0 उ के क्षेत्रों के बीच सर्वेक्षण करते समय अक्षांश $13^0$57.20' उ/ $71^0$51.70' पूर्व के क्षेत्रों से 1662 मीटर गहराई से एक येल्लो फिन टूना (थुन्नस अल्बाकेरस) मछली की पकड़ दर्ज़ की गई, जिसके पेट के अंदरूनी दीवारों से 5 परीजीवी (फ्लूक) देखे गए और इस की पहचान *हीरुडीनेला वेंट्रिकोसा* के रूप में की गई।

वैसे तो विश्व के विभिन्न नेरिटिक टूना में इन छोटी परजीवियों की पहचान की गई है, लेकिन भारत के पश्चिमी तट के मध्य में येलोफिन टूना की वर्तमान उपस्थिति नियमित नहीं है। हीरुडीनेला वेंट्रिकोसा प्रजाति मांसल कीड़े की तरह होती है, जो विभिन्न माप और अनेक आकृति की होती है। भूरे से गुलाबी रंगों में पायी जाने वाली इन परीजीवियों में दो सकर होते हैं, जिसे आसानी से कीड़े के अंदरूनी भाग के अग्र में देखा जा सकता है। वाहू के परीजीवियों में इसकी विशेषता है, अटलांटिक ब्लू मार्लिन, डोल्फिन, लिटल टुन्नी में प्राथमिक परीजीवी और संभवतः अन्य स्कोमब्रिड्स में माध्यमिक परीजीवी के तौर पर इसे देखा गया है।

12.1.14 अंडमान समुद्र से परजीवी आईसोपोड, *नोरिलेका इंडिका* की प्राप्ति

सर्वेक्षण जलयान *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* की फरवरी और मार्च 2019 की समुद्री यात्रा के दौरान अंडमान समुद्र से परपोषी *सेलर क्रूमीनोफथेलामस* के गलफड़े की गुहा से साईमोथिड आईसोपोड, *नोरिलेका इंडिका* के ताज़े नमूने का संग्रहण किया गया। वर्तमान अध्ययन में 376, *एस. क्रूमीनोफथेलामस* के नमूने की जांच और परीक्षण किया गया है। परजीवी संक्रमण से ग्रसित 170 नमूनों को पृथक किया गया (प्रसार =35%)। परजीवी की अधिकतम संख्या 114 नमूनों में प्रति परपोषी एक थी और 18 नमूनों में प्रति परपोषी दो मछलियाँ थी, जिनके दोनों गलफड़े परजीवी से संक्रमित हुए थे। नमूनों की लंबाई 4 सेमी तथा चौड़ाई 2.4 सेमी तक थी। संक्रमित परपोषी मछली का आकार 14.० से 23.० सेमी तक था।

(a) (b) ©

(क) परपोषी *सेलर क्रूमीनोफथेलामस* के गलफड़े की गुहा में लगा एन इंडिका परीजीवी

(ख) और (ग) साईमोथिड परीजीवी *एन इंडिका* का पृष्ठीय और उदर दृश्य

12.1.15 गुजरात तट में टूना तथा समवर्गी संसाधनों के समृद्ध संभाव्य मत्स्यन स्थान का रिकार्ड।

मोनोफिलामेंट टूना लाँग लाईनर जलयान *एम. एफ. वी. मत्स्य वृष्टि* द्वारा फरवरी 2019 माह में अन्वेषणात्मक संसाधन सर्वेक्षण करते समय दिनांक 20.02.2019 को प्रचालित केवल एक सेट से, अक्षांश $21^0$38.20' उ /देशांतर ०$67^0$29.33' पूर्व के क्षेत्र में, 2136 मीटर गहराई से कुल 24 मछलियाँ पकड़ी गई। पकड़ी गई मछलियों में 23 नग येल्लो फिन टूना (थुन्नस अल्बाकेरस) और रे *(टेरोप्लेटिट्राईगोन वीओलेसिया)* थी। इस हॉल के लिए चारे के रूप में *डिकैपटेरस रुसेली* का इस्तेमाल किया गया था। कुल हूकिंग दर 3.81% में से 3.65% हुकिंग दर के साथ येल्लो फिन टूना पकड़ में प्रमुख थी। पकड़ी गई येल्लो फिन टूना मछलियों की कुल लंबाई 135 सेमी–162 सेमी के बीच तथा वजन 34 किग्रा-50 किग्रा के बीच था।

वाई एफ टी के जैविक अध्ययन से पता चलता है कि पकड़ी गई कुल येल्लो फिन टूना मछलियों में 19 मादा और 4 नर थे। मादा मछलियों की लंबाई 135 सेमी–162 सेमी के बीच तथा उनके परिपक्वता का स्तर-II और IV के बीच पाया गया।

12.1.16 भारत के पश्चिमी तट से ढलानों में रहने वाली परिन्स स्पायनीफिन्स, *डिरेटमीचथिस परिणी* (पोस्ट एवं क्यूरो, 1981) की प्राप्ति।

मार्च 2019 माह के दौरान अन्वेषणात्मक संसाधन सर्वेक्षण करते समय जलयान *मत्स्य वर्षीनी* द्वारा फिश ट्रॉल से दुर्लभ गहरे समुद्री परिन्स स्पायनीफिश, *डिरेटमीचथिस परिणी* का एक नमूना पकड़ा गया। अक्षांश $9^0$29.3' उत्तर /देशांतर $75^0$45.9' पूर्व में 230 मीटर की गहराई से नमूने की पकड़ दर्ज़ की गई थी।

स्पायनीफिन मछलियाँ डिरेटमिडे परिवार से संबन्धित है तथा शरीर वृत्ताकार से अंडाकार जैसा होता है। पार्श्व भाग दबा हुआ तथा सभी पंखों में मजबूत कांटे होते हैं। इस परिवार में केवल तीन जेनेरा (*डिरेटमीचथिस*, डिरेटमस और डिरेटमोइड्स), चार प्रजातियाँ (*डिरेटमीचथिस परिणी* पोस्ट और क्वेरो, 1981 ; *डिरेटमस अरजेंटियस* जॉनसन, 1864 ; *डिरेटमोइड्स पौसीरेडीएटस* वुड्स, 1973 और *डी. वर्जीनिया* कोटलेयर,1987) हैं।

मोरफ़ोमेट्रिक मापन

चित्र 1.क. डेरेटमीचथिस परिणी १५८ मिमी कुल लम्बाई ख. डोर्सल फिल बेस पर कांटे ग. टेनॉयड शल्क

मूल विवरण के अनुसार मापन (पोस्ट ए और जे सी क्वेरो,1981-सायबिअम, 5:33-60, एरोण्टे और हेरेडिया- सायबिअम 2006, 30(4): 383-384), जो नीचे दर्शाया गया है।

डोर्सल फिन रे : 27; एनल फिन रे : 20; पेक्टोरल फिन रे : 17 ; वेंट्रल फिन रे : 7 ; कॉडल फिन रे : 24 ; पहले गिल आर्च पर गिल रेकर्स :8+16;

कुल लंबाई : 158 मिमी; मानक लंबाई : 131 मिमी ; सर की लंबाई : 51मिमी (39.9%) ; आँखों का व्यास : 25 (19%); इंटरओर्बिटल चौड़ाई : 9 (6.9%) ; ऊपरी जबड़ा की लंबाई : 30 (22.9%); प्रीडोर्सल लंबाई : 61 (46.6%); पेक्टोरल फिन की लंबाई :39 (29.8%); प्रीएनल लंबाई : 64 (48.9%); डोर्सल फिन बेस की लंबाई : 60 (45.8%); कॉडल पीडंकल की गहराई : 19 (14.5%); शरीर की अधिकतम गहराई :68 (51.9%); शरीर थोड़ा पीछे की ओर चपटा; बड़ी आँख; गहर और परोक्ष मुह ; बिना कांटे के एनल और डोर्सल फिन ; एनल फिन जहां से आरंभ होती है वहाँ तक पेलविक फिन की नोक; डोर्सल फिन के पिछले रे में लंबे काँटों का एक क्रम(चित्र 1. क) ; पेट में वेंट्रल आवरण; शरीर और सर को ढँकते हुए स्केल्स सीटेनोओइड(चित्र 1.ग); धूमिल लेटेरल लाईन; पेलविक और एनल फिन के मध्य मलद्वार।

वर्तमान रिकॉर्ड इस बात की पुष्टि करते हैं कि ये प्रजातियाँ, उपरोक्त आकार में भारत के पश्चिमी तट में फैले हुए हैं।

12.1.17 भारत के पश्चिमी तट में बास्केट स्टार *एस्टरोबोआ क्लावटा* (लईमेन, 1861) के वितरण के बारे में नया रिकार्ड।

चित्र.1. क. एस्ट्रोबोआ क्लावटा का पृष्ठभूमि दृश्य ख – मौखिक दृश्य, ग- दाँते, घ- एबोरल भुजाएं

जलयान मत्स्य वर्षीनी के मार्च 2019 के दौरान ट्रॉल द्वारा, अक्षांश 9°29.3' उत्तर /देशांतर 75°45.9' पूर्व में 230 मीटर की गहराई से *एस्टरोबोआ क्लावटा* के एक नमूने की पकड़ दर्ज़ की गई। भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट के गहरे सागर में नमूने की पकड़ दर्ज हुई। यद्यपि मन्नार की खड़ी के उथले जल में भी इसकी पकड़ दर्ज़ हुई थी, लेकिन गहरे सागर(230 मीटर की गहराई) में इसकी पकड़ शायद पहली बार रिपोर्ट की है।

अच्छे से चिन्हित केंद्रीय डिस्क सहित बास्केट स्टार की पाँच भुजाएँ होती है। भुजाएँ सिर्फ अधोलंब कुंडल बनाते हैं। भुजाओं में शाखाएँ होती है। सामान्यतः यह पत्थरों के नीचे, कोरल रीफ़ की दरारों और छिद्रों में रहती हैं। गोर्गोनोसीफेलिड बास्केट स्टार देखने में आकर्षक होते हैं। इनकी खोज 100 साल पहले हुई थी। गहरे समुद्र में कभी-कभी ये ड्रेज या मछली जाल में फँसते हैं।

अवलोकन :- शाखाओं में विभक्त भुजाएँ (चित्र 1.क), कुंडलित, पाँच खंडों में डिस्क, एबोरल भुजा के मध्य और बाह्य भाग के बीच में मौजूद हूक। काँटेदार दांत (चित्र 1.ख)। उन्नत अर्धव्यास शील्ड की उपस्थिती तथा शरीर में छोटे-छोटे काँटेदार ग्रेन्यूल इस प्रजाति की विशेषता है(चित्र 1. ग)। मोटे किनारों और चिन्हित गड्ढों द्वारा इनकी भुजाएँ अलग की जाती है (चित्र 1.घ)। प्रत्येक भुजाओं पर हूक के साथ कमरबंद बैंड टर्मिनलों में होते हैं (चित्र 1.च)।

जंजीबार, फारस की खाड़ी, बंगाल की खाड़ी, मॉरीशस और उत्तर-पश्चिमी आस्ट्रेलिया में भी ए. क्लावटा की उपस्थिती रिपोर्ट की गई थी। (रॉ एवं गेट, १९९७)

12.1.18 भारत के दक्षिण पश्चिमी तट से दुर्लभ एंथीआईन मछली की प्राप्ति पर एक नोट।

जलयान *मत्स्य वर्षीनी* द्वारा ट्रोल सर्वेक्षण के दौरान अक्षांश 8°46.3' उत्तर/देशांतर 76°03' पूर्व तथा अक्षांश 8°48' उत्तर/देशांतर 76°02' पूर्व के बीच में 152-165 मीटर की गहराई से *ओ. रोडोएप्लस* के कुल 8 नमूनों की पकड़ दर्ज़ की गई।

मोरफॉमेट्रिक माप मिलीमीटर में हैं :

कुल लंबाई : 164-251; मानक लंबाई : 127-223; सिर की लंबाई: 53-78, आँखों का व्यास : 15-18; इंटरओर्बिटल चौड़ाई : 14-24 (लिंग डिमोर्फिज़्म के कारण रेंज में विविधता हो सकता है-चित्र 1.घ); प्रीडोर्सल लंबाई : 37-116; पेक्टोरल फिन की लंबाई : 37-41 %); प्रीएनल लंबाई : 74-114; डोर्सल फिन बेस की लंबाई : 77-116; कॉडल पिडअंकल की गहराई : 15-28; शरीर की अधिकतम गहराई : 49-76; तीसरे डोर्सल फिन स्पाईन फ़िलामेंट की ऊंचाई : 18-70; डोर्सल फिन सॉफ्ट रे फ़िलामेंट की ऊंचाई पहला = 23-33, दूसरा= 55-101, तीसरा = 49-97, चौथा = 34-72, पाँचवाँ = 21-54 ; सबसे छोटे नमूने में तीसरे डोर्सल फिन स्पाईन में छोटे फ़िलामेंट है(चित्र 1.ग)। मोर्फोलोजी पर लिंग डिमोर्फिज़्म का भी अवलोकन किया गया था, विशेषकर प्रीडोर्सल क्षेत्र और शरीर की गहराई में (चित्र 1.ग)। लंबाई-वजन का संबंध y=0.0127x3.0252, r=0.9981 था।

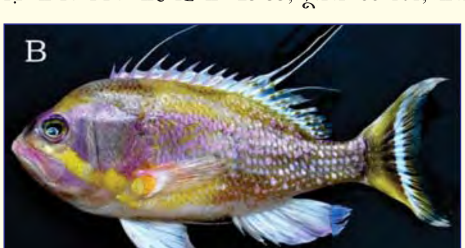

इस जीनस के सदस्य सामान्यतः 100-200 मीटर की गहराई में गहरे समुद्रीय भित्तियों में पाए जाते हैं। जिन क्षेत्रों में ट्रॉल नहीं किया जा सकता है, उसमें ये ट्रॉल की पकड़ में शायद ही आते हैं। हालांकि, 1999, 2000 और 2006 में इसी क्षेत्र से इन प्रजातियों पर अनेक रिकार्ड हैं (*प्रिस्टीजेनिस निफोनिया* और प्रीयाकैथस सेगीटेरीअस) के साथ (रामचंद्रन एट अल 2009) सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर यह स्पष्ट है कि भारत के दक्षिण पश्चिम तट में 200 मीटर की गहराई के अंदर यह पाई जाती है।

12.1.19 कार निकोबार सागर से हेप्ट्रनचिया स्पर्लो (बोनटैरे,1788) शार्पनोज सेवेनगिल शार्क की पहला रिकार्ड।

मार्च 2019 माह के दौरान जब जलयान *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* को तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए अंडमान में तैनात किया गया था, उसी दौरान दिनांक 16.03.2019 को शार्पनोज सेवेनगिल शार्क हेप्ट्रनचिया स्पर्लो (बोनटैरे,1788) की पकड़ दर्ज़ की गई थी। अक्षांश 9010.4' उत्तर और देशांतर 92040.0' पूर्व(पश्चिम कार निकोबार) के क्षेत्रों में जाल(45.6 मी एक्सपो मॉडल बॉटम ट्रॉल) द्वारा जलयान का प्रचालन किया था।

प्रजाति का विवरण

कुल लंबाई – 2 सेमी, सात गलफड़ों और बड़ी आँखों वाली शार्क, सिर संकीर्ण। शरीर छरहरा और पतला छोटा है। डोर्सल फिन छोटा और पेलविक फिन के अंदरूनी हिस्से से उत्पन्न। एनल फिन छोटा है। कंघी के समान चौड़े दांत। प्रजाति में डोर्सल स्पाईन, सॉफ्टरे और एनल स्पाईन और एनल सॉफ्टरे मौजूद नहीं थे।

रंग: ऊपर भूरा, ग्रे और नीचे के हिस्से फीके रंग के थे।

12.2 अंतर-संस्थागत परियोजनाएँ

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समुद्री मात्स्यिकी से संबंधित निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भाग लिया।

'तमिल नाडु के तटीय और अपतटीय सागर में संभावित मत्स्यन क्षेत्र की पहचान, पूर्वानुमान तथा निगरानी' (समुद्रा टी.डी.पी. आर. एंड डी.)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), अहमदाबाद के साथ **"तमिल नाडु के तटीय और अपतटीय सागर में संभावित मत्स्यन क्षेत्र की पहचान, पूर्वानुमान तथा निगरानी" (समुद्रा टी.डी.पी. आर. एंड डी.)** के अंतर-संस्थागत परियोजना को आरंभ किया। सैक द्वारा वित्त पोषित चालू सहयोगी परियोजना अक्टूबर 2017 में शुरू हुई।

उद्देश्य

1. मछली पकड़ने के साथ साथ जल की गुणवत्ता संबंधी मापदण्डों को इकट्ठा करना तथा उन क्षेत्रों में मात्स्यिकी को प्रभावित करने में इन मापदण्डों की संभावित भूमिका का परीक्षण करना।
2. भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के जलयानों के लिए निर्धारित क्रूज ट्रैक और तमिलनाडू तट/ अपतट सागर (चेन्नई, पुदुच्चेरी, कुडालोर, परंगीपेट्टई, कारैक्कल, नागपट्टनम तट इत्यादि के समीप) के लिए पूर्वानुमानित ट्रैक में प्रत्येक माह के दौरान 2 सप्ताह के अंतराल में सैंपलिंग और आंकड़ों का संग्रहण होगा।
3. पादपप्लवक और प्राणिप्लवक संबंधी आंकड़ों को संग्रहित करना।
4. रंग तथा पोषकतत्व के साथ-साथ जल की गुणवत्ता संबंधी आंकड़े संग्रहीत करना।
5. पी.एफ.जेड पूर्वानुमान और विधिमान्यकरण के तहत मत्स्यन जलयानों का उपयोग करके जियो-टैग्ड मछली को पकड़ना तथा संबन्धित आंकड़ों को संग्रहित करना।
6. *इन सीटू* मापदण्डों के साथ उपग्रह और मॉडल आउटपुट का विधिमान्यकरण।
7. फिश ट्रैक एलगोरिथम आधारित उत्पादन के विधिमान्यकरण और विकास में सहायता करना।

अध्ययन क्षेत्र	:	तमिल नाडु के अपतट और तटीय सागर
परियोजना की अवधि	:	2017-2019
प्रमुख अन्वेषक	:	डॉ एल. रामलिंगम, महानिदेशक(प्रभारी), भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
सह-प्रमुख अन्वेषक	:	डॉ अंशुमान दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई(मुख्यालय) श्री जे. सी. दास, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस

परिणाम

2018-19 के दौरान समुद्रा टी.डी.पी. परियोजना में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का योगदान:

1. **2018-19 के दौरान आर.ए और जे.आर.एफ. का निष्पादन**
   वर्ष 2018-19 में, बंगाल की खड़ी के तटीय एवं अपतटीय सागर और तमिल नाडु तट में विशेषकर, जियो-टैग्ड मछली पकड़ आंकड़ों के संग्रहण के लिए जलयान एम. एफ. *वी. सामुद्रिका* और एम. एफ. वी. *मत्स्य दृष्टि* पर, अनुसंधान सहयोगी ने 3 तथा अनुसंधान अध्येता ने 4 समुद्री यात्रा की। समुद्री परियोजना के अनुरूप संग्रहित किए गए आंकड़ों को आँका गया।
2. **एस.ए. सी. को जियो-टैग्ड मछली पकड़ के आंकड़े की प्रस्तुति**
   - वर्ष 2016-18 के दौरान जलयान *एम एफ वी समुद्रिका* - 1070 स्टेशन तथा *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* के संबंध में – 294 स्टेशनों से संग्रहित मछली पकड़ के आंकड़े।
   - समुद्रा के एम. ओ. यू. के अनुसार वांछित फॉर्मेट में संग्रहित आंकड़ों को संसाधित कर एस.ए.सी. को प्रस्तुत।
3. **अनुसंधान पाण्डुलिपि**
   "उपग्रह द्वारा लिए गए फोटोग्राफ के उपयोग से चेन्नई तट के मात्स्यिकी एकत्रीकरण क्षेत्र में समुद्र सतह के तापमान और क्लोरोफिल-ए के घनत्व के बीच पारस्परिक संबंध का पता लगाना" *शीर्षक के एक अनुसंधान पाण्डुलिपि का कार्य प्रगति पर है।*
4. **प्रजातियों की सूची**
   समुद्री यात्रा के दौरान अनुसंधान सहयोगी और अनुसंधान अध्येता द्वारा प्रजातियों की सूची संबंधी अध्ययन किया गया और 64 जेनेरा की 79 प्रजातियां तथा 53 परिवार की पहचान किए गए और तमिलनाडु सागर में पाया जाता है।

12.3 पी.एच.डी. उपाधि

श्री एम. के. फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी), भा.मा.स. (मुख्यालय), मुंबई को "भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे द्वारा भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में तटीय एवं महासागरीय पर्यावरण की चुनिंदा मछलियों में विषाक्त भारी धातुओं" शीर्षक पर अपने शोध प्रबंध के लिए सितंबर, 2018 के दौरान पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी केंद्र में/ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रोफ़ेसर ए.के. दीक्षित, आई आई टी, मुंबई के देख-रेख में काम किया।

सुश्री राजश्री बी. सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा.स. (मुख्यालय), मुंबई को "आटोलिथस कुवियेरी ट्रेवावस 1974 के जीव विज्ञान पर अध्ययन के साथ भारत के उत्तर पश्चिम तट से दूर क्रोकर्स, सायनिडे परिवार की प्रचुरता, विविधता, वितरण" शीर्षक पर उनके शोध प्रबंध के लिए मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा सितंबर, 2018 को प्राणी विज्ञान में पी.एच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने डॉ. ए.के. भार्गव, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, भा.मा.स. का मुंबई बेस, मुंबई के मार्गदर्शन में काम किया।

13. प्रशासन एवं वित्त

13.1 स्वीकृत पद

श्रेणीवार स्वीकृत पदों की संख्या नीचे दर्शाया गया है :

वर्ग	श्रेणी	पदों की संख्या		
		भरे गए	रिक्त	कुल
ए	वैज्ञानिक	13	11	24
	तकनीकी	9	1	10
	प्रशासनिक	1	-	1
बी	वैज्ञानिक	26	8	34
	तकनीकी	27	14	41
	प्रशासनिक	18	32	50
	फ्लोटिंग स्टाफ	30	64	94
सी	वैज्ञानिक	-	1	1
	तकनीकी	80	83	163
	प्रशासनिक	82	48	130
	फ्लोटिंग स्टाफ	48	136	732
	कुल	**334**	**398**	**732**

13.2 विभिन्न स्थानों में अधिकारी

दिनांक 31 मार्च 2019 तक संस्थान के अधिकारियों के नाम तथा पदनाम निम्नलिखित हैं :

	मुख्यालय	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	डॉ एल. रामलिंगम	उप-महानिदेशक (मा.) / महानिदेशक(प्रभारी)
2.	डॉ एम के फ़रेजिया	उप-महानिदेशक (अभियांत्रिकी)
3.	श्री एन वी रमण मूर्ति	तंत्र विश्लेषक
4.	डॉ विनोदकुमार मुड्माला	वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
5.	श्री पी चलपति राव	सांख्यकीविद्
6.	डॉ अंशुमन दास	मात्स्यिकी वैज्ञानिक
7.	श्रीमती एम. के. श्रीमती	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
8.	श्री चित्तजल्लु भास्कर	प्रोग्रामर
9.	श्री बापू एम राऊत	प्रोग्रामर
10.	श्री आशीष कुमार	प्रोग्रामर
11.	श्री प्रदीप कुमार शुक्ला	सहायक लेखा अधिकारी

	मुंबई बेस	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	श्री बी बालानायक	सेवा अभियंता (यांत्रिक)
2.	डॉ एस के द्विवेदी	मात्स्यिकी वैज्ञानिक
3.	श्री ए एस क़दम	मात्स्यिकी वैज्ञानिक
4.	श्री जेकब थॉमस	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

	मुरगांव बेस	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	श्री एस के जयसवाल	यांत्रिक समुद्री अभियंता
2.	श्री प्रदीप एच डी	मात्स्यिकी वैज्ञानिक

	कोचीन बेस	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	श्री डी के गुलाटी	क्षेत्रीय निदेशक
2.	डॉ एस रामचंद्रन	वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
3.	श्री पी तमिलरसन	मात्स्यिकी वैज्ञानिक
4.	श्री बी सतीश कुमार	सहायक अभियंता (कर्मशाला)
5.	श्री एन. उन्नीकृष्णन	क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक
6.	श्री मनोज कुमार ओ टी	सेवा अभियंता (यांत्रिक)

	चेन्नई बेस	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	श्री ए टिबूरशियस	वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
2.	श्री डी भामी रेड्डी	यांत्रिक समुद्री अभियंता
3.	डॉ जय चन्द्र दास	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
4.	डॉ ए जॉन चेंबियन	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
5.	डॉ मानस कुमार सिन्हा	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

	विशाखपट्णम बेस	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	श्री के गोविंदराज	वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
2.	श्री सी धनंजय राव	यांत्रिक समुद्री अभियंता
3.	डॉ आनंद भूषण कर	मात्स्यिकी वैज्ञानिक
4.	श्री एन जगन्नाथ	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
5.	श्री जी वी ए प्रसाद	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक

	पोर्ट ब्लेयर बेस	
क्र सं	नाम	पदनाम
1.	डॉ सिजो पी वर्गीस	वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक
2.	श्री धर्मवीर सिंह	यांत्रिक समुद्री अभियंता

13.3 बजट और लेखा

वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान के आबंटित बजट अनुदान और व्यय का विवरण

(लाख रुपए में)

विवरण	बजट अनुदान	वास्तविक खर्च
योजना		
पूंजी	5456.07	5416.99
उप-योग	**5456.07**	**5416.99**
पूंजी	230.50	209.74
उप-योग	230.50	209.74
कुल योग	**5686.57**	**5626.73**
गैर योजना राजस्व	5066.76	4866.97

13.4 नियुक्तियाँ

वर्ष के दौरान हुई नियुक्तियों का विवरण

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	दिनांक
श्री बलाई चौधरी	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	पोर्ट ब्लेयर बेस	14.05.2018
श्री दिनेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	पोर्ट ब्लेयर बेस	14.05.2018
श्री प्रदीप राघव	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	कोचीन बेस	21.05.2018
श्री संदीप कुमार कुशवाहा	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	कोचीन बेस	25.05.2018
श्री नरेंद्र सिंह यादव	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	विशाखापट्टणम बेस	16.05.2018
श्री भरत कुमार	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	मुरगांव बेस	02.06.2018
श्री अमर बहादुर	अवर श्रेणी लिपिक/हिन्दी टंकक	मुंबई बेस	31.05.2018
सुश्री शेरिल थॉमस	कनिष्ठ लाईब्रेरियन	मुंबई मुख्यालय	25.06.2018
श्री जसविन जॉन	बहु कार्मिक कर्मचारी	कोचीन बेस	14.09.2018
श्री प्रवीण कुमार	बहु कार्मिक कर्मचारी	मुंबई मुख्यालय	01.11.2018
श्री अंकित कुमार	बहु कार्मिक कर्मचारी	मुंबई मुख्यालय	31.01.2019

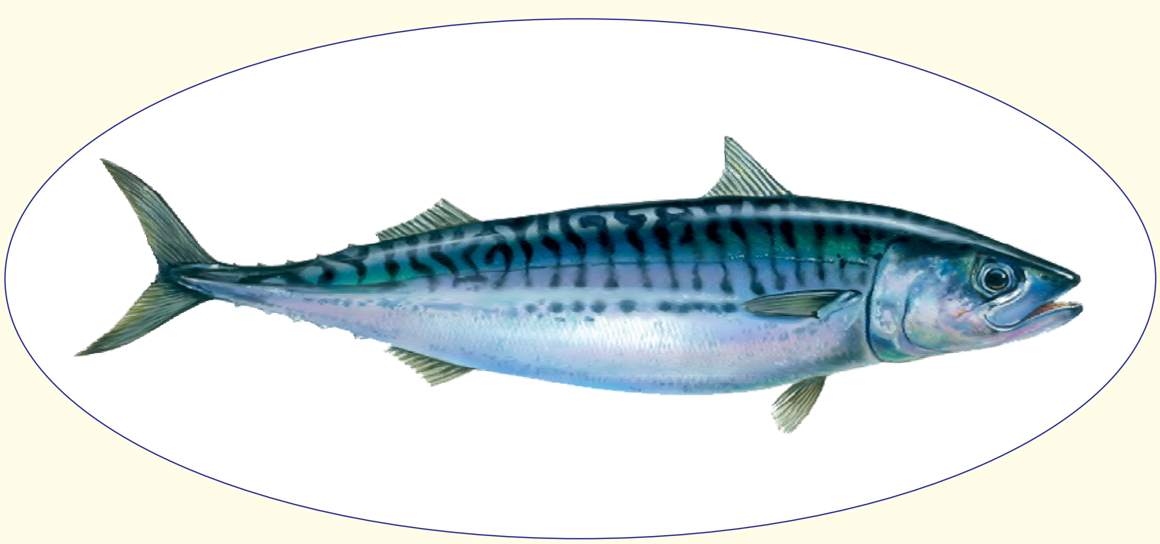

13.5 स्थानांतरण

वर्ष के दौरान प्रभावी स्थानांतरण

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	
		से	में
श्री पी के शुक्ला	सहायक लेखा अधिकारी	मुंबई बेस	मुंबई मुख्यालय
डॉ देवानंद ई ऊईके	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	मुंबई बेस	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री स्वप्निल शिर्के	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	पोर्ट ब्लेयर बेस	मुंबई बेस
सुश्री रोशन एम पीटर	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	मुंबई बेस	चेन्नई बेस
डॉ हर्षवर्धन डी जोशी	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	चेन्नई बेस	मुंबई बेस
श्री शाहनवाज़	कनिष्ठ अनुवादक	पोर्ट ब्लेयर बेस	विशाखापट्टणम बेस
श्री एस कामराज	वेल्डर	चेन्नई बेस	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री गणेश हलदार	बढ़ई	पोर्ट ब्लेयर बेस	विशाखापट्टणम बेस
श्री लतीश पी वी	प्रवर श्रेणी लिपिक	पोर्ट ब्लेयर बेस	कोचीन बेस
श्री ए मोहन	वेल्डर	कोचीन बेस	चेन्नई बेस
श्री जे राज	वरिष्ठ नाविक	पोर्ट ब्लेयर बेस	चेन्नई बेस
श्री एन वरधन	आशुलिपिक ग्रेड-1	पोर्ट ब्लेयर बेस	मुंबई मुख्यालय
श्री पी कुंचा राव	बढ़ई	विशाखपट्टणम बेस	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री शुभ्रजित दास	आशुलिपिक ग्रेड-2	मुंबई मुख्यालय	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री एस पाशा	यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ)	विशाखपट्टणम बेस	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री जी एस वी शर्मा	यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ)	पोर्ट ब्लेयर बेस	विशाखापट्टणम बेस
श्री चन्द्र सेन	बोसन(प्रमाणित)	पोर्ट ब्लेयर बेस	विशाखापट्टणम बेस
श्री विक्रमादित्य प्रसाद सिंह	वरिष्ठ नाविक	चेन्नई बेस	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री ए पी उदयप्पन	स्किपर	विशाखापट्टणम बेस	पोर्ट ब्लेयर बेस
श्री बी भूपति	बोसन(प्रमाणित)	पोर्ट ब्लेयर बेस	चेन्नई बेस
श्री के एस जोसफ पॉल	स्किपर	चेन्नई बेस	कोच्चिन बेस

13.6 पदोन्नतियाँ

वर्ष के दौरान प्रभावी पदोन्नतियाँ

नाम	पदनाम		बेस/मुख्यालय	दिनांक
	से	में		
श्री पी के शुक्ला	वरिष्ठ लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	मुंबई मुख्यालय	10.10.2018
डॉ महेश कुमार फ़रेजिया	निदेशक (अभियांत्रिकी)	उप-महानिदेशक (अभियांत्रिकी)	मुंबई मुख्यालय	17.10.2018

13.7 आश्वासन वृत्ति प्रोन्नति योजना (एम.ए.सी.पी.) की मंजूरी

वर्ष के दौरान 3 फ्लोटिंग स्टाफ के साथ कुल 8 प्रशासनिक एवं तकनीकी कर्मचारियों को एम.ए.सी.पी प्रदान किया गया।

13.8 सेवानिवृत्तियाँ

वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों का विवरण

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	अधिवर्षिता/स्वैच्छिक	दिनांक
श्री के एम अब्दुल नज़ीर	कार्यालय अधीक्षक	कोचीन बेस	अधिवर्षिता	28/02/2019
श्री ए सी दास	वरिष्ठ नाविक	पोर्टब्लेयर बेस	अधिवर्षिता	28/02/2019
श्री राधाकृष्णन	वरिष्ठ नाविक सह बावर्ची	मुंबई बेस	अधिवर्षिता	31/03/2019
श्रीमती हेलेन पॉल	आशुलिपिक ग्रेड -1	मुंबई (मुख्यालय)	अधिवर्षिता	31/03/2019
श्री टी गजानन	वरिष्ठ नाविक	कोचीन बेस	अधिवर्षिता	30/04/2018
श्री एम वी अजित कुमार	मुख्य अभियंता	चेन्नई बेस	अधिवर्षिता	30/04/2019
श्री पी के पती	वरिष्ठ नाविक सह बावर्ची	विशाखापट्टणम बेस	अधिवर्षिता	30/04/2018
श्री पी विश्वनाथन	स्लिपवे वर्कर	कोचीन बेस	अधिवर्षिता	31/05/2018
श्री ए वी के जोगी राजू	कार्यालय अधीक्षक	मुंबई (मुख्यालय)	अधिवर्षिता	31/05/2018
श्री एस जी पटवारी	कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मुंबई (मुख्यालय)	अधिवर्षिता	30/06/2018
श्री के प्रतापन	मुख्य अभियंता ग्रेड -2	चेन्नई बेस	स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति	01/08/2018
श्री पी के किट्टियाह	बहु कार्मिक कर्मचारी	विशाखापट्टणम बेस	अधिवर्षिता	31/08/2018
श्री के एन स्वामी	प्रवर श्रेणी लिपिक	चेन्नई बेस	अधिवर्षिता	30/09/2018
श्री अशोक कुमार खिता	यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरि)	मुंबई बेस	अधिवर्षिता	31/12/2018
श्री जॉय मुथेडन	मुख्य अभियंता ग्रेड-1	मुम्बई बेस	अधिवर्षिता	31/12/2018

13.9 प्रतिनियुक्ति

सिफनेट, चेन्नई में प्रतिनियुक्ति के आधार पर वरिष्ठ अनुदेशक (मत्स्यन प्रौद्योगिकी) के पद में उनके चयन पर दिनांक 19.03.2019 के अपराह्न से, श्री सी बाबु, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक को चेन्नई बेस से कार्यमुक्त किया गया।

13.10 त्यागपत्र

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	त्यागपत्र	दिनांक
श्रीमती श्रीप्रिया आर	बहु कार्मिक कर्मचारी	कोचीन बेस	तकनीकी त्यागपत्र	09/03/2018
श्री के राघवन	बोसन(प्र)	मुंबई बेस	तकनीकी त्यागपत्र	10/08/2018
श्री सुजीत पी एस	बोसन(प्र)	मुरगांव बेस	तकनीकी त्यागपत्र	10/08/2018
श्री रोहिदास वाई सुरंजे	बोसन(प्र)	मुरगांव बेस	तकनीकी त्यागपत्र	10/08/2018
श्री प्रेम कुमार मिश्रा	बहु कार्मिक कर्मचारी	विशाखापट्टणम बेस	तकनीकी त्यागपत्र	13//04/2018
श्री रंजीत आर	वरिष्ठ नाविक	मार्मुगोवा बेस	तकनीकी त्यागपत्र	11/05/2018
श्री पी आर राकेश	वरिष्ठ नाविक	विशाखापट्टणम बेस	तकनीकी त्यागपत्र	22/09/2018
श्री जेसविन जॉन	बहु कार्मिक कर्मचारी	कोचीन बेस	बर्खास्त	25/09/2018

13.11 निधन

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	दिनांक
श्री सी कमल प्रसाद धिमरे	बहु कार्मिक कर्मचारी	कोचीन	17.11.2018

14. बेस और मुख्यालय की महत्वपूर्ण घटनाएँ

14.1 बैठकें

वार्षिक रोसा बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय मुंबई के सभागार में 6-7 अप्रैल 2018 के दौरान, वर्ष 2017-18 का परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा बैठक (रोसा) का आयोजन किया गया। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों अर्थात् – श्री के. बी. सुरवड़े, निदेशक(मात्स्यिकी), बैठक के अध्यक्ष डॉ पी. पॉल पांडियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त और श्री योगिंदर कुमार, अवर सचिव, पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग, (डी ए एच डी एवं एफ) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा भा.मा.स की गतिविधियों की समीक्षा की गई। निदेशक(मात्स्यिकी), पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग द्वारा सभा की अध्यक्षता की गई। डॉ एल रामलिंगम, उपमहानिदेशक (मात्स्यिकी) महानिदेशक(प्रभारी),श्री एम के फ़रेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी), सभी बेस कार्यालय के प्रभारियों के साथ-साथ वैज्ञानिक/अभियंता और मुख्यालय के वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के क्षेत्रीय कार्यालय, कोचीन के सभागार में 25-26 मार्च 2019 के दौरान, वर्ष 2018-19 का ***परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा बैठक (रोसा)*** का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ एल. रामलिंगम, उप-महानिदेशक(मात्स्यिकी)/महानिदेशक(प्रभारी) द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉ एम के फ़रेजिया, उप-महानिदेशक(अभियांत्रिकी), सभी बेस कार्यालय के प्रभारियों के साथ-साथ वैज्ञानिक/अभियंता और मुख्यालय के वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। अध्यक्ष महोदय ने अपने प्रारम्भिक सम्बोधन में, मत्स्यपालन हेतु अलग विभाग की स्थापना के सम्बंध में सूचना दी। उन्होने सभी बेस कार्यालय के प्रभारियों से आह्वान किया कि वे निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें। बैठक में बेस कार्यालयों में हो रहे वैज्ञानिक गतिविधियों और सर्वेक्षण जलयानों के गुणात्मक तथा परिमाणात्मक निष्पादन की समीक्षा की गई। बैठक में मात्स्यिकी सर्वेक्षण कार्यक्रम 2019-20 का मसौदा को अंतिम रूप दिया गया और साथ ही यह निर्णय लिया गया कि वैज्ञानिक अभिविन्यास और कार्यनीतिक प्रबंधन के साथ प्रभावशाली तरीके से इसका कार्यान्वयन हो।

परामर्शदात्री समिति की बैठक :

मुंबई मुख्यालय

भा.म.स, मुख्यालय, मुंबई की 19वीं परामर्श समिति की बैठक डॉ एल. रामलिंगम, उप-महानिदेशक(मात्स्यिकी)/महानिदेशक(प्रभारी) की अध्यक्षता में दिनांक 26.04.2018 को, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुंबई (मुख्यालय) के सभागार में का आयोजित की गई। समिति के सभी सदस्य अर्थात् सी.एम.एफ.आर.आई, सी.आई.एफ.ई, एन.आई.ओ, सी.एम.एल.आर.ई, महानिदेशक जहाजरानी, एम.पी.ई.डी.ए, मुंबई विश्वविद्यालय, मछुआरा संघ और मुख्यालय/बेस कार्यालय के अन्य प्रतिभागियों का डॉ अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने स्वागत किया। संस्थान की गतिविधियों तथा परामर्शदात्री समिति के गठन का उद्देश्य के बारे में, अध्यक्ष महोदय ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभा को प्रस्तुत किया। बैठक में मात्स्यिकी सर्वेक्षण कार्यक्रम 2018-19 को अंतिम रूप दिया तथा उस पर चर्चा करने पश्चात सभी सदस्यों को यह सलाह दी गई कि वे वैज्ञानिक अभिविन्यास और कार्यनीतिक प्रबंधन के साथ प्रभावशाली तरीके से कार्यक्रम का कार्यान्वयन करें।

मुंबई बेस

श्री अरुण विढाले, आई. ए. एस. , मात्स्यिकी आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 08.03.2019 को, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुंबई सभागार में भा.म.स, मुंबई बेस की 16वीं परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। सभापति महोदय तथा परामर्शदात्री समूह के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए डॉ एल. रामलिंगम, उप-महानिदेशक(मात्स्यिकी) /महानिदेशक(प्रभारी) ने वर्ष 2019-20 के लिए सर्वेक्षण कार्यक्रम तैयार करने के मद्देनजर परामर्शदात्री समूह की बैठक के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया। मुंबई बेस के परामर्शदात्री समूह के अध्यक्ष द्वारा, प्रस्तावित सर्वेक्षण कार्यक्रम 2019-20 का अनुमोदन किया गया।

चेन्नई बेस

डॉ रीना, मात्स्यिकी संयुक्त निदेशक, तमिल नाडु सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 19.03.2019 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस द्वारा 25वीं परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम एम डी के सर्वेक्षक, सी.एम.एफ.आर.आई के वैज्ञानिक प्रभारी, चेन्नई और काँचीपुरम जिले के मछुआरा संघ के प्रतिनिधि और श्री वेणुगोपाल, पूर्व एम.एल.ए. सभा में उपस्थित थे।

बैठक में वर्ष 2018-19 के दौरान सर्वेक्षण जलयानों के निष्पादन की समीक्षा की तथा वर्ष 2019-20 के लिए प्रस्तावित मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण और अनुसंधान कार्यक्रम का अनुमोदन किया।

14.2 विभिन्न कार्यक्रमों में महानिदेशक एवं वैज्ञानिकों की भागीदारी

महानिदेशक(प्रभारी) ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया :

क्र.सं	कार्यक्रम	स्थान/दिनांक
1.	आई.ओ.टी.सी. संकल्प की निगरानी और कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु गठित 'कार्य दल' की 11वीं बैठक 3 अप्रैल 2018	कृषि भवन, नई दिल्ली,
2.	समुद्री पर्यावरण में प्रदूषण के प्रभावों का अध्ययन तथा उसे कम करने की रणनीति हेतु सुझाव देने के उद्देश्य से पृथ्वी दिवस के अवसर पर 'समुद्री पर्यावरण पर मानव क्रियाकलापों का प्रभाव एवं संभावित समाधान' विषय पर विशेषज्ञ समूह द्वारा आयोजित बैठक	यू.एस कोन्सुलेट, मुंबई 21 अप्रैल 2018
3.	बी.ओ.बी.पी. – आई.जी.ओ. द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'एन.पी.ओ.ए.–आई.यू.यू. पर राष्ट्रीय कार्यशाला'	चेन्नई, तमिल नाडु 23-24 अप्रैल 2018
4.	तटीय राज्य/संघ क्षेत्र के मत्स्यपालन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन	कृषि भवन, नई दिल्ली 17 मई 2018
5.	हिन्द महासागर टूना आयोग(आई.ओ.टी.सी.) के 22वें सत्र	बैंकॉक,थाईलैंड 21-25 मई 2018
6.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभावित मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण हेतु उप-समूह की बैठक	सी.एम.एफ.आर.आई, कोच्चि, 31 मई 2018
7.	भारत और बांग्लादेश के मध्य मात्स्यिकी क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग पर संयुक्त कार्य दल (जे डब्लू जी) की चौथी बैठक	नई दिल्ली, 4-5 जून 2018
8.	मत्स्यपालन सब्सिडी पर टास्क फोर्स की छठी बैठक कृषि भवन,	नई दिल्ली 5 जून 2018
9.	'गहरे समुद्री मात्स्यिकी को बाह्य दोहन से सुरक्षा' विषय पर चर्चा के लिए कृषि पर स्थायी समिति की बैठक	संसद भवन, नई दिल्ली 8 जून 2018
10.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण पर मसौदा रिपोर्ट	चेन्नई 30 जून 2018
11.	समुद्रा प्रयोक्ता बैठक (भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण और एस. ए. सी के बीच सहयोगी परियोजना)	अन्तरिक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद, गुजरात 10 जुलाई 2018
12.	तमिल नाडु के थूथूर क्षेत्र के मछुआरों हेतु आई.यू.यू. मत्स्यन के सम्बंध में संवेदीकरण कार्यशाला के प्रस्ताव से संबन्धित विषयों पर मात्स्यिकी आयुक्त और मात्स्यिकी संयुक्त निदेशक (समुद्री), तमिल नाडु सरकार, चेन्नई के साथ चर्चा	चेन्नई 16 जुलाई 2018
13.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभावित मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक	बी.ओ.बी.पी., चेन्नई 17 जुलाई 2018
14.	केंद्रीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति की पहली बैठक (सी ए एम सी)कृषि भवन,	नई दिल्ली 18 जुलाई 2018
15.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभावित मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति की चौथी बैठक	बी.ओ.बी.पी., चेन्नई 30-31 जुलाई 2018
16.	केंद्रीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति (सी ए एम सी) की दूसरी बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 3 अगस्त 2018
17.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभावित मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण हेतु भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण / सी.एम.एफ.आर.आई के उपसमूहों द्वारा तैयार रिपोर्ट पर चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए डॉ के विजयकुमारन, पूर्व महानिदेशक/ पुनर्वैधीकरण रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने हेतु सहयोजित सदस्य के साथ बैठक भारतीय मात्स्यिकी	सर्वेक्षण का चेन्नई बेस 9-11 अगस्त 2018
18.	केंद्रीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति (सी ए एम सी) की तीसरी बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 20 अगस्त 2018
19.	डॉ के विजयकुमारन, प्रधान वैज्ञानिक, सी.एम.एफ.आर.आई, चेन्नई तथा पुनर्वैधीकरण रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने हेतु सहयोजित सदस्य की उपस्थिति में भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभावित मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण रिपोर्ट के मसौदा का अंतिम रूप	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस 27-28 अगस्त 2018
20.	मौजूदा विधान और वैश्विक सम्मेलन पर अंतिम स्वरूप देने के लिए डॉ वाई एस यादवा, निदेशक, बी.ओ.बी.पी. – आई.जी.ओ के साथ चर्चा	चेन्नई 28 अगस्त 2018
21.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभावित मात्स्यिकी संसाधन के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की अंतिम बैठक	चेन्नई बेस 7 सितंबर 2018

क्र.सं	कार्यक्रम	स्थान/दिनांक
22.	रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप देने तथा इसे मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करने के संदर्भ में डॉ वाई एस यादवा, निदेशक, बी.ओ.बी.पी. – आई.जी.ओ तथा डॉ ई विवेकानंदन, राष्ट्रीय सलाहकार, बी.ओ.बी.पी. – आई.जी.ओ चेन्नई के साथ चर्चा	बी.ओ.बी.पी., चेन्नई 22-23 सितंबर 2018
23.	केंद्रीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति की पाँचवीं बैठक तथा पुनर्वैधीकरण रिपोर्ट के अंतिम मसौदा मंत्रालय को प्रस्तुत	कृषि भवन, नई दिल्ली 27 सितंबर 2018
24.	जहाजरानी मंत्रालय द्वारा तटीय जहाजरानी अध्ययन पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला	होटल ताज महल पैलेस मुंबई, 8 अक्तूबर 2018
25.	डीकमीशन मत्स्यन जलयान मत्स्य सुगंधी के निपटान के संबंध में बैठक	एम. ई. डी, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, कोच्चि, 17 नवंबर 2018
26.	भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण में आयोजित 'अनुसंधान परामर्श और निगरानी समिति' की पहली बैठक में पूर्व-पदेन सदस्य होने के नाते भाग लेना	कोलकाता 20 नवंबर 2018
27.	'कोस्टल सिक्यूरिटी वे एहेड' पर आयोजित राष्ट्रीय सभा	मुंबई विश्वविद्यालय 27 नवंबर 2018
28.	केंद्रीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति की छठीं बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 7 दिसंबर 2018
29.	केंद्रीय अनुमोदन एवं निगरानी समिति की सातवीं बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 13 दिसंबर 2018
30.	एल. ओ. पी. योजना के कार्यान्वयन के क्रम में भारत सरकार द्वारा हुए नुकसान को जांच करने के लिए समिति की बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 14 दिसंबर 2018
31.	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के लिए बेड़ा योजना के संदर्भ में समिति की पहली बैठक	बी.ओ.बी.पी.– आई.जी.ओ चेन्नई, 18 जनवरी 2019
32.	एल. ओ. पी. योजना के कार्यान्वयन के क्रम में भारत सरकार को हुए नुकसान की जांच करने के लिए समिति की दूसरी बैठक	बी.ओ.बी.पी.– आई.जी.ओ चेन्नई, 22 जनवरी 2019
33.	सर्वेक्षण जलयानों के निष्पादना के साथ-साथ कोचीन बेस और एम. ई. डी. की समीक्षा	कोचीन बेस 1-3 फरवरी 2019
34.	भारत एशियान, उप-क्षेत्र में समय सुरक्षा आश्वासन	19-20 फरवरी 2019
35.	बाब्लेम स्टेकहोल्डर्स परामर्श	बीओबीपी-आईजीओ, चेन्नई 22 फरवरी 2019
36.	विभिन्न प्रशासनिक एवं जलयान प्रचालन से सम्बंधित मामलों पर चर्चा	विशाखापटनम बेस 2 मार्च 2019
37.	बीओबीपी-आईजीओ द्वारा आयोजित बाब्लेम स्टेकहोल्डर्स परामर्श बैठक	विशाखापटनम बेस 3 मार्च 2019
38.	बीओबीपी-आईजीओ द्वारा आयोजित बाब्लेम स्टेकहोल्डर्स परामर्श बैठक	कोलकत्ता 4 मार्च 2019
39.	बाब्लेम चरण -II की प्रारंभिक कार्यशाला	बैंकाक, थाईलेंड 12-13 मार्च 2019

भा.मा.स. एवं अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में वैज्ञानिकों/अन्य अधिकारियों की सहभागिता

क्र.सं.	नाम/पदनाम	कार्यक्रम	स्थान/तिथि
1.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	आईओटीसी संकल्प के कार्यान्वयन की देखरेख एवं समीक्षार्थ गठित "कार्यदल" की 11 वीं बैठक	एमओए एंड एफडब्ल्यू, नई दिल्ली 3-5 अप्रैल 2018
2.	डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	एनआईसीआरए परियोजना के अंतर्गत "युवा प्रोफेशनल॥" के रूप में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में चयन	सीएमएफआरआई, विशाखापटनम 11 अप्रैल 2018
3.	डॉ. अंशुमान दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री ए. सिवा, वरि. वैज्ञानिक सहायक	'भविष्य की पृथ्वी अवलोकन संवेदी प्रणाली" 'अंतर-संगठन विशेषज्ञ समिति बैठक	इसरो (मु.), बंगलूरु 20-21 अप्रैल 2018
4.	श्री ए. टिबुरशियस, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	समुद्री अवलोकन प्रणाली के परियोजना प्रबंधन परिषद, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की छठी बैठक	एनआईओटी, चेन्नई 20 अप्रैल 2018
5.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	आईयूयू मत्स्यन को रोकने एवं समाप्त करने के लिए एनपीओए तैयार करने के लिए आयोजित कार्यशाला	चेन्नई, 20 अप्रैल 2018
6.	डॉ. डी. ई. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक श्री प्रमोद तम्हाणे, व. वैज्ञानिक सहायक	भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई मात्स्यिकी विभाग, महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से मछुआरों के लिए आयोजित कार्यशाला	आई एम डी., मुंबई 26 अप्रैल 2018
7.	डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	एच.आ.डी./कौशल विकास कार्यक्रमों एवं आईसीएआर एवं प.डे.मा.वि.के मात्स्यिकी संस्थानों की गतिविधियों का अभिसरण विषय पर विचार मंथन सत्र	एन.एफ.डी.बी.बो., हैदराबाद 2 मई 2018
8.	श्री डी के गुलाटी क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस. रामचंद्रन वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	श्रीमती कृष्णा राज, माननीय राज्य मंत्री एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के दौरे के दौरान बैठक	सीएमएफआरआई, कोच्चि 29 मई 2018
9.	डॉ. विनोद कुमार मुड्माला, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	स्टेकहोल्डर्स बैठक	सीएमएफआरआई, आर. सी. मुंबई 30 मई 2018
10.	श्री डी के गुलाटी क्षेत्रीय निदेशक श्री एन उन्नीकृष्णन, कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	पुनर्वैधीकरण समिति की उप दल बैठक	सीएमएफआरआई, कोच्चि 31 मई 2018
11.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में मत्स्यन परीचालन के लिए नए दिशानिर्देश सुझाव हेतु समिति की चौथी बैठक एवं मात्स्यिकी सब्सिडी पर गठित टॉस्क फोर्स की छठी बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 4, 5 जुन 2018
12.	डॉ. अंशुमान दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	तारापुर वाला जलजीवशाला के नवीनीकरण पर राज्य मात्स्यिकी, महाराष्ट्र सरकार की तकनीकी समिति की बैठक	तारापुर वाला जलजीवशाला, मुंबई 04 जून 2018 20 जून 2018

क्र.सं.	नाम/पदनाम	कार्यक्रम	स्थान/तिथि
13.	डॉ. जे. जयचंद्र दास वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मछुआरों को नए टूना लांगलाईनर एवं गिलनेटर की खरीद पर 50 प्रतिशत सब्सिडी के लिए समुद्री मात्स्यिकी योजना के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय प्रशासनिक समिति की 13 वीं बैठक	मात्स्यिकी निदेषालय, चेन्नई 13 जून 2018
14.	डॉ. एस. रामचंद्रन वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	राष्ट्रीय जैव-विविधता अभिकरण द्वारा जैव-वि विधता के सम्मेलन पर छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट तैयार करने के लिए आयोजित परामर्शदात्री बैठक	सीएमएफआरआई, कोच्चि 14 जून 2018
15.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के लिए मात्स्यिकी नीति निर्माण हेतु नीति निर्माण समिति की दूसरी बैठक	अंडमान तथा निकोबार प्रशासन 15 जून 2008
16.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	'समुद्री जैव प्रौद्योगिकी, जैव-विविधता एवं मात्स्यिकी" 'विषय पर संपन्न कार्यशाला में भाग लिया तथा "अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के टूना संसाधनों का निर्धारण" विषय पर व्याख्यान दिया।	एन्कोस्ट, एनआईओटी, पोर्ट ब्लेयर 28 जून 2018
17.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	"द्वीप के किसानों एवं आईसीएआर-सीआईएआर आई वैज्ञानिक"पर श्री वैंकया नायडू, महामहिम उप राष्ट्रपति के साथ चर्चा	सीआईएआरआई, पोर्ट ब्लेयर 5 जुलाई 2018
18.	डॉ. विनोद कुमार मुड्डमाला, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	समुद्रा-यूज़र बैठक	एसएसी, अहमदाबाद 10 जुलाई 2018
19.	डॉ. एस. रामचंद्रन वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सीएमएलआरई के लिए अनुसंधान सहायक एवं युवा प्रोफेशलन-I के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया	सीएमएफआरआई, कोच्चि 17 जुलाई 2018
20	श्री डी के गुलाटी क्षेत्रीय निदेशक	भारतीय ईईजेड की संभावित मत्स्य संसाधन के पुर्नवैधीकरण के लिए तीसरी एवं चौथी बैठक	चेन्नई 17 जुलाई 2018, 30-31 जुलाई 2018
21	श्री ए. टिबुरशियस, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. जे. जयचंद्र दास वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री सी बाबू, वरि. वैज्ञानिक सहायक	चेन्नई के समुद्री मात्स्यिकी स्टेकहोल्डर्स की बैठक	सहायक निदेशक का कार्यालय (समुद्री मात्स्यिकी) चेन्नई काशिमेडु, चेन्नई 18 जुलाई 2018
22	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	ईईजेड एवं महा समुद्र में भारतीय पोतों के प्रचालन के संबंध में नए दिशानिर्देष सुझाने के लिए गठित समिति की 5वीं बैठक	कृषि भवन, एमओए एवं एफडब्ल्यू, नई दिल्ली 20 जुलाई 2018
23	डॉ. जे. जयचंद्र दास क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*एमएफवी ब्लू मार्लिन* की मत्स्य पकड़ के निपटारे के लिए न्यूनतम दर निर्धारित करने के लिए बैठक	भा.मा.स.पोर्ट ब्लेयर 27.07.2108
24.	डॉ. एस. रामचंद्रन वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ए. शिवा, वरि. वैज्ञानिक सहायक स्वपनिल शिरके वरि. वैज्ञानिक सहायक	एफएओ के अनुसंधान पोत डॉ. फ्रिड्तोफ नानसेन में भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में कोलंबो (श्रीलंका) और चिटगांव (बांग्लादेश) के बीच सर्वेक्षण जलयात्रा में हिस्सा लिया।	19-31 जुलाई 2018

क्र.सं.	नाम/पदनाम	कार्यक्रम	स्थान/तिथि
25.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण पर विशेषज्ञ बैठक	भारतीय बीओबीपी-आईजीओ चेन्नई 30-31 जुलाई 2018 7-10 अगस्त 2018 15-16 अगस्त 2018 और 27-28 अगस्त 2018 सीएमएफआरआई, कोच्चि 21-23 सितंबर 2018
26.	डॉ. जे. जयचंद्र दास वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए जॉन चेंबियन कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री वाय थारूमार वरि.वैज्ञानिक सहायक	बीओबीपी-आईजीओ एवं एनआईओटी द्वारा आयोजित स्थानीय मत्स्यन के लिए दूसरी टेकसर्ज प्रौद्योगिकी एवं इनोवेशन	चेन्नई 10 अगस्त 2018
27.	डॉ. ए जॉन चेंबियन कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री सी बाबू, वरि. वैज्ञानिक सहायक	मछुआरों के लाभार्थ मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार और तमिलनाडू कौशल विकास निगम द्वारा संयुक्त रूप से मात्स्यिकी निदेशालय में आयोजित बैठक में भाग लिया और विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम पर चर्चा की।	नंदनम, चेन्नई 18 अगस्त 2018
28.	श्री नशद एम, वरि. वैज्ञानिक सहायक	अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए मात्स्यिकी विकास योजना पर बैठक	पोर्ट ब्लेयर 06 सितंबर 2018
29.	डॉ. ए जॉन चेंबियन कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	नए टूना लांगलाईनर एवं गिलनेटर की खरीद पर 50 प्रतिशत की छूट सहायता के अंतर्गत संयोजित १४वीं राज्य स्तरीय तकनीकी समिति तथा राज्य स्तरीय प्रशासनिक समिति की बैठक	मत्स्य निदेशालय, चेन्नई 06 सितंबर 2018
30.	श्री ओ टी मनोज कुमार सेवा अभियंता (यांत्रिक)	मत्स्यन पोतों में दूरसंचार यंत्रों से संबंधी तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक	एमपीड़ा, कोच्चि 25 सितंबर 2018
31.	श्री एन जगन्नाथ कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	"उन्नत मत्स्यन प्रौद्योगिकी" पाठ्यक्रम - व्यवहारिक एवं मौखिक परीक्षा में बाहय परीक्षक के रूप में सेवा की	सिफनेट, विशाखापटनम 27-28 सितंबर 2018
32.	डॉ. अंशुमान दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	तारापुर जलजीवशाला, राज्य मात्स्यिकी विभाग, महाराष्ट्र सरकार के एएमसी हेतु तकनीकि समिति की बैठक	तारापुरवाला जलजीवशाला, मुंबई 5 अक्टूबर 2018
33.	डॉ विनोद कुमार मुड्डमाला वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	जहाजरानी मंत्रालय द्वारा कोस्टल शिपिंग अध्ययन पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला	होटल ताजमहल पैलेस मुंबई 8 अक्टूबर 2018
34.	श्री एन वी रमणामूर्ति तंत्र विश्लेषक श्री भास्कर, प्रोग्रामर श्री ए शिवा, वरि. वैज्ञानिक सहायक	"संभाव्य मात्स्यिकी क्षेत्र के लिए मल्टीपारामीटर सुदूर सहायकसंवेदन आंकड़ा विश्लेषण	एसएसी अहमदाबाद 08-12 अक्टूबर 2018
35.	डॉ. ए जॉन चेंबियन कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री सी बाबू, वरि. वैज्ञानिक सहायक	बीओबीपी-आईजीओ द्वारा आयोजित समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में ज्ञान प्रबंधन पर अंतिम कार्यशाला	चेन्नई 12 अक्टूबर 2018

क्र.सं.	नाम/पदनाम	कार्यक्रम	स्थान/तिथि
36.	डॉ. अंशुमान दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सहायक आयुक्त, मुंबई शहर, राज्य मात्स्यिकी विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा नीली क्रांति कार्यक्रम के अंतर्गत संसाधन विशिष्ट गहन समुद्री मत्स्यन पोत में ट्रॉलर का रूपांतरण पर बैठक	मुंबई 29 अक्टूबर 2018
37.	श्री के. गोविन्दराज वरि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए बी कर मात्स्यिकी वैज्ञानिक	श्री तरूण श्रीधर, भा.प्र.से., सचिव, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग भारत सरकार द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार अधिकारियों, श्रिम्प किसान एवं संबंधित स्टेक होल्डर्स के साथ मात्स्यिकी एवं जलकृषि के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक	होटल गेटवे, विजयवाड़ा 12 नवंबर 2018
38.	डॉ ए बी कर मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री जीवीए प्रसाद कनि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री के सिलेम्बरसन वरि.वैज्ञानिक सहायक	मेरीकल्चर पर मसौदा राष्ट्रीय नीति पर स्टेकहोल्डर परामर्श	आईसीएआर-सीएमएफआर आई - आर सी विशाखापटनम 14 नवंबर 2018
39.	डॉ विनोदकुमार मुडुमाला वरि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री राजेन्द्र कुमार बी डोकरे, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)	ससून डॉक के आधुनिकीकरण के लिए 5वीं समन्वय समिति बैठक	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, मुंबई 20 नवंबर 2018
40.	डॉ. सिजो पी. वर्गीस वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	संयुक्त सचिव (मात्स्यिकी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में मात्स्यिकी छूट पर टॉस्क फोर्स की 9वीं बैठक	नई दिल्ली 20 नवंबर 2018
41.	डॉ विनोदकुमार मुडुमाला वरि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक	तटीय सुरक्षा वे अहेड पर राष्ट्रीय बैठक	मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई 27 नवंबर 2018
42.	डॉ. एस. रामचंद्रन वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एन उन्नीकृष्णन कनि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक	राष्ट्रीय मेरीकल्चर नीति के मसौदा पर स्टेकहोल्डर कार्यशाला	सीएमएफआरआई, कोच्चि 15 दिसंबर 2018
43.	डॉ. ए जॉन चेंबियन कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	नए टूना लांगलाईनर एवं गिलनेटर की खरीद पर 50 प्रतिषत की सब्सिडी सहायता योजना के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति एवं प्रशासनिक समिति की 5वीं राज्यस्तरीय बैठक	मत्स्य निदेशालय, चेन्नई 07 जनवरी 2019
44.	श्री अशोक एस कदम मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ हर्षवर्धन जोशी वरि.वैज्ञानिक सहायक	सीएमएफआरआई क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित "बेस्ट ट्रॉल प्रेक्टिस" पर राष्ट्रीय परामर्श	मुंबई 11 जनवरी 2019
45.	डॉ महेश कुमार फरेजिया, उप महानिदेशक (यां.) श्री बी बाला नायक सेवा अभियंता (यां.) श्री अशोक एस कदम मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री बापु एम राऊत प्रोग्रामर	करंजा बंदरगाह का शिलान्यास। श्री देवेन्द्र फड़नवीस, माननीय मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र सरकार एवं श्री नीतिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परीवहन एवं जहाजरानी मंत्रालय ने समारोह की शोभा बढ़ाई।	करंजा, रायगढ़ 24 जनवरी 2019

क्र.सं.	नाम/पदनाम	कार्यक्रम	स्थान/तिथि
46.	श्री ए शिवा, वरि. वैज्ञानिक सहायक डॉ. किरण एस माली अनुसंधान सहयोगी	कोलोबोरेटिव समुद्र पीएफजेड-परीयोजना से संबंधित प्रयोक्ता बैठक	एसएसी अहमदाबाद 4 फरवरी २०१९
47.	डॉ विनोदकुमार मुडुमाला वरि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मॉनिटरींग, कंट्रोल एवं निगरानी तथा पकड़ दस्तावेज योजना से संबंधी आईओटीसी कार्यशाला तथा संरक्षण एवं प्रबंधन के कार्यान्वयन पर आयओटीसी कार्यदल की दूसरी बैठक (डब्ल्यू पी आई सी एम एम)	मापुतो, मोजांबिक 11-15 फरवरी 2019
48.	डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री ए शिवा, वरि.वैज्ञानिक सहायक	क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा सम्मेलन- भारत एशियन, उप क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा आश्वासन	जेडब्ल्यू मेरीयट होटल, मुंबई 19-20 फरवरी 2019
49.	डॉ एस के द्विवेदी मात्स्यिकी वैज्ञानिक	वनस्पति विज्ञान विभाग, हांडिया पोस्ट ग्रेज्युएट कॉलेज, हांडिया द्वारा "ग्लोबल वार्मिंग बनाम जैवविविधता" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद। 'भारत में समुद्री मात्स्यिकी विविधता, संरक्षण एवं प्रबंधन' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश 24-25 फरवरी 2019
50.	डॉ. ए जॉन चेंबियन कनि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	नए टूना लांगलाईनर एवं गिलनेटर की खरीद पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी योजना के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय तकनीकी एवं प्रशासनिक समिति की छठीं राज्य स्तरीय बैठक	मात्स्यिकी निदेशालय चेन्नई 27 फरवरी 2019
51.	डॉ ए बी कर मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एस के पटनायक वरि.वैज्ञानिक सहायक श्री के सिलेम्बरसन वरि.वैज्ञानिक सहायक	बीओबीपी-आईजीओ, चेन्नई द्वारा बाम्बलेम की तीसरी स्टेक होल्डर्स परामर्श कार्यशाला	होटल दासपला, विशाखापटनम 01 मार्च 2019
52.	डॉ ए बी कर मात्स्यिकी वैज्ञानिक	बीओबीपी-आईजीओ चेन्नई द्वारा बाम्बलेम की चौथी स्टेक होल्डर्स परामर्श कार्यशाला	सीआईएफआरआई, 04 मार्च 2019
53.	श्री एन उन्नीकृष्णन कनि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक	एमपीईडा योजना “असीस्टेन्स ऑफ सर्टिफिकेशन ऑफ फिशरी एंड चेन ऑफ कस्टडी” पर विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक	कोच्चि 14 मार्च 2019 19 मार्च 2019
54.	श्री एन उन्नीकृष्णन कनि.मात्स्यिकी वैज्ञानिक	"जल चक्र, पारिस्थितिक तंत्र, मात्स्यिकी एंव खाद्य सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए बैठक	कुसेट, कोच्चि 30 मार्च 2019

14.3 आगन्तुक/प्रतिनिधिमंडल

निम्नलिखित आगन्तुक/प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) एवं संबंधित बेस कार्यालयों का दौरा किया। मुख्यालय एवं बेस वैज्ञानिकों ने उन्हे भा.मा.स. की गतिविधियों तथा व्यवसायिक प्रमुख प्रजातियां, इकोफ्रेंडली मत्स्यन पद्धतियां, फिशिंग गियर प्रौद्योगिकी, जलयान पर उपयोग में लाए जाने वाले नौवहन एवं इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की जानकारी प्रदान की। भा.मा.स. प्रकाशन/सं.सू.अं. की प्रतियां भी आगन्तुकों को भेंट दी गई।

मुंबई मुख्यालय

विवरण	तिथि
श्री अंकित बडवैक, सहायक प्रबंधक, पर्यावरण, टेरेकॉन इकोटेक प्रा. लि., मुंबई	26 अप्रैल 2018
श्री रामदास पी. सान्धेय, अध्यक्ष, महाराष्ट्र मच्छीमार संघ, मुंबई, श्री विश्वनाथ के कोली, अध्यक्ष, कोली समाज, रायगढ़ जिला एवं डॉ. निलेश कोली, अध्यक्ष, मच्छीमार फिशिंग सोसायटी, नवी मुंबई	31 मई 2018
आर. रूइया कॉलेज, मुंबई के डॉ. संजय भागवत, प्रोफेसर, जीवविज्ञान विभाग एवं श्री कोनार्क ए बोरकर, पीएचडी छात्र	17 जुलाई 2018
सुश्री वर्धिनी पी. देशमुख, सुश्री छाया पांडे, सुश्री दृष्टि के. माली एवं श्री अमय के. कांबले, मुंबई विश्वविद्यालय, सांख्यिकी विभाग, एमएससी भाग - II के छात्र	14 अगस्त 2018
सुश्री श्रीजिता राय, एमएससी जियोइन्फॉर्मेटिक्स छात्रा, जियोइन्फॉर्मेटिक्स सिम्बोसीस संस्थान, पुणे	17 दिसंबर 2018
श्री अभिनव गुप्ता, पीएचडी उम्मीदवार, यांत्रिक विभाग मेसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, केंब्रिज, यु.एस.ए.	07 जनवरी 2019
डॉ. बी के शर्मा, प्रोफेसर एवं मात्स्यिकी अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष, मात्स्यिकी महाविद्यालय, उदयपुर बीएससी के 23 छात्रों के साथ	22 फरवरी 2019
सुश्री पूजा, महाविद्यालय छात्रा, मुंबई	22 मार्च 2019

मुंबई बेस

विवरण	तिथि
23 बीएफएससी छात्र राजस्थान एवं एक प्रोफेसर, मात्स्यिकी महाविद्यालय, उदयपुर	22 फरवरी 2019
48 बीएससी एवं एमएससी छात्र एवं तीन प्रोफेसर, मीठीबाई विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, विले पार्ले, मुंबई	27 फरवरी 2019
अरुण विधाले, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार	8 मार्च 2029

मुरगांव बेस

विवरण	तिथि
जहाज निर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, वास्को से छात्रों का दौरा	28 अप्रैल 2018
डॉ. ई. रमेष कुमार, भा.प्र.से. संयुक्त सचिव (मा.), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय,	28 अप्रैल 2018
श्री विषाल पी. तोरस्कर, सडा, मुरगांव, गोवा	16 जून 2018
कमान्डेंट सुभाष, भारतीय तटरक्षक, गोवा	7 अगस्त 2018
श्री तरूण श्रीधर, भा.प्र.से., सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, नई दिल्ली डॉ. एम. जी. आर. मात्स्यिकी कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, पोन्नरी, टी एन एफ यू., तमिलनाडु	8 नवबंर 2018 29 नवबंर 2018

कोचिन बेस

विवरण	तिथि
30 छात्रों का दल, सरकारी व्यसायिक उच्च माध्यमिक स्कूल, कडमाकुडी, पेरूम्बलमा एवं नजारक्कल ने	06 सितंबर 2018
सर्वेक्षण जलयान मत्स्य वर्षिनी का फील्ड दौरा के रूप में क्रमशः दौरा किया	13 सितंबर 2018 27 सितंबर 2018
30 छात्रों का दल, सरकारी व्यसायिक उच्च माध्यमिक स्कूल, नजारक्कल, एर्नाकुलम ने सर्वेक्षण जलयान मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया	11 अक्टूबर 2018
23 छात्रों का दल, सरकारी व्यसायिक उच्च माध्यमिक स्कूल, कयप्पामंगलम सर्वेक्षण जलयान मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया	23 अक्टूबर 2018
5 स्थानीय मछुआरे एंव 2 अंडमान तथसा निकोबार द्वीप समूह के अधिकारियों ने मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया	14 नवंबर 2018
16 छात्र एवं 1 कर्मचारी, जीवीएचएसएस, कलमश्शेरी, एर्नाकुलम ने जलयान मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया	21 नवंबर 2018
30 एमएससी (मत्स्य प्रसंस्करण) छात्र, कालिकट विश्वविद्यालय, मल्लापुरम ने सर्वेक्षण जलयान मत्स्य वर्षिनी का भ्रमण किया	24 नवंबर 201
19 छात्र (फिशरीज अभियांत्रिकी डिप्लोमा) तथा 02 अकादमी स्टॉफ, कोंकण कृषि विद्यापीठ, रत्नागीरी	24 नवंबर 2018
29 छात्र (समुद्री प्रौद्योगिकी) ने 02 अनुदेशक तथा 30 छात्र (समुद्री खाद्य प्रसंस्करण), जीवीएचएसएस, कैथराम ने क्रमशः के साथ से जलयान मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया	26 नवंबर 2018 29 नवंबर 2018
श्री तरूण श्रीधर, भा.प्र.से., सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, नई दिल्ली ने बेस तथा सर्वेक्षण जलयान का दौरा किया	10 जनवरी 2019
168 छात्र, सरकारी व्यवसायिक उच्च माध्यमिक स्कूल, थेवारा ने समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग तथा सर्वेक्षण जलयान का दौरा किया	17-23 जनवरी 2019

चेन्नई बेस

विवरण	तिथि
सरकारी उन्नत वोकेशनल प्रशिक्षण स्कूल (ए टी टी एस) कलमश्शेरी से 8 छात्र	6 फरवरी 2018
श्रीमान एम. लोकेश, बिक्री प्रबंधक-द. भारत, स्कलर एनालिटिकल इंडिया प्रा. लि., चेन्नई	13 अप्रैल 2018
डॉ. कृष्णामूर्ति, पूर्व निदेशक, मात्स्यिकी विभाग, अंडमान प्रशासन तथा डॉ. मेडीकरी, पूर्व संयुक्त मत्स्य निदेशक, कर्नाटक सरकार	अप्रैल 2018
सेंट जेवियर कॉलेज, पालयनकोर्टे, तिरूनेलवेली जिले के 3 छात्रों ने इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए बेस का दौरा किया	3-9 मई 2018
20 छात्र दो फेकल्टी सदस्य, अन्ना विश्वविद्यालय , चेन्नई ने अपने हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत बेस का दौरा किया। साथ ही संग्रहालय तथा विभागीय सर्वेक्षण जलयान मत्स्य दृष्टि एवं एमएफवी समुद्रिका का भी दौरा किया	6 अगस्त 2018
मद्रास क्रिस्चियन कॉलेज, तांबरम, चेन्नडे के 30 छात्रों तथा 3 फेकल्टी सदस्यों ने बेस का दौरा किया तथा विभागीय सर्वेक्षण जलयान मत्स्य दृष्टि एवं एमएफवी समुद्रीका का भी दौरा किया	10 अगस्त 2018

विशाखापटनम बेस

विवरण	तिथि
आंध्रप्रदेश सरकार के 04 सहायक मात्स्यिकी निदेशकों ने "समुद्री मात्स्यिकी" पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत की	17 अप्रैल 2018
श्री वाय.जे. बशशंकर, तकनीकी अधिकारी, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान	17 अप्रैल 18 और
(सी एस आई आर), नागपूर ने दो साथियों के साथ दौरा किया	20 अप्रैल 18
सुश्री प्रियंका पांडेय, श्री प्रणव दिवान एवं मनीष मिश्रा, मत्स्य उद्यमी, रायपुर, छत्तीसगढ़	23 अप्रेल 18
डॉ. ई. रमेश कुमार, भा.प्र.से. संयुक्त सचिव (मा.), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, नई दिल्ली एवं श्री रमाशंकर नाईक, मात्स्यिकी आयुक्त, आंध्रप्रदेश सरकार ने एमएफवी शिकारी का दौरा किया	1 मई 2018
श्री रवि नारायण पात्रा, मत्स्य उद्यमी, नबरंगपुर, ओडिशा	7 मई 2018
36 छात्र, एमवीकेआर फिश्रीज पोलीटेक्नीक, भवदेवरपल्ली, कृष्ण जिला, आंध्रप्रदेश ने बेस और एमएफवी मत्स्य शिकारी का दौरा किया	25 जून 2018
20 बीएससी (इंडस्ट्रियल फिशरीज) छात्र, रामदयालूसिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर	13 जुलाई 2018
श्री वी. श्रीलाल राज, आंध्र विश्वविद्यालय ने अपने दो साथियों के साथ एमएफवी मत्स्य शिकारी का दौरा किया	19 अगस्त 2018
50 छात्र, श्री चैतन्य स्कूल, विशाखापटनम ने बेस तथा जलयान मत्स्य शिकारी एवं मत्स्य दर्शिनी का दौरा किया	3 अक्टूबर 2018
40 जीपी रेटिंग लिस्ट के प्रशिक्षार्थियों ने एक संकाय सदस्य के साथ, बेहरा समुद्री प्रशिक्षण संस्थान, विशाखापटनम जिला, आंध्रप्रदेश	9 अक्टूबर 2018
04 स्नाकोत्तर छात्र (प्रथम वर्ष) प्राणीविज्ञान विभाग, आंध्रप्रदेश, विश्वविद्यालय	10 अक्टूबर 2018
50 स्थानीय मछुआरे भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मात्स्यिकी नौवहन अभियांत्रिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षणरत दो अधिकारियों के साथ दौरा	25 अक्टूबर 2018
सेंट जोसफ महिला कॉलेज, विशाखापटनम के बीएससी अंतिम वर्ष के 39 छात्रों ने एक फेकल्टी सदस्य के साथ बेस एवं जलयान का दौरा किया	9 नवंबर 2018 11 नवंबर 2018
आषुतोष कॉलेज, कोलकाता के बीएससी (औदयोगिक मत्स्य एवं मात्स्यिकी) प्रथम वर्ष के 50 छात्रों ने बेस एवं जलयान मत्स्य शिकारी का दौरा किया	16 नवंबर 2018
आदिकवि नन्नाया विश्वविद्यालय, राजमुंद्री के एमएससी जलकृषि के 11 छात्रों ने बेस एवं जलयान एमएफवी मत्स्य शिकारी का दौरा किया	28 नवंबर 2018
श्री हिमाकान्त केशी, वैज्ञानिक-जी, राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, डीआरडीओ, विशाखापटनम	18 दिसंबर 2018
श्री बी. सुजित, हॉवरडाक	20 दिसंबर 2018
आशुतोष कॉलेज, कोलकाता के बीएससी (औद्योगिक मत्स्य एवं मात्स्यिकी) के 18 छात्र	26 दिसंबर 2018
टी. सुब्रामी रेड्डी एव टी. बालारामकृष्ण डिग्री एवं पी.जी. कॉलेज, गजूवाका, विशाखापटनम के बीएफसी (सी बी जेड) के 19 छात्र	31 जनवरी 2019
मत्स्य विज्ञान कॉलेज, नानाजी देशमुख पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश के बीएफसी (सीबीजेड) के 20 छात्र	31 जनवरी 2019
पीजी सरकारी कॉलेज, काकीनाड़ा के बीएससी (बी जेड सी) के 28 छात्र ने 04 फेकल्टी सदस्यों के साथ दौरा किया	2 फरवरी 2019
डॉ. सोना, सहायक प्रोफसर, छत्तीसगढ़ एक फेकल्टी सदस्य के साथ	2 फरवरी 2019

विवरण	तिथि
मात्स्यिकी कॉलेज, कवरधा, छत्तीसगढ़ के बीएफएससी (द्वितीय वर्ष) के 29 छात्र ने बेस एवं जलयान एमएफवी मत्स्य शिकारी का दौरा किया	4 फरवरी 2019
सरकारी डिग्री कॉलेज, श्रीकाकुलम, आंध्रप्रदेश के बीएससी तीसरे वर्ष के 30 छात्रों ने 02 फेकल्टी सदस्यों के साथ दौरा किया	5 फरवरी 2019
सुश्री के. एल. वत्सला, बी. आर्क., बैंगलूरू	7 फरवरी 2019
आत्मा परियोजना के तहत क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर विशाखापटनम, आंध्रप्रदेश के 30 मछुआरों के एक समूह ने बेस एवं जलयानों का दौरा किया	12-16 फरवरी 2019
गंगासिंह कॉलेज, बिहार से बीएससी (औद्योगिक मत्स्य एवं मात्स्यिकी) के 26 छात्रों ने आंध्रप्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापटनम के एमएससी द्वितीय वर्ष (प्राणी विज्ञान) के5 छात्रों के साथ	15 फरवरी2018
श्री जी. पृथ्वीराज, मैसर्स प्रियांश फिशरीज प्रा. लि., विशाखापटनम	6 मार्च 2019

पोर्ट ब्लेयर बेस

विवरण	तिथि
डॉ. शुभोदीप घोष, मुख्य वैज्ञानिक, सीएमएफआरआई, विशाखापटनम एवं डॉ. हसन अली, मुख्य वैज्ञानिक, सिफरी, बैरकपुर,	
डॉ. कार्तिक शंकर, सह प्रोफेसर, आईआईएससी, बंगलुरू एवं सुश्री महिमा, एएनईटी, पोर्ट ब्लेयर	3 जुलाई 2018
श्री के भुजी एवं श्री बी जार्ज के नेतृत्व में टूना मछलियों के व्यापारियों के एक टीम	17 जुलाई 2018
श्री अरूण भरत मुतैयाएवं श्री ई. कुमारन, पीए III, नेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल कॉस्टल मैनेजमेंट, चेन्नई	17 सितंबर 2018
सुश्री सर्फीना सादिक एवं सुश्री दीपा, अनुसंधान अध्येता, बी आर अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ पोलिटेक्निक एवं प्रौद्योगिकी, पोर्ट ब्लेयर	1 अक्टूबर 2018
मछुआरों का समूह, गुप्तापाड़ा, पोर्ट ब्लेयर	8 जनवरी 2019
श्री तरूण श्रीधर, भा.प्र.से., सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, नई दिल्ली ने बेस का दौरा कर कर्मचारियों को संबोधित किया	19 जनवरी 2019
श्री मिर्षाद, विम्बर्लीगंज, पोर्ट ब्लेयर एवं श्री जोस, स्किपर, एमएफवी एंटोनी	13 मार्च 2019

14.4 व्यापार मेला/प्रदर्शनी/मेला/परिसंवाद/संगोष्ठी में सहभागिता

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापटनम बेस ने श्री श्रीक्षेत्र सूचना, पुरी द्वारा जगन्नाथ धाम, पुरी, ओडिशा में दिनांक 3-7 जुन 2018 के दौरान आयोजित 9वें *कृषि मेला* - 2018 में भाग लिया। आगन्तुकों के लाभार्थ विभागीय गतिविधियों का प्रदर्शन चार्ट, मछली चित्र, विविध मत्स्यन पद्धतियां प्रदर्शित की गई एवं साथ ही उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता का प्रदर्शन भी किया गया। विविध केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार के कर्मचारीगण, एनजीओ, मछुआरों, आम जनता एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मिडिया के प्रतिनिधियों ने स्टॉल को देखा। इस अवसर पर भा.मा.स. प्रतिभागति प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद ने *"राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस"* के उपलक्ष्य में 9-10 जुलाई 2018 को वायएमसीए काम्पलेक्स, बीच रोड़, विशाखापटनम में आयोजित "मत्स्य उत्सव 2018" में प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर भाग लिया।

विशाखापटनम बेस ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, नई दिल्ली द्वारा पटना,, बिहार के सम्राट अशोक इंटरनेशनल कन्वेंशन के ज्ञान भवन, गांधी मैदान मुरदापुर में 22.11.2018 को आयोजित ***"विश्व मात्स्यिकी दिवस महोत्सव"*** में भाग लिया तथा प्रदर्शनी भी लगाई। आगन्तुकों को विभागीय गतिविधियों का प्रदर्शन चार्ट, मछली चित्र, विविध मत्स्यन पद्धतियां प्रदर्शित की गई। माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्रीमान राधामोहन सिंह ने बिहार के उप मुख्यमंत्री माननीय सुशील कुमार मोदी एवं अन्य राज्य मंत्रियों, पदाधिकारियों ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

14.5 आकाशवाणी एवं दूरदर्शन कार्यक्रम

- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 15.06.2018 को वर्ली, मुम्बई में दूरदर्शन केंद्र की कृषि सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया।
- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 20.06.2018 को आकाशवाणी, मुम्बई में संपन्न "ग्रामीण कार्यक्रम सलाहकारी समिति" की बैठक में भाग लिया।
- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री स्वप्निल एस. शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक ने 07.12.2018 को कृषि दर्शन कार्यक्रम के लिए कृषि सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया।
- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री स्वप्निल एस. शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक ने 01.03.2018 को दूरदर्शन मुम्बई के कृषि दर्शन कार्यक्रम (दूरदर्शन मुम्बई) के लिए कृषि सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया।
- श्री हर्षवर्धन जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक ने "जाल आकार विनिमय की महत्व" पर आकाशवाणी मुम्बई पर बात की जिसका प्रसारण 08.03.2019 को हुआ था।

14.6 मछुआरा रैली

मुरगांव बेस द्वारा क्रमशः 08.10.2018 एवं 01.03.2019 को "सुरक्षित एवं सतत मत्स्यन पद्धतियां" का संदेश फैलाने हेतु मोराजी, गोवा के श्री मोरजी कुलदेव देवस्थान, टेम्बवाड़ा तथा कारवार, कर्नाटक के तालुक पर्स सीन युनियन ऑफिस, बैथकोल, कारवार में ये रैलियां आयोजित की गई।

14.7 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

"सर्तकता जागरूकता सप्ताह" भा.मा.स. मुख्यालय एवं सभी बेस कार्यालयों में 29.10.2018 से 03.11.2018 तक मनाया गया। अभियान के तहत सतर्कता शपथ 29.10.2018 को दिलवाई गई। इस संबंध में *"क्या सरकारी कदम भ्रष्टाचार मिटाने के लिए पर्याप्त है?"* विषय पर 30.10.2.018 को कार्यशाला-वाद-विवाद भी आयोजित किया गया।

इसके अतिरिक्त डॉ. विनोद कुमार मुड्डुमाला, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री ए. शिवा, वरि. वैज्ञानिक सहायक के साथ 31.10.2018 एवं 01.11.2018 को सेंट पिटर हायर सेकेंडरी स्कूल, माझगांव, मुंबई एवं केंद्रीय विद्यालय, कोलावाड़ा में छात्रों में "भ्रष्टाचार मिटाओ-नया भारत बनाओ" विषय पर भ्रष्टाचार मिटाने के लिए जागरूकता फैलाने के लिए व्याख्यान दिए।

14.8 सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) एवं बेस कार्यालयों ने 19-27 नवम्बर 2018 के दौरान "सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह" का आयोजन किया गया। मुम्बई बेस ने संग्रहित दान राशि रू 1, 710,00 (रू एक हजार सात सौ दस केवल) सांप्रदायिक सद्भाव के राष्ट्रीय फाउन्डेशन के खाते में जमा की। मुम्बई (मुख्यालय) एवं भा मा स के बेस कार्यालयों द्वारा 22 नवम्बर 2018 को 'झण्डा दिवस' भी मनाया गया।

14.9 भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा/अभियान

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय एवं सभी बेस कार्यालयों द्वारा 15.09.2018 से 02.10.2018 तक स्वच्छता अभियान मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर, जालसीवक अनुभाग में घास उखाड़ने एंव रूके हुए पानी को निकालने जैसे कार्यों में सक्रियता से भाग लिया। फल/सब्जी बाजार, मछली बाजार, मत्स्यन बंदरगाह आदि की सफाई में भी हाथ बंटाया। स्थानीय लोगों में स्वच्छता जागरूकता फैलाने के लिए बेस कर्मचारियों ने "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला एवं रैली का आयोजन किया गया। भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, कोच्चि बेस के जलयान कर्मियों द्वारा एमपीटी जैट्टी, कोचिन में 02.10.2018 को स्वच्छ जलयान अभियान चलाया गया।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण

14.10 अंतर राष्ट्रीय योग दिवस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय एवं सभी बेस कार्यालयों द्वारा 21.06.2018 को अंतर राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लेते हुए योग आसन किए।

14.11 संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला/ओपन हाउस

बाह्य गतिविधियों के रूप में, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुंबई मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों ने समुद्री राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के प्रमुख मत्स्य उतराई केंद्रों पर क्षेत्रीय कार्यशाला/ओपन हाउस का आयोजन किया।

मुंबई बेस

मुरगांव बेस और मुंबई बेस द्वारा दिनांक 27 जुन 2018 को महाराष्ट्र के वेंगूर्ला के सांई मंगल कार्यालय में *"महाराष्ट्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन- स्थायी उपयोग, विकास एवं प्रबंध"* विषय पर एक दिवसीय संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई। श्री विष्णुदास एस. कुबल, सदस्य, जिला परिषद, सिंधुदुर्ग मुख्य अतिथि थे।श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, मुरगांव बेस ने कार्यशाला आयोजन के उपलक्ष्य में भा.मा.स. के अधिदेश, उत्पत्ति एवं उद्देश्य का विवरण दिया। उन्होने उपस्थित लोगों को *एमएफवी सागरिका* का विजयदुर्गा क्षेत्र में अप्रैल 2018 समुद्री यात्रा के दौरान बताया कि जलयान प्रचालन में बहुत दिक्कतों का समना करना पड़ा और लोगों से आग्रह किया कि ऐसी घटनाओं को ना दोहरायें।

तकनीकी सत्र के दौरान भा.मा.स. के वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं ने क्षेत्रीय भाषा मराठी एवं हिंदी में "दक्षिण महाराष्ट्र तट के समीप मात्स्यिकी संसाधनों के दशकीय परिवर्तन, महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन एवं पैदावार प्रणाली, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता और समुद्र में सुरक्षा" पर वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। विभिन्न मछुआरा को-आपरेटिव सोसायटियों, मार्केटिंग सोसायटियों एवं मालवन के मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

गुजरात के वेरावल में स्थानीय मछुआरों के कल्याणार्थ दिनांक 05.12.2018 को *"वेरावल के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एंव विविध मत्स्यन पद्धतियां"* विषय पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री लक्ष्मण भाई भैंसला, अध्यक्ष कारवा समाज, वैरावल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया जिन्होने कार्यशाला का उद्घाटन किया। लगभग 100 मछुआरों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। मछुआरों के अतिरिक्त गुजरात सरकार के राज्य मात्स्यिकी विभाग, वेरावल के नाव मालिक/प्रचालकों ने इसमें सहभागिता की। तकनीकी सत्र के दौरान मुंबई बेस के वैज्ञानिकों द्वारा समुद्री मात्स्यिकी, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता एवं समुद्र में सुरक्षा जैसे विषयों पर तकनीकी पत्र प्रस्तुत किए गए।

भा.मा.स. के मुंबई बेस द्वारा 06 फरवरी 2019 को जलयान *एमएफवी मत्स्य वृष्टि* पर मुंबई पत्तन न्यास के इंदिरा डॉक में समुद्री मात्स्यिकी पर ओपन हाउस का आयोजन किया गया। कवरधा मात्स्यिकी कॉलेज, छत्तीसगढ़ के कुल 25 मात्स्यिकी विज्ञान के छात्रों तथा 02 फेकल्टी सदस्यों ने उक्त ओपन हाउस में भाग लिया।

श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता, मुंबई बेस ने ओपन हाउस के महत्व, विभिन्न मत्स्य भंडारणों को ढूँढने में भा.मा.स. की भूमिका, गहन समुद्री एवं पर्यावरण अनुकूलन मत्स्यन पद्धत्तियां एवं भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में मत्स्य संसाधनों के संरक्षण पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। छात्रों को समुद्री मात्स्यिकी के विभिन्न पहलूओं पर मार्गदर्शन किया गया। साथ ही जलयान पर लगे उपकरणों एवं हरेक उपकरण के महत्व की जानकारी भी छात्रों को दी गई। गियर अनुभाग में रखे फिश ट्रॉल, श्रिम्प ट्रॉल, मल्टीफिलामेंट, मोनो फिलामेंट लांगलाईन आदि मॉडलों को छात्रों को दिखाया गया।

मुरगांव बेस

मुरगांव बेस द्वारा मोरजीम, गोवा के श्री मोराजे कुलदेव देवस्थान, टेंबवाड़ा में दिनांक 08 अक्टुबर 2018 को ***"गोवा के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन-स्थायी उपयोग, विकास एवं प्रबंधन"*** विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। श्री चंद्रकान्त वेलीप, उप मात्स्यिकी निदेशक, गोवा सरकार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, भा.मा.स., गोवा ने मुख्य उद्बोधन दिया तथा कार्यशाला के आयोजन के महत्व, भा.मा.स. के उद्देश्य एवं इतिहास पर प्रकाश डाला। मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधियों ने मछुआरों को समुद्र में पेश आने वाली दिक्कतों तथा सरकारी तंत्र किस प्रकार उनकी मदद कर सकती है, विषय पर अपनी बात रखी। उन्होनें ऐसे आयोजनों क लिए भा.मा.स. की प्रशंसा की। तकनीकी सत्र के दौरान, स्थानीय भाषाओं यथा हिंदी, कोंकणी में वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किए गए। मछुआरा सहकारी संस्थाओं, व्यवसायिक संस्थाओं एवं मात्स्यिकी विभाग से कुल 138 मछुआरों ने कार्यशाला में सहभागिता की।

भा.मा.स. मुरगांव बेस 10 दिसंबर 2018 को मात्स्यिकी सर्वेक्षण जलयानों *एम.एफ.वी. येलोफिन* एंव *एम.एफ.वी. सागरिका* पर ओपन हाउस/ "भारत में स्थायी समुद्री मात्स्यिकी" विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन मुरगांव बंदरगाह, मुरगांव, गोवा में किया गया। स्कूली छात्रों, एमपीटी, सीआयएसएफ एवं कस्टम के कर्मचारीगणों को इस कायोजन में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विपिन आर. मनोत, यातायात प्रबंधक, मुरगांव पत्तन न्यास, मुरगांव ने किया। भा.मा.स. की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं, भा.मा.स. द्वारा अपनाई जा रही मत्स्यन पद्धतियों को दर्शाते चार्टो का प्रदर्शन किया गया। परम्परागत एवं यंत्रीकृत नावें, गियर, मॉडल्स, गोवा, भारत एवं विश्व की समुद्री मात्स्यिकी को दर्शाते चार्ट का प्रदर्शन भी किया गया। विभिन्न विभागों अर्थात दीप विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुरगांव, गोवा, मुरगांव पत्तन न्यास, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, एमपीटी, मुरगांव, कस्टम विभाग, मुरगांव के छात्रों/कर्मचारियों/फेकल्टी सदस्यों को मिलाकर 101 ने सहभागिता की।

मुरगांव बेस द्वारा 29.11.2018 को ओपन हाउस एवं समुद्री प्रदर्शनी का आयोजन डॉ. एमजीआर मात्स्यिकी कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, पोनेरी, टी एन एफ यू, तमिलनाडु के छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए किया गया। कुल ३६ छात्रों एवं ०२ संकाय सदस्यों ने इस आयोजन में सहभागिता की। उनको भा.मा.स. की गतिविधियों से रूबरू करवाया गया

भा.मा.स. मुरगांव बेस द्वारा 01 मार्च 2019 को कारवार तालुका पर्स सेन युनियन ऑफिस, बैथकोल, कारवार कर्नाटक में ***"कर्नाटक के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन- स्थायी उपयोग, विकास एवं प्रबंधन"*** विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन श्री पी नागराजू, मात्स्यिकी उप निदेशक, कारवार, कर्नाटक सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

तकनीकी सत्र के दौरान वैज्ञानिक शोध पत्र अर्थात कर्नाटक तट के मात्स्यिकी संसाधनों में दशकीय बदलाव, महासागरीय मत्स्य संसाधन एवं पकड़ने की विधि, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता तथा समुद्र में सुरक्षा विषयों पर बेस वैज्ञानिकों द्वारा स्थानीय भाषाओं अर्थात हिंदी, कन्नड में प्रस्तुत किए गए। मछुआरा सहकारी संस्थाओं, व्यवसायिक संस्थाओं एवं कर्नाटक मात्स्यिकी विभाग से कुल 127 मछुआरों ने कार्यशाला में सहभागिता की।

कोचिन बेस

कोचिन बेस द्वारा 30.10.2018 को मछुआरों के कल्याणार्थ कोचिन के एममानुअल हॉल, चेल्लानम में ***" केरल तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन-चुनौतियां"*** विषय पर कार्यशाला एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री के. डी. प्रसाद, उपाध्यक्ष, चेल्लानम ग्राम पंचायत द्वारा 30 अक्टूबर 2018 को किया गया। श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने अपने मुख्य संबोधन में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की गतिविधियों और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस से जुडे सर्वेक्षण बेडों के बारे में जानकारी दी। उसी स्थान पर एक ओपन हाउस भी आयोजित किया गया जिसमें मात्स्यिकी चार्ट, मछलियों के फोटाग्राफ, फिशिंग गियर के मॉडल, जीवन बचत उपकरण आदि प्रदर्शित किए गए। मछुआरा समाज नाव मालिक के प्रतिनिधियों सहित चेल्लानम और कण्णमाली क्षेत्र के पाँच मछुआरों सरकारी समाज लगभग 90 प्रतिभागियों ने कर्मशाला में भाग लिया। बेस द्वारा 12-13 नवंबर 2018 को भा.मा.स. के समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग में तथा मत्स्य वर्षिनी पर ओपन हाउस का आयोजन किया गया।

चेन्नई बेस

चेन्नई बेस द्वारा 20 सितंबर 2018 को मात्स्यिकी विभाग एवं मछुआरा कल्याण, पुदुचेरी के सम्मेलन कक्ष में "तमिलनाडु एवं पुदुचेरी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन" विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री आर. मुनियासामी, मात्स्यिकी निदेशक एवं मछुआरा कल्याण, संघ शासित प्रदेश सरकार, पुदुचेरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यशाला का उद्घाटन किया। श्री ए. टिबुरशियस, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य उदबोधन दिया। लगभग 100 मछुआरे, मछुआरिनें, जनता एवं मत्स्य विभाग के कर्मचारियों ने कार्यशाला में सहभागिता कर लाभ लिया। बेस के वैज्ञानिकों ने बंगाल की खाड़ी में टूना मत्स्य संसाधनों का फैलाव एवं प्रचुरता विषय पर व्याख्यान दिया। क्षेत्र के मछुआरों के लाभार्थ फिशिंग गियर सामग्री, मॉडल्स, चार्ट आदि का प्रदर्शन आयोजन स्थल पर किया गया।

बाह्य गतिविधियों के रूप में स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ *"भारत के पूर्वी तट के टूना मात्स्यिकी संसाधन"* विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन महात्मा गांधी सरकारी हाईस्कूल, यानम, पुदुचेरी में दिनांक 06.03.2019 को किया गया। कार्यशाला का आयोजन मात्स्यिकी विभाग एवं मछुआरा कल्याण संघ, यानम, संघ शासित प्रदेश सरकार, पुदुचेरी के सहयोग से किया गया।। बेस के वैज्ञानिकों ने बंगाल की खाड़ी में टूना मत्स्य संसाधनों का फैलाव एवं प्रचुरता विषय पर व्याख्यान दिया जिसमें वर्तमान दोहन, ऑनबोर्ड टूना हैण्डलिंग एवं सासमी ग्रेड के संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तथा विविधकृत मत्स्यन पद्धतियों पर विशेष प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला स्थल पर ओपन हाउस का आयोजन किया गया जिसमें फिशिंग गियर सामग्री, मॉडल्स, मछलियों के फोटोग्राफ चार्ट, जीवरक्षक उपकरणों आदि का प्रदर्शन किया गया। मछुआरें, एसआरके सरकारी कला महाविद्यालय (प्राणीविज्ञान छात्रगण) के छात्र एवं स्कूली छात्रों ने ओपन हाउस देखा। यानम एवं आसपास के क्षेत्र के कुल मिलाकर 150 मछुआरों एवं 60 छात्रों ने कार्यशाला में भाग लेकर इसका लाभ लिया।

विशाखापट्टणम बेस

विशाखापटनम बेस द्वारा मात्स्यिकी विभाग, ओडिशा सरकार के सहयोग से दिनांक 05 जुन 2018 को बालासोर, ओडिशा में ***"भारत के उपरी पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन"*** विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री प्रताप रंजन राऊत, संयुक्त मात्स्यिकी निदेशक (तट), ओडिशा सरकार मुख्य अतिथि थे। श्री के गोविन्दराज, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य उदबोधन दिया।

तकनीकी सत्र के दौरान बेस के वैज्ञानिकों ने मछुआरों एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों की भलाई के लिए वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यशाला के दौरान एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें मत्स्य संसाधनों के चार्ट, मछलियों के फोटो आदि एवं पर्यावरण अनुकूल फिशिंग गियर्स का प्रदर्शन किया गया।

बेस द्वारा *"आंध्र प्रदेश के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध मत्स्यहरण पद्धतियां"* विषय पर दूसरी कार्यशाला का आयोजन आंध्र प्रदेश सरकार के मात्स्यिकी विभाग के साथ मिलकर दिनांक 8 सितंबर 2018 को सहायक मात्स्यिकी निदेशक का कार्यालय, अवनिगड्डा, कृष्ण जिला, आंध्र प्रदेश में किया गया।

तीसरी कार्यशाला *"ओडिशा तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविध मत्स्यन पद्धतियां"* विषय पर दिनांक 24 जनवरी 2019 को मत्स्य विभाग, ओडिशा सरकार के सहयोग से गोपालपुर फिश लैंडिंग सेंटर, गंजम जिले में आयोजित की गई। श्री बचिन्द्र नंद राऊत, उप निदेशक (समुद्री), ओडिशा सरकार मुख्य अतिथि थे।

एम.एफ.वी. मत्स्य शिकारी एवं *एम.एफ.वी. मत्स्य दर्शिनी* पर दिनांक 7 दिसंबर 2018 को जैटी नं. 6, फिशिंग हार्बर, विशाखापटनम में ओपन हाउस का आयोजन किया गया। कई मछलियों के नमूने, फिशरी चार्ट, विभागीय गतिविधियां, पर्यावरण फिशिंग गियर प्रचालन पद्धतियां, जीवन रक्षक एवं अग्निशमन यंत्र एवं नौवहन उपकरणों का प्रदर्शन किय गया। मछुआरे, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं, अनुसंधानकर्ता, संकाय प्रमुख एवं आम जनता ने ओपन हाउस देखा। आगन्तुकों के लिए यह बहुत ही सूचनाप्रद था।

पोर्ट ब्लेयर बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा दिनांक 09.05.2018 को हैवलॉक में *"अंडमान तथा निकोबार सागर के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का स्थायी उपयोग"* विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें हैवलॉक द्वीप के मछुआरों को मात्स्यिकी संसाधन, मत्स्य संभावना एवं उपलब्धता, महासागरीय संसाधनों एवं पर्च संसाधनों के दोहन के लिए विभिन्न प्रकार की पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन पद्धतियां, मत्स्य संसाधनों का अधिकतम उपयोग, समुद्री संसाधनों का संरक्षण का महत्व, समुद्री इंजनों का रखरखाव आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया गया। श्री अजित कुमार राय, प्रधान, हैवलॉक ने कार्यशाला का उद्घाटन किया तथा श्रीमती काकोली डे, प्राचार्य, उच्च माध्यमिक स्कूल, हैवलॉक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. सीजो पी. वर्गिस, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य उद्बोधन प्रस्तुत कर कार्यशाला में भा.मा.स. की गतिविधियों एवं अधिदेश का विवरण प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्र के दौरान, बेस के वैज्ञानिकों एंव अभियंताओं ने विभिन्न पहलूओं अर्थात इंजन की खराबी, इंधन खपत एंव समुद्र में सुरक्षा, नौवहन उपकरणों की देखरेख तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन आदि पर व्याख्यान दिए।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा दिनांक 10.05.2018 को हैवलॉक के छात्र समुदाय, मछुआरों एवं आम जनता के लाभार्थ जलयान *एम.एफ.वी. ब्लू मार्लिन* पर ओपन हाउस का आयोजन हैवलॉक द्वीप पर किया गया। विभिन्न फिशिंग गियर्स एवं सहायक सामग्री, नौवहन, अभियांत्रिकी एवं समुद्री उपस्कर, समुद्री सुरक्षा के विविध पहलू एवं उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता का प्रदर्शन इस अवसर पर किया गया। ओपन हाउस का उद्घाटन श्रीमती काकोली डे, प्राचार्य, उच्च माध्यमिक स्कूल, हैवलॉक ने श्री अजित कुमार राय, प्रधान, हैवलॉक, श्री मनोज कुमार मीणा, उप एसएसपी एवं श्री दिलीप, मत्स्य निरीक्षक की उपस्थिति में किया।

लगभग 300 आगन्तुक, जिसमें उच्च माध्यमिक विद्यालय, हैवलॉक एवं आसपास के स्कूल के छात्र एवं शिक्षकगण, मछुआरें, स्थानीय जनता, सैलानी, मत्स्य व्यवसायी, क्रुस बोट के कप्तान और क्रुकर्मी, मात्स्यिकी विभाग के कर्मचारीगण एंव हैवलॉक के आसपास के लोगों ने हैवलॉक बंदरगाह पर लगे जलयान एमएफवी ब्लू मार्लिन का अवलोकन किया। बर्फीली महासागरीय संसाधन जैसे पेलाजिक थ्रेशर शार्क *(अलोपियस पेलाजिकस)*, डॉलफिन फिश (कोरिफेना हिप्पूरस), डीप सी पाम्फ्रेट *(तारार्चितिस स्टेनडकनेरी)*, ब्लीकर्स ग्रुपर्स *(एपिनेफेलस ब्लीकेरी)*, कोरल ग्रुपर्स *(सेफलोफोलिस मिनिएटा)*, ब्लेक टीप ग्रुपर्स *(एपिनेफेलस फेसिएटस)* प्रदर्शनार्थ रखी गई।

"अंडमान तथा निकोबार द्वीप के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का स्थायी उपयोग" विषय पर एक दिवसीय एक सामूहिक कार्यशाला एवं ओपन हाउस का आयोजन विशाखापटनम बेस एवं पोर्ट ब्लेयर बेस ने मात्स्यिकी विभाग, अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के सहयोग से दिनांक 19.03.2019 को फर्म टेकरी, हट बे लिटिल अंडमान में किया गया। जिसमें लिटिल अंडमान के मछुआरों को मत्स्य संसाधन, मत्स्य संभावना एवं उपलब्धता, महासागरीय संसाधनों एवं पर्च संसाधनों के दोहन के लिए विभिन्न प्रकार की पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन पद्धतियां, मत्स्य संसाधनों का अधिकतम दोहन, समुद्री संसाधनों का संरक्षण, समुद्री इंजनों का रखरखाव आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया गया। श्री शाजी थॉमस, मात्स्यिकी निरीक्षक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने उपस्थिति का स्वागत किया। श्री अपन्ना, वरिष्ठतम मछुआरा, हट बे ने कार्यशाला का उद्घाटन सुश्री क्षिप्रा बनिक, पंचायत प्रमुख, हट बे पंचायत समिति, श्रीमती पप्पी एम. नायडू, प्रधान, ग्राम पचायत, हट बे, श्री भास्कर राव, पंचायत समिति सदस्य, हट बे एवं श्री शाजी थॉमस, मात्स्यिकी निरीक्षक की उपस्थिति में किया। डॉ. सिजो. पी. वर्गीस, वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य उद्बोधन प्रस्तुत कर कार्यशाला में भा.मा.स. की गतिविधियों एवं अधिदेश का विवरण प्रस्तुत किया।

कुल 105 मछुआरों ने कार्यशाला में सहभागिता की जिन्हें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन की स्थिति, पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन पद्धतियां, उत्तरदायी मत्स्यन के लिए आचार संहिता, समुद्र में सुरक्षा तथा इंजन का रखरखाव पर व्याख्यान दिए।

14.12 पुरस्कार एवं प्रशंसा

डॉ. एस के द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को कलश अनुसंधान एवं कल्याणकारी समिति, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा **24-25** फरवरी 2019 के दौरान प्रयागराज, यू पी में *ग्लोबल वार्मिंग बनाम जैव विविधता* और सोसाइटी (एन जी बी एस – 2019) पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में विज्ञान एवं अनुसंधान में अमूल्य योगदान की मान्यता में वर्ष 2019 के वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भा मा स का मुम्बई बेस को पोत मत्स्य वृष्टि द्वारा वर्ष 2017-18 के दौरान अत्यधिक सराहनीय मौसम संबंधी कार्य करने हेतु 25-26-2019 मार्च के दौरान भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा एक *मोमेन्टो* एवं एक प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। भा मा स के मुम्बई बेस को संयुक्त राज्य तट रक्षक के कमांडन्ट से पोत *मत्स्य वृष्टि* को विश्व समुद्री सुरक्षा 2017 के समर्थन में स्वचालित पारस्परिक सहायता पोत बचाव प्रणाली के लिए उत्कृष्ट समर्थन हेतु योग्यता का प्रमाण पत्र 25-26 मार्च 2019 के दौरान कोच्चिन में प्राप्त हुआ।

15. राजभाषा गतिविधियां

15.1 हिंदी कार्यशालाएवं संगोष्ठी

मुंबई मुख्यालय

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई मुख्यालय के कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मुख्यालय में दिनांक 25.05.2018 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. सुशील कुमार शर्मा, नराकास सचिव एवं उप महानिदेशक (रा.भा.), पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट को *"भारत संघ की राजभाषा नीति"* विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होने "राजभाषा अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों" की संक्षिप्त जानकारी दी। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसमें सक्रियता से भाग लिया।

कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए भ.मा.स., मुंबई मुख्यालय में द्वितीय एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन 20.08.2018 को किया गया। श्री नरेश कुमार, प्रभारी, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवी मुंबई को *"मानक देवनागरी लिपि, हिंदी वर्तनी एंव व्याकरणीक चूक"* विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसमें सक्रियता से भाग लिया।

भा.मा.स. (मुख्यालय), मुंबई में दिनांक 26.02.2019 को तृतीय एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, नवी मुंबई को *"हिंदी पत्राचार" पर व्याख्यान देने* के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होनें हिंदी पत्राचार का अभ्यास भी करवाया। कुल मिलाकर 26 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

मुंबई बेस

"तिमाही प्रगति प्रतिवेदन भरने के संबंध में" एक दिवसीय कार्यशाला मुंबई बेस पर दिनांक 20.06.2018 को आयेजित की गई। श्री बी. बालानायक, अध्यक्ष हिंदी समिति ने विषय विशेषज्ञ का स्वागत किया। श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, बेलापुर, नवी मुंबई ने तिमाही एवं अन्य प्रतिवेदनों को भरने की विधि को समझाया। कार्यशाला में बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

"प्रशासनिक पत्राचार-टिप्पण-आलेखन" विषय पर द्वितीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27.09.2018 को मुंबई बेस पर किया गया। श्री शैलेश आर. वेतन एवं लेखा अधिकारी, लेखा कार्यालय, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, मुंबई इस अवसर पर वक्ता थे। कार्यशाला का विषय प्रशासनिक पत्राचार-टिप्पण एवं प्रारुपण था। कार्यशाला में बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

श्री नरेश कुमार, प्रभारी, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवी मुंबई के नेतृत्व में "सरल अनुवाद" विषय पर तृतीय एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला मुंबई बेस पर दिनांक 15.12.2018 को आयोजित की गई। कार्यशाला में बेस के 04 अधिकारियों एवं 13 कर्मचारियों ने सहभागिता की।

श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, बेलापुर, नवी मुंबई ने **"सामान्य पत्राचार"** पर दिनांक 16.02.2019 को चौथी हिंदी कार्यशाला में व्याख्यान दिया। कार्यशाला में बेस के 04 अधिकारियों एवं 24 कर्मचारियों ने सहभागिता की।

मुरगांव बेस

मुरगांव बेस द्वारा 22 जून को *राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन* पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री एक नाथ धुरी, हिंदी अधिकारी, कोंकण रेल्वे, मडगांव, गोवा इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रहे।

द्वितीय हिंदी कार्यशाला बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लाभार्थ 29 सितम्बर 2018 को ***विविध पहलुओं में हिंदी का कार्यान्वयन*** विषय पर आयोजित की गई। डॉ. अमरीश सिन्हा, हिंदी अधिकारी, न्यू इंडिया इनशूरन्स कम्पनी, मुम्बई इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रहे।

"युनिकोड एवं कंप्यूटिंग" विषय पर एक दिवसीय तीसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन मुरगांव बेस पर 23 अक्टूबर 2018 को किया गया जिसमें कर्मचारियों के मार्गदर्शन के लिए श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद, सहायक निदेशक (टंकण एवं आशुलिपि), केंद्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

"राजभाषा का तकनीकी पहलू" विषय पर एक दिवसीय चौथी हिंदी कार्यशाला का आयोजन मुरगांव बेस पर 15 मार्च 2019 को किया गया जिसमें कर्मचारियों के मार्गदर्शन के लिए श्रीमती निलम केंकरे, हिंदी अधिकारी, मुरगांव पत्तन न्यास, गोवा एंव सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वन समिति दक्षिण, गोवा को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

कोचिन बेस

27 जून 2018 को कोचिन बेस पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती बीना, के. नायर, वरि. अनुवादक ने व्याख्यान दिया तथा इसमें 15 अधिकारियों एंव कर्मचारियो ने सहभागिता की।

29 सितम्बर 2018 को कोचिन बेस पर एक दिवसीय दूसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती लीना टी.पी., कनि. अनुवादक ने व्याख्यान दिया तथा इसमें 15 अधिकारियों एंव कर्मचारियो ने सहभागिता की।

26 दिसम्बर 2018 को कोचिन बेस पर एक दिवसीय तीसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती लीना टी.पी., कनि. अनुवादक ने व्याख्यान दिया तथा इसमें 15 अधिकारियों एंव कर्मचारियो ने सहभागिता की।

27 मार्च 2019 को कोचिन बेस पर एक दिवसीय चौथी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चेन्नई बेस

20 जून 2018 को चेन्नई बेस पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री किरण लता यादव, हिंदी शिक्षण योजना चेन्नई ने व्याख्यान दिया।

विशाखापट्टणम बेस

29 मई 2018 को विशाखापटनम बेस पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती आर श्रीदेवी, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, दूरस्थ शिक्षा, आंध्र विश्वविद्यालय को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने *"हिंदी सीखने एंव सरकारी कार्यालयों में हिंदी में काम करना"* विषय पर व्याख्यान दिया।

12 सितम्बर 2018 को विशाखापटनम बेस पर एक दिवसीय द्वितीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. हेमलता राव, सेवानिवृत्त हिंदी अधिकारी, विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने *राजभाषा हिंदी के विविध पहलू एंव दैनदिनी में हिंदी का प्रयोग* विषय पर व्याख्यान दिया।

04 दिसम्बर 2018 को विशाखापटनम बेस पर एक दिवसीय तीसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती जी. दीप्ती, कनि. अनुवादक, आयकर विभाग, विशाखापटनम को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने राजभाषा हिंदी के विविध पहलू एंव दैनदिनी में हिंदी का प्रयोग विषय पर व्याख्यान दिया।

22 मार्च 2019 को विशाखापटनम बेस पर चौथी एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री रामेश्वर राव, कनि. अनुवदक, आकाशवाणी, विशाखापटनम को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। *उन्होंने राजभाषा हिंदी के महत्व एवं हिंदी अनुवाद विषय* पर विस्तार से व्याख्यान दिया।

पोर्ट ब्लेयर बेस

27 जून 2018 को पोर्ट ब्लेयर बेस पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री अजय सिंह, कनि. अनुवादक, सचिवालय अंडमान तथा निकोबार प्रशासन को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने *"हिंदी का राजभाषा के रूप में उद्भव और कार्यान्वयन"* विषय पर व्याख्यान दिया तथा सहभागियों को दैनदिनी में कार्यालय मं हिंदी में काम कैसे करें के बारे में मार्गदर्शन किया।

25 सितम्बर 2018 को पोर्ट ब्लेयर बेस पर एक दिवसीय द्वितीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री शहनवाज, कनि. अनुवादक एवं श्री एन. वरधन, आशुलिपिक श्रेणी I, भा.मा.स., पोर्ट ब्लेयर बेस विषय वक्ता के रूप में थे। श्री एन. वरधन ने सरकारी कार्यलय में प्रचलित विभिन्न नियमों की जानकारी दी वहीं श्री शहनवाज, कनि. अनुवादक ने राजभाषा अधिनियम, 1965 के तहत नियमों एवं राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला।

भा.मा.स., पोर्ट ब्लेयर बेस को वर्ष 2017-18 के दौरान राजभाषा के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए पोर्ट ब्लेयर स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ फलस्वरूप दिनांक 13 जुलाई 2018 को केरी, पोर्ट ब्लेयर में सपन्न नराकास की वार्षिक बैठक में पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

31 दिसम्बर 2018 को पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा एक दिवसीय तीसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री देवानंद उईके, वरि. वैज्ञानिक सहायक को विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के उद्देष्यों एवं विभिन्न मत्स्यन पद्धतियों पर व्याख्यान दिया।

16 मार्च 2019 को पोर्ट ब्लेयर बेस पर एक दिवसीय हिंदी कार्यषाला का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री अनिता मंजुला एक्का, यू डी सी ने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा का प्रयोग पर व्याख्यान दिया।

15.2 हिंदी दिवस/ हिंदी पखवाड़ा समारोह

मुंबई (मुख्यालय)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई में 14 सितंबर 2018 को "हिंदी दिवस" मनाया गया तथा 14 से 28 सितंबर 2018 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसका उद्घाटन डॉ. एल. रामालिंगम, डीडीजी (मा)/महानिदेशक (प्रभारी) ने दीप प्रज्वलित कर किया। श्री महेश कुमार फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी) ने हिंदी दिवस के मौके पर माननीय गृहमंत्री महोदय श्री राजनाथ सिंह जी से प्राप्त संदेश पढ़कर सुनाया।श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, कनि. अनुवादक ने हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों का ब्योरा दिया तथा कर्मचारियों से हिंदी पखवाड़े के दौरान अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य मूल रूप से हिंदी में करने का आग्रह किया। पखवाड़े के दौरान पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की गई यथा हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण-आलेखन, राजभाषा सामान्य ज्ञान, अंताक्षरी एंव हिंदी कविता पाठ ।20 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एल. रामालिंगम, डीडीजी (मा)/महानिदेशक (प्रभारी) ने की। श्री आर जे सिंह, उप महानिदेशक, बेस्ट, कोलाबा मुख्य अतिथि थे।श्री निलांबर कुमार, लेखा अधिकारी, पीसीडीए, मुंबई को कविता पाठ के लिए विषेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री महेश कुमार फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी) ने संस्थान द्वारा राजभाषा के विकास के लिए निष्पादित गतिविधियों का ब्योरा दिया। प्रतियोगिता विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुंबई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई बेस में 14 सितंबर 2018 को "हिंदी दिवस" मनाया गया तथा 14 से 28 सितंबर 2018 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसका उद्घाटन श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यां) की अध्यक्षता में सपन्न हुआ। पखवाड़े के दौरान कुल पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका पुरस्कार वितरण समापन समारोह में किया गया।

मुरगावं बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुरगांव, गोवा बेस में 14 सितंबर से 01 अक्टुबर 2018 तक "हिंदी पखवाड़ा" मनाया गया जिसका उद्घाटन डॉ. वगेश पांडे, प्रभारी, केंद्रीय एकीकृत कीटनाशक प्रबंधन केंद्र, मुरगांव हार्बर, गोवा ने दीप जलाकर किया। कप्तान मनोज जोशी, उप संरक्षक, मुरगांव पत्तन न्यास, गोवा समापन अवसर पर मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कोचिन बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, कोचिन बेस पर 14-28 सितंबर 2018 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। समापन अवसर पर श्री प्रेमचंद, हिंदी अधिकारी, सीएमएलआरई मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

चेन्नई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, कोचिन बेस पर 1-14 सितंबर 2018 तक *हिंदी पखवाड़ा* मनाया गया। पखवाड़े का शुभारंभ दिनांक 03.09.2018 को सभागार में सपन्न हुआ। पखवाड़े का शुभारंभ श्री कोमल सिंह, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, चेन्नई के करकमलों से संपन्न हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए दैनदिनी में इसके महत्व पर प्रकाश डाला और सबसे आग्रह किया कि जहां तक संभव हो अपना कार्य हिंदी में करें। पखवाड़े के दौरान कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी बढ़चढ़ कर भाग लिया। 14 सितंबर 2018 को संपन्न समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विशाखापट्टणम बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापटनम बेस पर 03-17 सितंबर 2018 तक *हिंदी पखवाड़ा* मनाया गया। पखवाड़े के दौरान प्रश्नमंच, डुप्लिकेशन, टिप्पण आलेखन जैसी हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कविता पाठ एवं कहानी प्रतियोगिता कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित की गई। 17 सितंबर 2018 को संपन्न समापन समारोह में कर्मचारियों के लिए तत्काल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्रीमती पी. सूर्यकला, हिंदी अधिकारी, विशाखापटनम पोर्ट मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

पोर्ट ब्लेयर बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर बेस पर 14.09.2018 से 28.09.2018 तक *हिंदी पखवाड़ा* मनाया गया। पखवाड़े का उद्घाटन दिवस पर सुश्री बनिता बेहरा, सहायक कीपर एवं हिंदी अधिकारी, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर मुख्य अतिथि थी। इस अवसर पर प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 28 सितंबर 2018 को संपन्न समापन अवसर पर श्री राजेन्द्र इंदवार, सचिव (हिंदी) एवं श्री आनंद राज, हिंदी प्रशिक्षक, अंडमान तथा निकोबार प्रशासन मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

नराकास बैठको में सहभागिता

प्रतिभागी	पदनाम	स्थान व तिथि
श्री एस के जायसवाल श्री बी एल अंजना	यांत्रिक समुद्री अभियंता कनि. अनुवादक	एमपीटी, मुरगांव 20 अप्रैल 2018 एवं 10 सितंबर 2018
श्री एस के पटनायक श्री बी के सिंह	वरि. वैज्ञानिक सहायक हिंदी टंकक	विभागीय रेलवे प्रबंधक का कार्यालय, विशाखपटनम 08 मई 2018
श्रीमती मीरा वेल्लन राजीव	कनि अनवुादक	पश्चिम रेलवे (मुख्यालय), मुंबई, 22 मई 2018
श्री डी के गुलाटी	क्षेत्रीय निदेशक	मुख्य कर आयुक्त का कार्यालय, कोच्चि 19 जुन 2018
डॉ. एल. रामालिंगम श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव	उप महानिदेशक (मा.) कनि अनवुादक	पश्चिम रेलवे (मुख्यालय), मुंबई 24 अक्टूबर 2018
डॉ. सिजो पी. वर्गीस श्री सुदेषनन	वरि. मात्स्यिकी वैज्ञानिक रेडियो टेलिफोन प्रचालक	पोर्ट ब्लेयर 11 फरवरी 2019
श्री डी के गुलाटी श्रीमती टी. पी. लीना	क्षेत्रीय निदेशक कनि. अनुवादक	कोच्चि 15 मार्च 2019 एंव 26 मार्च 2019

निरीक्षण / समीक्षा

राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रगामी प्रयोग का निरीक्षण दिनांक 11 जुलाई 2018 को श्री मुस्तफा हुसैन, सहायक निदेशक (रा.भा.) एवं श्री युसुफ खान, वैयक्तिक सहायक, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई (मुख्यालय) में किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा निरीक्षण

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई (मुख्यालय) की राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी प्रगति का निरीक्षण दिनांक 15 जनवरी 2019 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा ताज लैण्ड्स एंड, मुंबई में संपन्न हुआ। माननीय समिति ने भा.मा.स. मुंबई मुख्यालय द्वारा तैयार निरीक्षण प्रश्नावली की समीक्षा की तथा पाई गई कुछ कमियों को दूर करने के निदेश दिए गए। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री सागर मेहरा, संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, श्री मुस्तफा हुसैन, सहायक निदेशक (रा.भा.) एवं श्री सुभाष चंद, सहायक अनुभाग अधिकारी ने चर्चा में भाग लिया। डॉ. एल. रामालिंगम, डी.डी.जी. (मा)/महानिदेशक (प्रभारी), श्री महेश कुमार फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी), श्रीमती एम के श्रीमती, वरि. प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, कनि. अनुवादक ने माननीय संसदीय समिति द्वारा किए गए निरीक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

हिंदी कार्यशाला में सहभागिता

श्री एस के पटनायक, वरि. वैज्ञानिक सहायक एवं श्री बी के सिंह, हिंदी टंकक, भा.मा.स., विशाखापटनम बेस ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा स्वर्ण जयंति भवन, विशाखापटनम में दिनांक 2 मई 2018 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में सहभागिता की।

श्रीमती टी पी लीना, क. अनुवादक ने 29 एवं 30 मार्च 2019 को कुसा2 के हिंदी विभाग के उच्च शिक्षा के छात्रों के लिए आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

हिंदी पारंगत प्रशिक्षण

श्री योगेश गांगुर्डे, आंकड़ा प्रविष्टि प्रचालक एवं श्री चंद्रगुप्त कुमार, निम्न श्रेणी लिपिक ने हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत नवंबर 2018 में हिंदी पारंगत परीक्षा उत्तीर्ण की।

पुरस्कार

भा.मा.स., पोर्ट ब्लेयर बेस को वर्ष 2017-18 के दौरान राजभाषा के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए पोर्ट ब्लेयर स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ फलस्वरूप दिनांक 13 जुलाई 2018 को केरी, पोर्ट ब्लेयर में सपन्न नराकास की वार्षिक बैठक में पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना

मूल कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत प्रांरभ प्रोत्साहन योजना के तहत इस उद्देश्य के लिए गठित समिति की अनुसंशाओं के आधार पर वर्ष 2017-18 का नगद पुरस्कार निम्लिखित कर्मचारियों को प्रदान किया गया है -

प्रथम पुरस्कार

1. श्री विशाल के. खरात, अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक
2 श्री चेतन एन. रायथाता, प्रवर श्रेणी लिपिक

द्वितीय पुरस्कार

1. श्री शुभ्रजीत दास, आशुलिपिक श्रेणी II
2. श्रीमती वंदना सी. वाघमारे, प्रवर श्रेणी लिपिक

16. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यकलापों के साथ सहयोग और संघ

महानिदेशक/उनके प्रतिनिधियों ने निम्नलिखित समितियों पर कार्य किए:

1. पोत मानिटरिंग तंत्र (वी एम एस) प्रारंभ करने के लिए प्रस्ताव पर विचार करने हेतु समिति।
2. समुद्री मात्स्यिकी पर आंतरिक-मंत्रालयीन सशक्तीकरण समिति।
3. हिन्द महासागर टूना आयोग संकल्प के कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग एवं समीक्षा हेतु गठित कार्य दल।
4. हिन्द महासागर टूना आयोग को प्रस्तुतीकरण हेतु टूना पर ऑकड़े का संशोधन और समीक्षा हेतु कार्य दल।
5. मत्स्यन रोक के प्रभाव निर्धारित करने एवं उसकी अवधि की समीक्षा हेतु समिति।
6. भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनो के पुनः वैधीकरण हेतु विशेषज्ञों के कार्यदल।
7. समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केन्द्र (सी एम एल आर ई), एम ओ ई एस, कोच्चि, की वैज्ञानिक सलाहकारी समिति।
8. बी ओ बी पी, आई जी ओ, चेन्नई की तकनीकि सलाहकारी समिति।
9. केंद्रीय मॉनिटरिंग समिति की संरचना के साथ नरम ऋण पैकेज के कार्यान्वयन की निगरानी करने हेतु।
10. तारापोरवाला मछलीघर के नवीकरण पर समिति।
11. अंतर्देशीय और समुद्री पिंजरों से संभाव्य मछली पकड़ने का पुनर्वैधीकरण के लिए समिति।
12. मात्स्यिकी से संबंधित विविध मामलों/ मछुआरों की सुरक्षा पर विचार करने हेतु समिति।
13. पशु समिति पर कार्यदल।
14. ध्वज राज्य निष्पादन पर एफ ए ओ का तकनीकि परामर्श पर समिति।
15. सी एस एस के अंतर्गत केंद्रीय वित्तीय सहायता के लिए दोनों प्रशासनिक एवं वित्तीय एंजिल के लिए अनुमोदन हेतु केंद्रीय अनुमोदन एवं मॉनिटरिंग समिति (सी ए एम सी)।
16. समुद्री मात्स्यिकी विनिमय एवं प्रबंधन बिल के पुनः मसौदा बनाने हेतु समिति।
17. भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण के लिए अनुसंधान सलाहकारी एवं मॉनिटरिंग समिति (आर ए एम सी)।
18. मात्स्यिकी सब्सिडी पर कार्य दल।
19. ट्रॉलिंग समिति के लिए हाईपावर इंजन बोट का उपयोग के पहलुओं को देखने हेतु समिति।
20. भारतीय अनन्य आर्थिक सेवा कि लिए बेड़े की योजना बनाने के लिए समिति।
21. समुद्र अवलोकन प्रणाली (ओ ओ एस), साइबर और जियोट्रेसस के परियोजना प्रबंधन परिषद (पी एम सी)।

17. संक्षिप्त रुप

बी ओ बी एल एम इ (बोबलम)	:	बंगाल की खाड़ी विशाल समुद्री पारिस्थितिक तंत्र
बी ओ बी पी-आई जी ओ	:	बंगाल की खाड़ी कार्यक्रम अंतर सरकारी संगठन
सी सी आर एफ	:	उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता
सिफनेट	:	केन्द्रीय मात्स्यिकी नाविकी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान
सी आई एफ आर आई	:	केन्द्रीय अन्तर्स्थलिय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
सी आई एफ टी	:	केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान
सी एम एफ आर आई	:	केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनसंधान संस्थान
सी एम एल आर इ	:	समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केन्द्र
ई ई जेड़ (अ आ क्षे)	:	अनन्य आर्थिक क्षेत्र
जी आई एस	:	भौगोलिक सूचना तंत्र
जी ओ आई	:	भारत सरकार
इफको	:	अंतर्राष्ट्रीय फोस्टर केयर संगठन
आई आई टी एफ	:	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला
आई एम एस	:	भारतीय मौसमी संघ
इनकोइस	:	भारतीय महासागर विज्ञान सूचना केन्द्र
आई ओ टी सी	:	हिन्द महासागर टूना आयोग
आई ओ टी सी एस सी	:	हिन्द महासागर टूना आयोग वैज्ञानिक समिति
आई टी पी ओ	:	भारतीय व्यापार प्रोन्नयन संगठन
एम सी एस	:	मॉनिटरिंग नियंत्रण एवं निगरानी
एन ए एस सी	:	राष्ट्रीय एरोनोटिक एवं अन्तरिक्ष परिषद
एन एफ डी बी	:	राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड
एन आई सी	:	राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र
एन आई ओ टी	:	राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान
पी एस सी	:	परियोजना विषय निर्वाचन समिति
आर ए सी	:	अनुसंधान सलाहकारी समिति
आर ए एल बी ए एम	:	लॉब्स्टर जीवविज्ञान, जलकृषि एवं प्रबंधन में हाल ही की उन्नति
एस ए सी	:	अन्तरीक्ष उपयोग केन्द्र
एस ए सी- एम एल आर पी	:	समुद्री सजीव संसाधन कार्यक्रम पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति
सिफ्ट	:	राज्य मात्स्यिकी प्रौद्यागिकी संस्थान
टोलिक	:	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
वी एम एस	:	पोत मॉनिटरिंग तंत्र
प्रजातियाँ		
वाई एफ टी	:	येल्लोफिन टूना
एस के जे	:	स्किपजेक टूना
एम ए आर	:	मार्लिन
एस डब्ल्यू ओ	:	स्वोर्ड फिश
एस ए आई	:	सेईल फिश
एस एच ए	:	शार्क
ओ टी एच	:	अन्य
डी ओ एल	:	डोलफिन

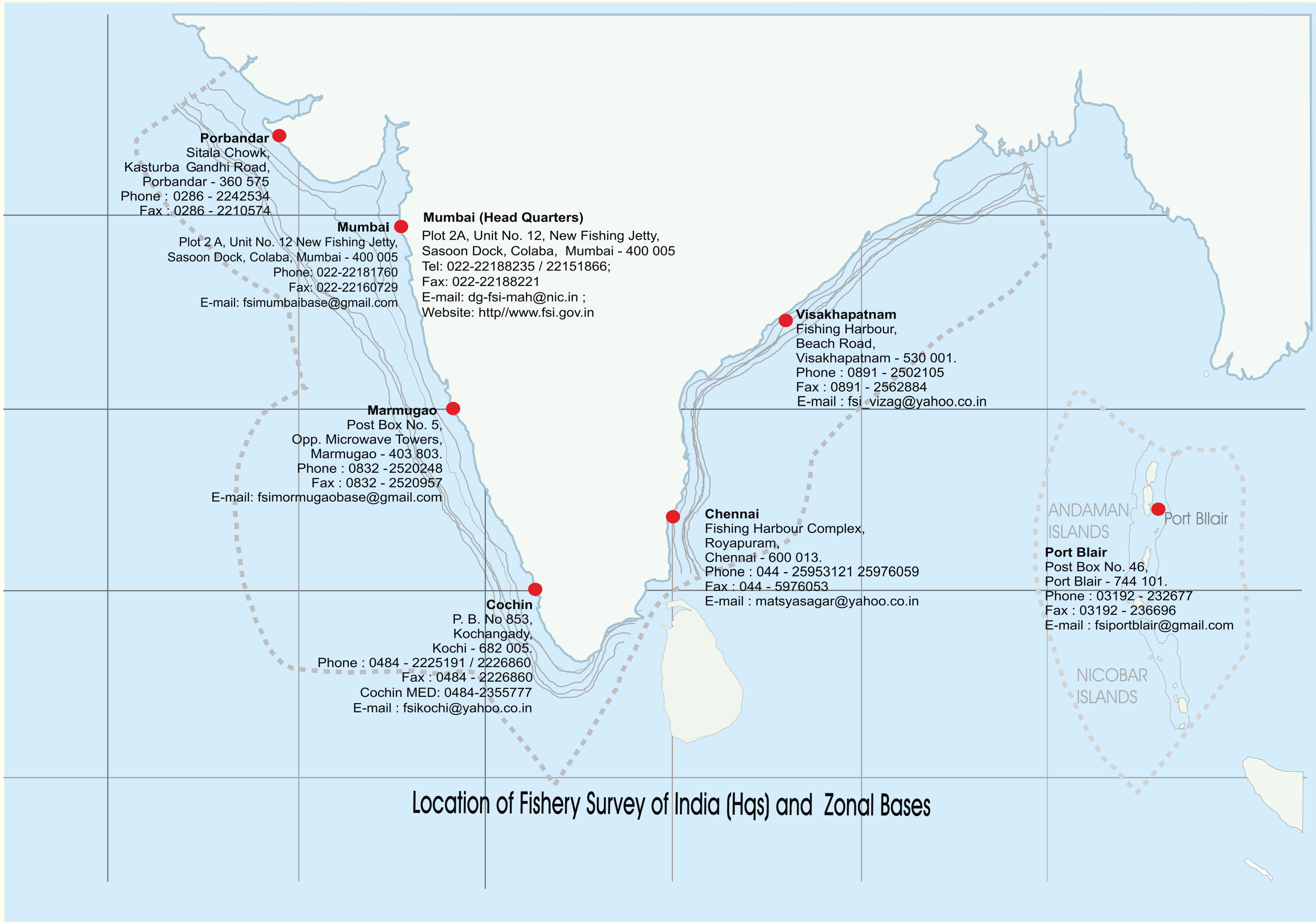

Location of Fishery Survey of India (Hqs) and Zonal Bases

Department of Fisheries, Ministry of Fisheries, Animal Husbandry & Dairying
Government of India
Krishi Bhawan, New Delhi, India-110 001.

Website www.dof.gov.in & http://dahd.nic.in
KISAAN PORTAL Website: www.farmer.gov.in / www.mkisan.gov.in
For more information, call: 1800-180-1551

Send "KISAAN GOV HELP" as SMS to 51969 (Service provider rates apply)
Poultry Development: www.facebook.com/poultryinindia-242959095864252
Fodder Development: www.facebook.com/fodderinindia
Sheep and Goat Development www.facebook.com/ sheepgoatsindia
Twitter: twitter.com/poultryinindia & twitter.com/ cpdoti
Facebook page of DOF- https://www.facebook.com/FisheriesGoI
Twitter handle of DOF - twitter.com/FisheriesGoI

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

ओपन हॉउस / OPEN HOUSE
एम. एफ. वी. मत्स्य शिकारी / MFV Matsya Shikari
एम. एफ. वी. मत्स्य दर्शिनी / MFV Matsya Darshini
7 दिसम्बर 2018 / 7th December 2018
जेट्टी नं 6, फिशिंग हार्बर / Jetty No 6, Fishing harbour
Fishery Survey of India
Beach Road, Visakhapatnam